महानगर नई दिल्ली सोमवार 17 जून, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

हालात का जायजा लेने मुजफ्फरपुर पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन

नीतीश ने बच्चों के परिजनों को चार-चार लाख की अनुग्रह राशि का एलान किया

मुजफ्फरपुर में मरने वाले बच्चों की संख्या 93 हुई

मुख्यमंत्री ने एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से पीड़ित बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की

पटना/मुजफ्फरपुर, 16 जून (भाषा)।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रविवार को एक और बच्चे की मौत से संदिग्ध रूप से दिमागी बुखार के कारण जिले में इस महीने जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 93 हो गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रत्येक मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इस दौरान हालात का जायजा लेने मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण सिंह मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से राज्य को सभी संभव तकनीक और आर्थिक मदद का आश्वासन दिया। मुजफ्फरपुर के सिविल सर्जन डॉ. शैलेश प्रसाद ने रविवार देर शाम बताया कि मस्तिष्क ज्वर सहित अन्य अज्ञात बीमारी से मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर अब 93 हो गई है जबकि जनवरी से अबतक कुल 375 बच्चे इससे पीड़ित हुए हैं।

श्रीकृष्ण सिंह मेडिकल कालेज अस्पताल के अधीक्षक डा सुनील शाही ने बताया कि उनके अस्पताल में रविवार को आठ बच्चों की मौत हो गई जबकि 31 और बीमार बच्चे भर्ती कराए गए हैं ।

पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक आधिकारिक बयान मुजफ्फरपुर में बच्चों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतक के परिजनों को बाकी पेज 8 पर

हर्षवर्धन ने कहा कि बिहार में चार-पांच जगहों पर अत्याधुनिक वाईरोलोजी प्रयोगशाला कुछ ही महीनों में बनकर तैयार हो जाएगी

अगले दो-तीन दिन में मानसून के आगे बढ़ने की उम्मीद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

चक्रवाती तूफान 'वायु' के कारण मानसून के उत्तर की ओर आगे बढ़ने में देरी हुई है। इससे देश में अब तक की कुल बारिश में 43 फीसद की कमी दर्ज की गई।

अब 'वायु' कमजोर पड़ने के साथ मानसून के अगले दो दिन में आगे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक देश के अधिकतम तापमान में औसत से तीन डिग्री की उछाल बरकरार रहने और फिर धीरे धीरे उतने की ही गिरावट आने का अनुमान लगाया है। चक्रवाती तूफान 'वायु' की तीव्रता कम होने से अब दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाओं का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि अमूमन अब तक मानसून को मध्य प्रदेश, राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गुजरात के कुछ हिस्सों तक पहुंच जाना चाहिए था। जबकि, यह अभी महाराष्ट्र तक भी नहीं पहुंच पाया है।

केरल और तटीय कर्नाटक में मानसूनी बारिश हुई है। चक्रवाती तूफान के कारण पश्चिमी समुद्र तटीय इलाकों में बारिश हुई है। पश्चिमी तट में महाराष्ट्र बाकी पेज 8 पर

100 फीसद बारिश की कमी दर्ज की गई है दिल्ली में

अभी मानसून महाराष्ट्र भी नहीं पहुंचा है

'एक देश, एक चुनाव' पर 19 को सर्वदलीय चर्चा

लोकसभा सत्र की पूर्वसंध्या पर प्रधानमंत्री ने की सभी दलों के साथ बैठक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक देश, एक चुनाव' के विषय पर चर्चा के लिए संसद भवन में सभी दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की बैठक बुलाई है। यह बैठक 19 जून को होगी। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी इस बैठक में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों और 2022 में भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजनों के स्वरूप को लेकर भी सभी दलों के नेताओं से बात करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई लोकसभा के पहले सत्र की पूर्वसंध्या पर रविवार को सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। सत्रहवीं लोकसभा का पहला सत्र 17 जून से 26 जुलाई तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चार जुलाई को आर्थिक समीक्षा पेश करेंगी और पांच जुलाई को बजट पेश किया जाएगा।

रविवार की बैठक के बारे में प्रह्लाद जोशी ने कहा कि हमें विपक्षी दलों के साथ ही सहयोगियों से भी कई सुझाव मिले हैं। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बार संसद में कई नए चेहरे आए हैं और उनकी ओर से आने वाले विचारों को सरकार के विचारार्थ विषयों में शामिल किया जाना चाहिए। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी ने 20 जून को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों की भी बैठक बुलाई है। मोदी ने कहा कि लोकसभा में इस बार कई नए चेहरे हैं और निचले सदन का प्रथम सत्र नए उत्साह और सोच बाकी पेज 8 पर

आज हमने सार्थक सर्वदलीय बैठक की, जो चुनाव परिणामों के बाद और मानसून सत्र शुरू होने से पहली बैठक है। नेताओं के बहुमूल्य सुझावों के लिए उनका आभार। हम सभी संसद में सुगम कामकाज के लिए सहमत हुए, ताकि जनता की आकांक्षाओं को पूरा कर सकें।'

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री (ट्विटर पर)

विपक्ष ने उठाए कृषि, कश्मीर में चुनाव व बेरोजगारी के मुद्दे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

संसद के बजट सत्र से एक दिन पहले कांग्रेस ने रविवार को सर्वदलीय बैठक में बेरोजगारी, कृषि संकट, सूखा और प्रेस की आजादी जैसे विषय उठाए। साथ ही, जम्मू कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की भी मांग की।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद, कांग्रेस बाकी पेज 8 पर

ममता बनर्जी से बातचीत के लिए तैयार हड़ताली डॉक्टर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

पश्चिम बंगाल में हड़ताल कर रहे डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करने को लेकर सहमति जता दी है। हालांकि, इसके लिए डॉक्टरों ने कुछ शर्तें रखी हैं। जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि वे जनता के हित में मुख्यमंत्री से बात करने के लिए तैयार हुए हैं लेकिन बातचीत बंद कमरे में नहीं होगी। डॉक्टरों ने कहा कि मीडिया की मौजूदगी में और खुले में बातचीत होगी। बातचीत तक हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने अपने रुख बाकी पेज 8 पर

खुले में और मीडिया की मौजूदगी में ममता संग बैठक की रखी शर्त डॉक्टरों ने।

सरकार राम मंदिर निर्माण के लिए अध्यादेश लाए : उद्धव

अयोध्या, 16 जून (जनसत्ता)।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए सरकार को अध्यादेश लाना चाहिए। ठाकरे ने यहां अपने बेटे आदित्य और शिवसेना सांसदों के साथ रामलला की पूजा अर्चना की।

शिवसेना प्रमुख ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण जल्द से जल्द करना होगा। सरकार को राम मंदिर निर्माण के लिए अध्यादेश लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवसेना के 18 सांसद सदन में जाने के पहले बाकी पेज 8 पर

ठाकरे ने अयोध्या में बेटे आदित्य और शिवसेना सांसदों के साथ रामलला की पूजा अर्चना की

कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में चिंताजनक खुलासा **अध्ययन** कम उम्र के हाथी हो रहे हैं शिकार

हाथियों को मारकर खा रहे हैं बाघ

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

उत्तराखंड के कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में बाघ हाथियों की जान ले रहे हैं और कुछ मामलों में उन्हें खा भी रहे हैं। एक आधिकारिक अध्ययन में बताया गया कि बाघ खासकर कम उम्र के हाथियों को शिकार बना रहे हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि उद्यान के अधिकारियों द्वारा किए गए अध्ययन में यह चिंताजनक रुझान सामने आए हैं क्योंकि बाघ सामान्यतः हाथियों को नहीं खाते हैं।

अध्ययन के मुताबिक 2014 से 31 मई 2019 के बीच जानवरों के बीच लड़ाई में कुल नौ बाघ, 21 हाथी और छह चीते मृत पाए गए। अध्ययन में कहा गया बाकी पेज 8 पर

अद्भुत पारिस्थितिकी

राष्ट्रीय उद्यान की पारिस्थितिकी भी अद्भुत है क्योंकि यहां *225* बाघ और करीब *1100* जंगली हाथी हैं जबकि रणथम्भौर, कान्हा और बांधवगढ़ जैसे दूसरे राष्ट्रीय उद्यानों में मुख्यत: बाघ हैं।

बाघों द्वारा हाथियों के खाने की घटना अद्भुत है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि सांभर और चीतल जैसे प्रजातियों के शिकार की तुलना में हाथी के शिकार में बाघों को कम ऊर्जा और प्रयास की जरूरत पड़ती है। हाथी को मारने से उन्हें काफी मात्रा में भोजन मिल जाता है।

-संजीव चतुर्वेदी
वरिष्ठ आइएफएस अधिकारी और राष्ट्रीय उद्यान के प्रभारी

विश्व कप में पाक के खिलाफ

अजेय भारत

89 रन से शानदार जीत

मैनचेस्टर, 16 जून (भाषा)।

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के एक और लाजवाब शतक से बड़ा स्कोर बनाने वाले भारत ने रविवार को यहां पाकिस्तान को डकवर्थ लुईस पद्धति से 89 रन से करारी शिकस्त देकर विश्व कप में अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ विजय अभियान 7-0 पर पहुंचा दिया। भारत ने विश्व कप में अब तक हमेशा पाकिस्तान को शिकस्त दी है और विराट कोहली की टीम ने भी यह क्रम जारी रखा। भारत ने पांच विकेट पर 336 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 35 ओवरों में छह विकेट पर 166 रन बनाए थे कि तभी बारिश आ गई। बाद में खेल शुरू होने पर पाकिस्तान को 40 ओवर में 302 रन यानी बाकी बचे पांच ओवर में 136 रन का लभ्य मिला। पाकिस्तानी टीम छह विकेट पर 212 रन ही बना पाई।

पाकिस्तानी पारी के दौरान केवल बीच में एक दौर आया जब भारत थोड़ा परेशानी में दिखा। फखर जमां (75 गेंदों पर 62) और बाबर आजम (57 गेंदों पर 48) ने दूसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़कर भारतीयों को थोड़ा दबाव में ला दिया था। भारतीय गेंदबाजों 12 रन के अंदर चार विकेट निकालकर शानदार वापसी की। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज बाकी पेज 8 पर

खबर पेज 11

पाकिस्तान के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए विश्व कप मुकाबले में रविवार को शतक लगाने के बाद अभिवादन करते हुए रोहित शर्मा। रोहित ने 113 गेंदों पर 140 रन बनाए।

बिहार में लू लगने से अब तक 61 लोगों की मौत

पटना, 16 जून (भाषा)।

बिहार में लू लगने से गर्मी के इस मौसम में अब तक 57 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे अधिक मौतें औरंगाबाद जिले में हुई हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि प्रदेश में लू लगने से अब तक 57 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें औरंगाबाद जिले में 30, गया में 20 और नवादा में 11 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को अनुग्रह अनुदान राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मौसम विभाग के पटना कार्यालय के मुताबिक पटना में शनिवार को अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह 2009 के रेकॉर्ड को पार कर गया है। पटना शहर में शनिवार को न्यूनतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। भीषण गर्मी को देखते हुए 19 जून तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश जिलाधिकारी कुमार रवि ने शनिवार को दिया था। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लगातार दो दिनों तक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किए जाने पर हीट वेव घोषित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में बारिश के दौरान बिजली गिरने से चार लोगों की मौत

बलरामपुर/कोरबा, 16 जून (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो भाइयों समेत चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि 16 साल के एक लड़के और उसके आठ साल के छोटे भाई की मौत आम के एक पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने की वजह से शनिवार को हो गई।

यह घटना बलरामपुर जिले के धंधापुर-शिवपुर गांव में हुई। ये दोनों भाई आम तोड़ने गए थे लेकिन उसी दौरान यह दुख भरी घटना हो गई। उन्होंने बताया कि शवों को उनके परिवार को सौंप दिया गया है।

एक अन्य घटना में 17 साल की एक किशोरी और उसकी 18 साल की रिश्तेदार की मौत हो गई। शयांग पुलिस थाना हाउस के अधिकारी निलाधर राठौड़ ने बताया कि ये दोनों किशोरी अपने घर के बाहर एक खेत में नहा रही थीं।

जम्मू में रविवार को विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम की जीत की कामना करते क्रिकेटप्रेमी।

आइएमए के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल आज, आपात सेवाएं रहेंगी जारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

पश्चिम बंगाल में डाक्टरों के साथ हुई हिंसा के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन(आइएमए) ने सोमवार को देशव्यापी हड़ताल का एलान किया है। आइएमए के महासचिव डॉ. आरवी अशोकन ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डॉक्टरों पर हमले के विरोध में 17 जून को देश भर में अस्पताल व निजी क्लीनिक बंद रखे जाएंगे। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों के सहूलियत के लिए आपात सेवाएं बहाल रहेंगी। इसके साथ ही दिल्ली के रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन व फेडरेशन आफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने भी सोमवार को बंद का एलान किया है। जबकि सफदरजंग अस्पताल के डाक्टरों ने बेमियादी हड़ताल की चेतावनी दी है।

डॉ. अशोकन ने कहा कि देश भर में डॉक्टरों व मरीजों के बीच हिंसक झड़पों व मारपीट का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। डॉक्टरों व मरीजों के बीच विश्वास का रिश्ता कहीं न कहीं दरक रहा है। इन सभी के कारणों पर गौर करने के साथ ही हिंसक वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून की दरकार है। इसलिए आइएमए गैरजरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को बंद रखने के साथ ही वह 24 घंटे हड़ताल की दिशा में आगे बढ़ेगा।

शीर्ष मेडिकल संस्था ने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों पर व अस्पतालों में इस तरह की हिंसा से निपटने के लिए व्यापक केंद्रीय कानून की मांग की। डॉ. अशोकन ने राज्य सरकार के रवैये के खिलाफ भी रोष जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनर्जी के बयान से चिकित्सा जगत आहत है।

उन्होंने कहा कि हिंसा क रने वालों के खिलाफ कड़े दंड के प्रावधान को केंद्रीय कानून में शामिल किया जाना चाहिए और भारतीय दंड संहिता में इस बावत जरूरी संशोधन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्हीं मागों को लेकर आइएमए ने देश भर के डाक्टरों का आह्वान किया है कि वे ओपीडी सेवाओं सहित आपरेशन जांच व इलाज की तमाम सेवाएं सोमवार सुबह छह बजे से मंगलवार सुबह छह बजे तक 24 घंटे के लिए बंद रखें। आएएमए ने कहा है कि केवल आपात सेवाएं बहाल रहेंगी।

उधर, फ ोर्डा के पदाधिकारी ड़ सुनील अरोड़ा ने कहा है कि फोर्डा की आम सभा में हमने फैसला लिया है कि सोमवार को दिल्ली सरकार के तमाम अस्पतालों सहित करीब 20 अस्पतालों में 24 घंटे बंद रखा जाएगा। सफदरजंग के डाक्टरों ने कहा है कि हम ठोस समाधान मिलने तक हड़ताल जारी रखेंगे। एम्स में इस बारे में विचार विमर्श के लिए देर रात तक बैठक जारी रही।

लोकसभा में कांग्रेस का नेता अभी तय नहीं

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

कांग्रेस ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि लोकसभा में पार्टी का नेता किन्हें नियुक्त किया जाए। यह मुद्दा अब तक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के पास लंबित है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

संसद का सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है और ऐसे में जहां तक सदन में विपक्षी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने की बात है, विपक्ष उधेड़-बुन की स्थिति में नजर आ रहा है। दरअसल, अहम मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा के लिए उसकी कोई बैठक नहीं हुई है। साथ ही इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि विपक्षी दलों की इस तरह की बैठक कब होगी। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि ज्यादातर विपक्षी दलों को लोकसभा में अपने नेता को लेकर फैसला करना अभी बाकी है और इन प्रक्रियाओं के पूरी होने के बाद एक बैठक आयोजित की जाएगी। खुद कांग्रेस ने भी इस बारे में फैसला नहीं किया है कि वह लोकसभा में अपना नेता किन्हें नियुक्त करेगी।

गुजरात तट की ओर मुड़ने से पहले कमजोर हो जाएगा 'वायु'

प्रदेश के कई हिस्सों में आज हो सकती है भारी बारिश

अमदाबाद, 16 जून (भाषा)।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार मध्य रात्रि को गुजरात तट पर पहुंचने से पहले चक्रवात वायु के अगले 24 घंटों के दौरान कमजोर पड़ने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग ने एक बुलेटिन में बताया कि रविवार सुबह तक चक्रवात पोरबंदर से करीब 470 किलोमीटर पश्चिम -दक्षिण पश्चिम , द्वारका से 440 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम और भुज से 545 किलोमीटर दक्षिणपश्चिम में केंद्रित था। इसके अनुसार चक्रवात बीते छह घंटे में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले छह घंटे के दौरान चक्रवात के उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की संभावना है।

इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तरपूर्व की दिशा में बढ़ेगा और 17 जून की मध्यरात्रि तक कम दबाव के क्षेत्र में उत्तर गुजरात के तट से होकर गुजरेगा।

इसके अनुसार सोमवार को उत्तर गुजरात व सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्रों में भारी बारिश होने की संभावना है जबकि राज्य के शेष हिस्सों में छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके अनुसार मंगलवार को समूचे राज्य में बारिश होगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे में आठ की मौत

मथुरा, 16 जून (भाषा)।

मथुरा में रविवार की सुबह नोएडा से आगरा जा रहे आठ लोग यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण हादसे का शिकार हो गए, जिससे इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत और तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस अधीक्षक देहात आदित्य कुमार शुक्ला ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब नौ बजे बलदेव थाना क्षेत्र के माइलस्टोन संख्या 140 की सीमा में हुई। जहां नोएडा से आगरा की ओर जा रहे गौतमबुद्ध नगर के श्यामनगर निवासी प्रेमचंद्र शर्मा के परिवार के सदस्यों की वैगनआर कार (एचआर 30 आर 9721) आगे जा रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

चालक ट्रक को भगा ले गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में प्रेमचंद्र शर्मा की पत्नी नीरज (25), भाई शिवकुमार की पत्नी अनीता (30) व पुत्री अंजलि (13), भांजा विष्णु (25) व करुणा (22) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मथुरा के सुरीर कस्बा निवासी संतोषी (19) ने इलाज के लिए ले जाते समय दम तोड़ दिया। दो अन्य घायलों शालू (20) और गब्बर सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई । पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में सख्ती ने दिखाया असर

एक बार फिर पॉलिथीन की जगह कपड़े या कागज की थैली

लखनऊ, 16 जून (भाषा)।

उत्तर प्रदेश में पॉलिथीन पर रोक ने कुछ दिन तक तो उत्साहजनक परिणाम दिये लेकिन बाद में घरों-बाजारों में धीरे-धीरे इसका इस्तेमाल फिर से होने लगा। अब एक बार फिर प्रशासन की सख्ती का असर नजर आने लगा है और दुकानदार कपड़े या कागज के थैले का इस्तेमाल करने लगे हैं। राजधानी लखनऊ में सब्जी का ठेला लगाने वाले कपड़े के थैले में सब्जी देते हैं और पूछने पर कहते हैं कि आजकल सख्ती बहुत है और झट चालान हो जाता है ।

पर्यावरण संबंधी मुददों पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ. अटल बिहारी शुक्ला ने कहा, 'पॅलिथीन के केमिकल सामान को घातक बना देते हैं। पॅलिथीन को नष्ट करना भी जटिल प्रक्रिया है। कितना भी प्रयास करें, अंततः यह पर्यावरण में बना ही रहता है।' उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद दस दिन पहले तक पॅलिथीन के थैलों और गिलासों का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा था। लेकिन अब प्रशासन की सख्ती से इसका प्रयोग लगभग बंद है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद 50 माइक्रॉन से पतली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एक कार्यक्रम के दौरान 'डिस्पोजिबल प्लास्टिक' पर प्रतिबंध का एलान किया था। अनाज की थोक सप्लाई का काम करने वाले कारोबारी मुश्ताक का कहना है कि पॉलिथीन पर प्रतिबंध को लेकर सख्ती का असर राजधानी में साफ नजर आता है। थोक दुकानदार हो या फुटकर दुकानदार हो, सूखा सामान कागज के थैलों में और सब्जी-फल जैसी वस्तुएं कपडे के थैलों में दी जा रही हैं।

डिजाइनर कपडों की कारोबारी सुधा वर्मा ने कहा, 'योगी सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर हैं। उल्लंघन पर जेल के साथ ही जुर्माने का प्रावधान है ।' बंगला बाजार में हफ्ते में दो बार लगने वाली हाट में दुकान लगाने वाले अनाज कारोबारी संतोष गौतम ने कहा, 'अब हम लोग ग्राहकों को झोला लेकर आने को कहते हैं। मजबूरी है... आखिर कौन जुर्माना भरे।'

वैज्ञानिक डॉ. शुक्ला ने कहा कि अकसर गायें चारे के लालच में पॅलिथीन खा जाती हैं और उनकी जान चली जाती है। पॅलिथीन के खिलाफ सख्ती गायों की सुरक्षा के लिहाज से भी जरूरी है।

किसान ने की मंत्रियों की मौजूदगी में आत्महत्या करने की कोशिश

बुलढाणा, 16 जून (भाषा)।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक कार्यक्रम में 39 वर्षीय एक किसान ने कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की, जहां दो राज्य मंत्री मौजूद थे। वह किसान बिजली का कनेक्शन नहीं मिलने से परेशान था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की शाम को वडोडा गांव के रहने वाले ईश्वर सुप्राओ खराटे मलकापुर तालुका में आयोजित एक कृषि प्रदर्शनी में आया था, जहां गृह राज्य मंत्री रणजीत पाटिल और जिला प्रभारी मंत्री मदन येरावर मौजूद थे।

मलकापुर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि पाटिल ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जिसके बाद, किसान ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि उसका परिवार पिछले 38 वर्षों से बिजली का कनेक्शन लेने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उन्हें कनेक्शन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खराटे ने परिसर में कथित तौर पर एक जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। अधिकारी के अनुसार, किसान को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताया गई है।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I,Jugmandar Dass Singhal/Jagmender Dass S/O Rameshwar Dass R/O-1/629, Nr.Singla Garments Store, Gurmandi Rohtak Road, Sonipat-131001.Changed my Name to Jagmender Dass Singhal. 0040499497-7

I, Swati Gupta, W/o Mayank Gupta R/o Flat No.1403, Tower-A4, Olive County, Sector-5, Vasundhara, Ghaziabad, UP, have changed my name to Swanti Gupta for all purposes. 0040499423-1

I, Sonia Vig Anand W/o Prashant Anand R/o B 280, Sector 26, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar (U.P) have changed my name from Sonia Vig to Sonia Vig Anand for all future purposes. 0050150170-1

I, Shilpa W/O Rajinder Kalsan R/O H. no.1005, Part-II, Sector-12, Sonipat- 131001. Have Changed My Name To Shilpa Chopra. 0040499497-8

I, Ritu Garg D/o-Subhash Chand Garg R/o-10902-6, Manak Pura, Mandir Road, Karol Bagh, New Delhi-110005, have changed my name after marriage to Mansi Goyal W/o-Naveen Goyal for all purposes. 0040499475-1

I, Randhir Sharma S/o Shri Ram Swaroop R/o H.No-396, Gali No-1, Vishwakarma Chowk, Kapashera, New Delhi-37, informs that I have changed my name from Randhir Singh to Randhir Sharma for all purposes in future. 0040499447-1

I, Pooja W/o Rajender Kumar R/o D-248 Karam Pura New Delhi-15 have changed my name to Pushpa Sharma for all purposes 0040499345-1

I, Paramjit Singh S/o Late S. Rajinder Singh R/o 53/67, Ramjas Road, Karol Bagh, Delhi-05, have changed my name from Paramjeet Singh to Paramjit Singh for all purposes. 0040499429-1

I, Alok Versha Sinha S/o Mr. Ashok Sinha R/o 1/7 Lantana Street, Vatika City, Sector 49, Gurgaon, Haryana, have changed my name to Alok Sinha for all purposes. 0050150133-1

I, Alka Setia W/o-Parveen Kapoor R/o-751, Pocket-GH-2, Bagban Apartment, Sector-28, Rohini, Delhi-110042, have changed my name to Nidhi Kapoor for all purposes. 0040499480-1

I, Ajay Kumar S/o. Shri Babu Lal, R/o. 2731, Sadar Thana Road, Delhi-110006 have changed my name to Ajay Kumar Thirani for all future purposes. 0040499428-1

I Rajeev Pandey S/O Haresh Kumar Pandey R/O of A-405 swarn ganga apartment sector 6 Vasundhara Ghaziabad (U.P.) 201012 shall be known as Rajeev Kumar Pandey vide affidavit 93AD 456253 sworn before notary Sandeep Sharma 15/06/19. 0050150225-1

PUBLIC NOTICE

This to bring to your kind notice that I Mithilesh Kumar, Advocate on behalf of my Clients Smt. Yashoda Devi, W/o Late Sh. P.D. Arora, R/o W-242, DLF Capital Greens, Shivaji Marg, New Moti Nagar, New Delhi-110015 that the Gift Deed Dated-13.11.2001 of the property bearing Plot No.G-4, Lawrence Road Industrial Area, New Delhi-110035, Measuring 430 Sq.yards, Doneted by Sh. Ram Kumar S/o Late Sh. Basti Ram, was lost some where in Moti Nagar area, Delhi. If found by anyone, may kindly be return to the aforesaid address of my client.
(Mithilesh kumar) Advocate
En. No. D/1523-C/2002

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

BHARTI CONCEPT MATHS by S.S. Bharti
SSC-T1 T2, Banking, CSAT & PCS & ALL GOVT. SERVICES
Batch Starts 18 June 2019 At 1:15pm to 2:45pm
Now Bharti Concept is in New Avatar as All classes ONLINE
DOWNLOAD BHARTI LEARNING APP
DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-9
9136335283, 09250291082

RAJESH RANJAN IAS & JUDICIAL STUDY CIRCLE
Political Science Opt. For IAS
GS PAPER 2 PLUS For IAS
Law for IAS & Judicial Services
Free Lectures on Essay, New NCERTs, KTPI Books (Every Saturday)
Also Mains 2019 Test Series & Quality Enhancement Classes
Workshop 15th to 20th June
Time : 11 am to 2:30 pm Batch 21st June
51/34, OLD RAJINDER NAGAR, (NEAR SHANI TEMPLE), KAROL BAGH METRO STATION, DELHI
9810580690, 8287625103

ESSAY by the renowned essayist and McGraw-Hill writer Ramesh Singh
Introductory Class: June 22, 10.30 (ALL ARE INVITED)
GS ECONOMY starts July 15 Morning, Afternoon, Weekend & Live Online
4A/41, Old Rajinder Nagar, Bada Bazar Road, N. Delhi- 60
www.rameshsingh.org | ph. 011-49539444; 98182-44224; 80767-48812

CONTENT ENRICHMENT PROGRAMME
PUBLIC ADMINISTRATION by M.K. MOHANTY 22 JUNE @ 11:00 AM
COURSE DETAILS
Answer Discussion Sessions | Previous Year Questions Discussion
5 Concept Enrichment Classes | 10 Tests & Discussion
ETHICS by M.K. MOHANTY 27 JUNE @ 8:00 AM
COURSE DETAILS
125 CASE STUDIES DISCUSSION | Previous Year Questions Discussion
4 Concept Enrichment Classes | 6 TESTS & DISCUSSION
Ph:- 011-25744391, 9870146185
SYNERGY AN INSTITUTE FOR CIVIL SERVICES EXAMINATION
16-A/2, Ist Floor, Ajmal Khan Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-05

YDM IAS Y.D. Misra's IAS
JOIN IAS : 2020-21 PRELIM-CUM-MAIN GENERAL STUDIES
YD Means Success
Begins : 02:30pm. 17th June (Hindi & English Medium)
G.S. MAIN CRASH COURSE IAS : 2019 (HINDI & ENGLISH MEDIUM)
60 DAYS SPECIAL BATCH 100 Lectures & Explanation 16 G.S. & Essay Tests
Contact for Enquiry : 8929430710/8929630710
Add: 625, 1st Floor Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09 (Near Aggarwal Sweet) Ph:011 4304 5306

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
शाखा कार्यालय: 1993, रेलवे रोड, नरेला, दिल्ली-110040
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
परिशिष्ट–IV (नियम 8 (1) देखें)

जबकि वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, (दूसरा) अध्यादेश 2002 (2002 का अध्यादेश 3) के अंतर्गत **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, नरेला, दिल्ली शाखा** का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़े जाने वाले अनुच्छेद 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना दिनांक **28/02/2019** जारी की थी, जिसके द्वारा **कर्जदार: मैसर्स मंगला एजेन्सीज़ (मालिक श्री सुनील मंगला) 1. श्री सुनील मंगला पुत्र श्री जगमोहन मंगला और गारंटर: (1) श्रीमती मालती मंगला पत्नी श्री जगमोहन मंगला (2) श्रीमती कान्ता मंगला पत्नी श्री धरम पाल मंगला,** को सूचना में उल्लिखित राशि **रु.1,01,44,612/– (एक करोड़ एक लाख चौवालिस हजार छः सौ बारह रूपये मात्र)** उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था। **कर्जदार** के इस राशि को चुकाने में असफल रहने के कारण, कर्जदार तथा आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पढ़े जाने वाले कथित अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा **दिनांक 10.06.2019** को ले लिया है। **कर्जदार** को विशेष तौर पर तथा आम जनता को सामान्य तौर पर एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे **सम्पत्ति** के साथ किसी प्रकार का लेन–देन न करें और **सम्पत्ति** का कोई भी लेनदेन **रु.1,01,44,612/– (एक करोड़ एक लाख चौवालिस हजार छः सौ बारह रूपये मात्र) और उस पर ब्याज के साथ, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, नरेला, दिल्ली शाखा** के प्रभार के भुगतान के अधीन होगा।

ऋणियों का ध्यान सुरक्षित सम्पत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम के अनुच्छेद (13) के उप–अनुच्छेद (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

तीन मंजिला बिल्ट–अप मकान सं.टी–131, खसरा नं.252 में से प्लॉट नं.17, गाँव–नरेला, इंदिरा कालोनी, दिल्ली–110040 में स्थित सम्पत्ति के सभी भाग एवं हिस्से जो **1. श्रीमती माल्ती मंगला पत्नी श्री जगमोहन मंगला, 2. श्रीमती कान्ता मंगला पत्नी श्री धरम पाल मंगला के नाम पर उप पंजीयक–VI, जिला: उत्तर पश्चिम दिल्ली के भीतर पंजीकरण। सम्पत्ति का परिमाप: 180 वर्ग गज। जो घिरी है:**

उत्तर: गली 15 फीट | **दक्षिण:** हरि चन्द गुप्ता का मकान
पूर्व: रोशन ऑयल मिल की सम्पत्ति | **पश्चिम:** 15 फीट रोड

पूर्व 13(4) सूचना दिनांक 24.05.2019 वापिस ली जाती है

स्थान: नरेला, दिल्ली | **प्राधिकृत अधिकारी**
तिथि: 10.06.2019 | **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया**

मौसम
तापमान नई दिल्ली
अधिकतम-37.8 डि.से. सूर्योदय- 5:24
न्यूनतम- 29.6 डि.से. सूर्यास्त- 19:21

सरकार 28 कॉलेजों को तीन महीने का फंड जारी करेगी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

दिल्ली सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 28 कॉलेजों को तीन महीने का फंड जारी करने का निर्णय किया है। ये सभी 28 कॉलेज दिल्ली सरकार की ओर से वित्त पोषित हैं। इस संबंध में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आदेश जारी किए हैं। डीयू शिक्षक संघ (डूटा) ने इस फैसले का स्वागत करते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर प्रस्तावित धरने को स्थगित कर दिया है। साथ ही तीन महीने वाली शर्त का हटा लिया जाए।

सिसोदिया की ओर से शनिवार को शिक्षा सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि उच्च शिक्षा निदेशालय दिल्ली सरकार की ओर से वित्त पोषित डीयू के 28 कॉलेजों के लिए तीन महीने का फंड जारी कर रहा है। पत्र में लिखा गया है कि हमें डूटा के माध्यम से शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारियों की परेशानी के बारे में पता चला। इसके बाद दिल्ली सरकार ने फंड जारी करने का निर्णय किया है ताकि उन्हें आगे कोई समस्या न हो। पत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय पर इन कॉलेजों के संचालन में रोड़े अटकाने का आरोप भी लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि पिछली बार भी इन कॉलेजों की प्रबंधन समिति (जीबी) के गठन में कई बार विलंब किया गया था। पिछली जीबी के कार्यक्रम को खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें तीन महीने का विस्तार नहीं दिया गया। इसके बाद डीयू ने विश्वविद्यालय पैनल को भेजने में देरी की। इसके बाद जब डीयू ने विश्वविद्यालय पैनल के नाम आए भी तो सिर्फ 180 आए जबकि आने थे 250 से अधिक नाम। इन्हीं सभी वजहों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इन कॉलेजों का फंड रोक दिया था। पत्र में कहा गया है कि जैसे ही कॉलेजों में जीबी का गठन हो जाएगा फंड भी जारी कर दिया जाएगा।

सिसोदिया ने पत्र में लिखा कि हमें डूटा के माध्यम से शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारियों की परेशानी के बारे में पता चला।

डूटा के संयुक्त सचिव आलोक पांडेय ने बताया कि डूटा ने दिल्ली सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। साथ ही सरकार से तीन महीने की शर्त को भी हटाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की आर्थिक मदद को रोकना सही नहीं होता है। उनके मुताबिक, दिल्ली सरकार की इस घोषणा के बाद डूटा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर प्रस्तावित धरने को वापस ले लिया है।

भाजपा : विधानसभा के चुनावी चेहरों पर होगा सर्वेक्षण से फैसला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनावी चेहरों को लेकर भारतीय जनता पार्टी माथापच्ची कर रही है क्योंकि 20 साल से भाजपा को दिल्ली की सत्ता नहीं मिल पाई है। इस बार तमाम समीकरण भाजपा के पक्ष में हैं और भाजपा अपने विधानसभा के 70 चेहरों के लिए सर्वेक्षण कराने की तैयारियां कर रही है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस सर्वेक्षण में क्षेत्र के लिए सही पाए जाने वाले नामों पर ही पार्टी हाई कमान की हरी झंडी के बाद टिकट का फैसला होगा। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि पार्टी ने बीते सालों में अपने सभी पुराने चेहरों पर बार-बार दांव लगाया है। लेकिन यह रणनीति कामयाब नहीं हो पाई है। इसलिए नए चेहरों को मैदान में लाकर इस चुनावी घमासान को और कड़ा किया जा सकता है क्योंकि आम आदमी पार्टी व कांग्रेस ने भी चुनाव के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। दिल्ली भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी अनेक मोर्चों पर काम कर रही है ताकि वह हाल के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय राजधानी में मिले 55 प्रतिशत वोटों को फिर से हासिल कर अगले साल विधानसभा चुनाव में आसान जीत हासिल कर सके। पार्टी के संगठन महासचिव सिद्धार्थन ने दिल्ली के भाजपा नेताओं की हाल ही में हुई एक बैठक में कहा कि दिल्ली में मिले 55 प्रतिशत वोट हासिल करने के लिए प्रयास होने चाहिए।

वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय भाजपा में भी देश के अन्य राज्यों के लिए बैठकों का दौर चल रहा है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड शामिल हैं, यहां अक्तूबर-नवंबर में चुनाव होना है। इसके बाद दिल्ली के चुनाव का नंबर है। भाजपा के नेताओं के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए विधानसभा वार मुद्दों के चयन किया जाएगा। इसके आधार पर प्रत्याशी नाम व उनसकी लोकप्रियता का भी विश्लेषण होगा। इस तीन चरण की प्रक्रिया के बाद ही चुनावी चेहरों के नाम तय होंगे।

ओएलएक्स पर सौदा तय होने के बाद फोन लेकर बदमाश हुआ फरार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

प्रीत विहार थाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने ओएलएक्स पर मोबाइल खरीदने के बहाने एक युवक से उसका फोन झपट लिया। आरोपी की पहचान दनकौर, गौतम बुद्ध नगर निवासी जतिन नागर (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोटरसाइकिल और लूट गया फोन बरामद किया है।

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त जसमीत सिंह के मुताबिक दिल्ली गुजरांवाला टाउन के रहने वाले जतिन छाबरा ने अपना आइफोन ओएलएक्स बेचने के लिए डाला था। इस दौरान जतिन नागर नाम के एक युवक ने उससे संपर्क किया। दोनों के बीच 80 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। 12 जून को जतिन छाबरा ने जतिन नागर को मिलने के लिए प्रीत विहार लालबत्ती पर बुलाया। दोनों वहां मिले कुछ देर बातचीत करने के बाद जतिन छाबरा ने अपने फोन निकालर जतिन नागर को दिखाया। इससे पहले जतिन छाबरा कुछ समझ पाता। जतिन नागर उसके हाथ से उसका आइफोन झपटकर भाग गया।

इग्नू शुरू करेगा योग का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान जुलाई 2019 शैक्षणिक सत्र से योग का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह पाठ्यक्रम दिल्ली के अलावा देहरादून, बंगलुरु, भुवनेश्वर, जयपुर, चेन्नई, मुंबई और पुणे केंद्र से शुरू किया जाएगा।

स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एसबी अरोड़ा के मुताबिक, इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को योग के आधारभूत नियम और अभ्यास के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा पाठ्यक्रम के दौरान योग के इतिहास के साथ-साथ उन योगियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी जिन्होंने योग को बढ़ाने में योगदान दिया है। इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थी को 12वीं पास होना चाहिए। छह महीने के इस पाठ्यक्रम को अंग्रेजी में बढ़ाया जाएगा और 10 हजार रुपए शुल्क लिया जाएगा।

कोर्ट के आदेश के बाद डीयू ने पंजीकरण की तिथि बढ़ाई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण को 22 जून तक बढ़ा दिया है। डीयू ने इसके साथ ही उन स्नातक पाठ्यक्रमों की योग्यता में भी फिर से बदलाव करने का निर्णय किया है, जिनकी योग्यताएं पंजीकरण शुरू होने से पहले बदली गई थीं। इन बदलावों के साथ संशोधित प्रवेश विवरणिका 17 जून को शाम 5 बजे के बाद डीयू के दाखिला पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह जानकारी दाखिला समिति की 15 जून को हुई बैठक के बाद डीयू के पोर्टल पर जारी की गई है। पहले पंजीकरण की अंतिम तिथि 14 जून थी।

डीयू ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 30 मई को ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किए थे। उसी दिन बताया गया कि बीकॉम ऑनर्स और अर्थशास्त्र ऑनर्स सहित कई पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने की योग्यता में बदलाव किया गया है। इसको लेकर कुछ विद्यार्थी हाई कोर्ट चले गए थे। उन्हीं विद्यार्थियों की याचिकाओं पर कोर्ट ने डीयू को दाखिले की योग्यताओं को शैक्षणिक सत्र 2018-19 जैसे ही रखने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पंजीकरण की तिथि को 22 जून तक किया जाए। डीयू ने हाई कोर्ट के इन्हीं निर्देशों को पालन किया है।

बदलेगा कटऑफ कार्यक्रम

पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ जाने की वजह से अब कटऑफ कार्यक्रम में भी बदलाव करना होगा। पहले जारी कार्यक्रम के मुताबिक पहली कटऑफ 20 जून को आनी थी लेकिन अब ऐसा संभव नहीं है। हालांकि डीयू के अधिकारी अभी इस मामले में पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं।

पीजी, एमफिल और पीएचडी की अंतिम तिथि आज

डीयू में स्नातकोत्तर (पीजी), एमफिल और पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले की अंतिम तिथि 17 जून है। कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ पीजी, एमफिल और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं 30 जून से 6 जुलाई के बीच होंगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने प्रवेश परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस कार्यक्रम की जानकारी दाखिला पोर्टल से ली जा सकती है।

साढ़े तीन लाख पहुंचे पंजीकरण

डीयू में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण साढ़े तीन लाख के करीब पहुंच गए हैं। शाम 3:30 बजे तक 3,42,424 पंजीकरण हो चुके थे। इनमें से 2,40,202 आवेदक पंजीकरण शुल्क का भुगतान करके अपना पंजीकरण पक्का कर चुके थे।

कई अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने कई पंजीकृत नर्सिंग होम और अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रमाण-पत्र नहीं जमा कराने को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाए। बार-बार इस बारे में पहले भी ध्यान खींचा गया था। 6 जून को जारी इस नोटिस में डीजीएचएस ने यहां के केंद्रों को जारी पत्रों के अनुक्रम का उल्लेख करते हुए उनसे अग्नि सुरक्षा मंजूरी प्रमाण-पत्र की वैध प्रति जमा करने के लिए कहा है। विभाग ने यह भी याद दिलाया कि कब-कब मामले को उठाने के बाद भी नर्सिंग होम्स ने इसे अनसुना किया और साथ ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की ओर से निदेशालय को प्राप्त एक पत्र का भी जिक्र किया।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि पिछले साल भी निदेशालय (डीजीएचएस) ने 2 अगस्त 2018 की तारीख को एक पत्र जारी किया था। जिसमें दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग से प्राप्त अग्नि सुरक्षा मंजूरी प्रमाण-पत्र की वैध प्रति अपने उस पत्र की प्राप्ति के एक महीने के भीतर जमा करने का निर्देश दिया था। उच्चस्तरीय सूत्रों ने बताया कि डीजीएचएस की ओर से 14 फरवरी को एक अन्य पत्र जारी कर दिल्ली नर्सिंग होम्स पंजीकरण कानून, 1953 और समय-समय पर बनने वाले नियमों के प्रावधानों के तहत अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र जमा करने को कहा गया था।

नोटिस में बताया गया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा निदेशालय के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से एक पत्र आयाा था जिसमें उल्लेख किया गया कि अस्पताल व निर्सिंग होम संस्थागत भवनों की श्रेणी में आते हैं और नौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले या भूतल के अलावा दो ऊपरी तलों वाले भवनों पर यह नियम लागू होते हैं।

खुमार क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच को मोबाइल फोन पर देखते लोग। फोटो : आरुष चोपड़ा

400 सांसदों के फ्लैटों का होगा कायाकल्प

मलबे से निकली राख से बनीं ईंटों से तैयार होंगे कमरे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

नार्थ व साउथ एवेन्यू के बचे 400 सांसदों के फ्लैट का भी कायाकल्प होगा। केंद्र सरकार के केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लूडी) ने इन फ्लैट को नया रंग-रूप देने की तैयारी की है। इनका निर्माण में हाल ही में तैयार किए गए 36 नए सांसद फ्लैट की तर्ज पर होगा। इसके लिए तोड़फोड़ के मलबे व राख से बनी ईंटों का प्रयोग होगा। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक इस योजना में सभी सांसद फ्लैट को चमकाया जाना है। ये फ्लैट काफी पुराने हो गए हैं। इस वजह से इन फ्लैट के कायाकल्प की योजना को तैयार किया गया है। नार्थ एवं साउथ एवेन्यू में बने ये फ्लैट करीब 60 साल पुराने हैं। इन फ्लैटों की जगह नए फ्लैट बनाए जाने की योजना है। सीपीडब्लूडी बीडी मार्ग पर 76 फ्लैट के निर्माण का कार्य भी कर रहा है। अगले चरण में करीब 144 फ्लैट को शामिल किए जाने की योजना है। सीपीडब्लूडी ने इससे पूर्व भी सांसदों के लिए बेहतरीन फ्लैट तैयार किए हैं। बताया जा रहा है कि नए फ्लैट में सोलर पॉवर की व्यवस्था होगी और पार्किंग का भी इंतजाम होगा। इन फ्लैटों की मांग अधिक है क्योंकि इस बार लोकसभा में करीब 300 सांसद पहली बार चुनकर लोकसभा में आए हैं। नए फ्लैट से आवास की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

ये होंगी खासियत

- 5 किलोवॉट का सौर ऊर्जा पैनल होगा
- भूतल 163.68 वर्ग मीटर और प्रथम तल 118.20 मीटर होगा
- केंद्रीय वातानुकूलित और दो गाड़ियों की पार्किंग का इंतजाम

सीपीडब्लूडी ने 36 नए सांसद फ्लैट 2017 में तैयार किए थे। इसके लिए सीपडब्लूडी ने 52,3256543 रुपए का टेंडर निकाला था। जिसमें 44,3177876 रुपए सिविल कार्य और 13,0078717 इलेक्ट्रिक मैकेनिकल कार्य पर खर्च किए गए थे। इन फ्लैटों में भूजल संचयन का भी प्रावधान है। फ्लैटों में भी नए सांसदों को आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्र सरकार ने इन सांसदों के लिए कई जगहों पर अस्थाई इंतजाम किए हैं। इससे पहले सांसदों के रुकने के लिए होटलों में इंतजाम किए जाते थे। लेकिन इन स्थाई आवास के उपलब्ध हो जाने से इस परेशानी को दूर करने मे मदद हासिल होगी।

फुटपाथ दिल्ली के प्रमुख मार्गों को पैदल यात्रियों के लिए बनाने की तैयारी

दिल्ली की राहें पैदल यात्रियों की बनेंगी दोस्त

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 16 जून।

दिल्ली के प्रमुख मार्गों को पैदल चलने वालों के लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गईं हैं। मौजूदा समय में प्रमुख मार्ग पर अगर कोई आम नागरिक पैदल चलना चाहे तो उसकी राह का सबसे बड़ा रोड़ा अवैध निर्माण, कब्जे और बेहतर फुटपाथ व्यवस्था का न होना है। इन परेशानियों को दूर करने के लिए जल्द ही दिल्ली की 12 से अधिक सड़कों का कायाकल्प करने की तैयारी चल रही है। ग्रीन मॉबिलिटी पायलट प्रोजेक्ट में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सड़कें शामिल हैं। केंद्र सरकार की योजना है कि इन सड़कों को पैदल यात्रियों के लायक बनाया जाए।

योजना का मकसद दिल्ली में लोगों को पैदल चलने के लिए बढ़ावा देना है। दरअसल,

फाइल फोटो

दिल्ली में सड़कों के पास स्थानीय एजंसियों की मदद से फुटपाथ का निर्माण किया गया है लेकिन ये फुटपाथ लोगों के लिए अधिक उपयोगी नहीं हैं। इसकी वजह इनकी खराब डिजाइन है। इन पर पैदल चल रहे साधारण व्यक्ति को मुख्य मार्ग पर उतरना और चढ़ना पड़ता है और इस वजह से लोग फुटपाथ का अधिक प्रयोग नहीं कर रहे हैं। जबकि विदेशों में डिजाइन की इन खामियों को दूर किया गया है और पैदल यात्रियों के गलियारे में किसी प्रकार की अड़चन नहीं है। इसी तर्ज पर दिल्ली के मार्गों को बेहतर किया जा सकता है।

इन मार्गों की व्यवस्था दुरूस्त करने के साथ-साथ यह भी फैसला लिया गया है कि इस सूची में उन क्षेत्रों को भी शामिल किया जाए, जहां पर पैदल मार्ग प्रयोग करने वाले अधिक नागरिक हों। इसके माध्यम से कम दूरी के लिए वाहनों का प्रयोग भी कम होगा और स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग गलियारे का अधिक उपयोग करेंगे।

इन मार्गों का होगा कायाकल्प

दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी व दक्षिणी परिसर, उत्तम नगर क्रासिंग, चांदनी चौक, आइएसबीटी, आईएनए, हौजखास से आईआईटी, नेहरू प्लेस, भीकाजी कामा प्लेस, करोल बाग, साकेत-मालवीय नगर, कमला नगर, लक्ष्मी नगर, द्वारका मेट्रो स्टेशन सेक्टर-21, पुरानी व नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, मंडी हाउस, पुराना किला-प्रगति मैदान और चिड़ियाघर, इंद्रलोक स्टेशन, आजादपुर मंडी और मेट्रो स्टेशन, आसफअली रोड व जेएलएन मार्ग।

फुटओवर ब्रिज मजबूरी में इस्तेमाल करते हैं दिल्ली वाले

पैदल यात्रियों को सुरक्षित सफर देने के लिए दिल्ली में फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया है। लेकिन इनका इस्तेमाल लोग कम करते हैं। फुटओवर ब्रिज से सड़क पार करने के लिए लोगों को ब्रिज के ऊपर चढ़ना होता है। इस स्थिति में सुधार के लिए दिल्ली में रैंप वाले फुटओवर ब्रिज बनाए गए थे। लेकिन अब इनका उपयोग दुपहिया वाहन चालकों के माध्यम से हो रहा है। 2018 तक दिल्ली में 90 फुट ओवर ब्रिज बनाए गए हैं।

'स्कूलों के 82 प्लॉट खाली, नहीं हुआ निर्माण'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

स्कूलों के 82 प्लाट खाली हैं लेकिन दिल्ली सरकार ने एक भी स्कूल का निर्माण नहीं किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के सत्ता में आने के बाद दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। दिल्ली सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की बेहतरी के लिए कोई काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षण का स्तर भी सरकारी स्कूलों में गिर रहा है। चार साल के अंदर 5 लाख सरकारी स्कूल के बच्चे फेल हुए हैं। इनमें से भी 4 लाख बच्चों को दोबारा दाखिला नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने 500 स्कूल और 20 नए कॉलेज खोलने का वादा किया था, लेकिन हालत यह है कि जो जमीन दिल्ली सरकार के पास उपलब्ध है। उन जगहों पर भी दिल्ली सरकार कोई काम नहीं कर रही है।

केंद्र से टकराव वाली सरकार न बने : गोयल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

भाजपा नेता विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में केंद्र सरकार से टकराव वाली सरकार नहीं बननी चाहिए। वर्तमान सरकार के टकराव की वजह से दिल्ली वालों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है और विकास योजनाएं ठप हैं। गोयल ने कहा कि दिल्ली में ऐसी सरकार बनानी चाहिए जो केंद्र सरकार व राज्य के रिश्तों को मधुर बनाए और किसी भी प्रकार से दिल्ली वालों का नुकसान न होने दे। इसलिए उन्होंने लोगों से अपील की कि इस बार दिल्ली में भाजपा को अधिक से अधिक वोट देकर विजयी बनाए। वे पीरागढ़ी के एक पार्क में लोगों से मुलाकात के लिए पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि अब तक आम आदमी पार्टी हर काम में अड़चन डालने के लिए केंद्र सरकार पर दोष मढ़ रही थी लेकिन लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से इलाकों में काम शुरू करने का दावा कर रही है।

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	36.3 डि.से.	36.3 डि.से.	35.6 डि.से.	35.6 डि.से.
न्यूनतम	28.2 डि.से.	28.2 डि.से.	27.9 डि.से.	29.0 डि.से.

सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध दिखने पर पकड़ा

दुकानदार ने कर्मचारियों के साथ मिलकर युवक को पीटा, मौत

- पीटने के बाद घायल युवक को खुद अस्पताल लेकर पहुंचे थे आरोपी
- पुलिस ने आरोपी दुकानदार और कर्मचारियों को गिरफ्तार किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

प्रेम नगर थाना क्षेत्र में एक दुकानदार पर अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि युवक को चोरी करने के आरोप में पकड़ा गया था। अस्पताल से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त भी नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है और फरार चल रहे कर्मचारियों की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी दुकानदार की पहचान अमित के रूप में हुई है। उसका मेन मुबारकपुरा रोड प्रेम नगर में ऑटो कलपुर्जों की दुकान है। तीन दिन पहले अमित की दुकान से एक मोबाइल फोन चोरी हो गया था। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने पर उसे एक संदिग्ध युवक दिखा। शनिवार को कैमरे में दिख रहा संदिग्ध युवक उसे अपने दुकान के पास दिखा। जिसको अमित और उसके कर्मचारियों ने पकड़ने की कोशिश की। अमित और उसके कर्मचारियों से बचने के लिए युवक एक बिजली के सामान की दुकान में घुस गया।

वहां से युवक को पकड़कर अमित ने उससे मोबाइल फोन के बारे में पूछताछ की। आरोप है कि युवक ने फोन चुराने से मना किया तो अमित युवक को पकड़कर अपनी दुकान में ले आया और सभी ने मिलकर उसकी जमकर पिटाई की। अमित युवक ने उसके परिवार वालों के बारे में पूछताछ की, लेकिन युवक ने कुछ नहीं बताया। इसी बीच युवक की तबियत खराब हो गई। जिसे अमित व उसके कर्मचारियों ने संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शरीर पर चोट का निशान देखकर अस्पताल से पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

तीन गिरोह के छह वाहन चोर गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

दक्षिणी-पूर्वी जिला पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर तीन वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। बदरपुर, कालिंदी कुंज और गोविंदपुरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की तीन स्कूटी और 14 मोटरसाइकिल बरामद कर 17 मामले सुलझा लिए हैं। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी है। जिला पुलिस उपायुक्त चिन्यम बिश्वाल ने बताया कि एसीपी गुरसेवक सिंह के नेतृत्व में बदरपुर एसएचओ विजय पाल दहिया की टीम सूचना के बाद जैतपुर रोड के पास वाहन चोर शैकुल और शौकीन को गिरफ्तार किया। पुलिस को उनके पास से सात मोटरसाइकिल और दो स्कूटी मिलीं। तलाशी में पुलिस को उनके पास से एक पिस्तौल भी जब्त की है। वहीं, दूसरे गिरोह के बदमाश दानिश, अतुल रहमान और एक नाबालिग को पकड़ा। आरोपियों के पास से चोरी की पांच मोटरसाइकिल जब्त की। तीसरे गिरोह में शामिल आरोपी दीपक उर्फ दीपू और अक्षय को गिरफ्तार किया है।

मुठभेड़ में एक लाख रुपए के इनामी बदमाश को लगीं गोलियां

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 16 जून।

सेक्टर-जू इलाके में रविवार को जिले की स्वाट-टू टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक लाख रुपए के इनामी बदमाश मन्नान उर्फ राशिद उर्फ मोनू को दो गोली लगीं। दोनों गोली पैर में लगी हैं। बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मन्नान ने अपने साथियों के साथ मिलकर जारचा इलाके में 65 लाख रुपए की लूट को अंजाम दिया था। वारदात में शामिल रहे तीन बदमाश अभी भी फरार चल रहे हैं। तीनों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित है।

एसपी देहात विनीत जायसवाल के मुताबिक, थाना दादरी के सेक्टर जू के पास बदमाशों के मौजूद होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर स्वाट टू टीम प्रभारी शावेज खान मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम को देखकर बदमाशों ने भागने की कोशिश की। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक लाख रुपए के इनामी बदमाश मन्नान के पैर में दो गोली लगीं। बदमाश के कब्जे से एक पिस्तौल, कारतूस व बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला है कि बदमाश ने 2000 में यानी 19 साल पहले पहला अपराध किया था। उस पर दिल्ली, बरेली, नोएडा सहित कई अन्य जनपद में लूट, हत्या, डकैती के 15 मुकदमें दर्ज हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के जारचा क्षेत्र में बदमाशों ने 27 मई को दुग्ध उत्पादन पारस कंपनी का 65 लाख रुपए लूटा था। कंपनी का मुनीम कमल रकम जमा करने गाजियाबाद बैंक जा रहा था। घटना के दौरान दो बदमाश रईस व इरफान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ शहरवासी लामबंद

औद्योगिक व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं ने जताई नाराजगी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 16 जून।

बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव जारी होने के बाद शहरवासियों में खासी नाराजगी है। निवासियों के मुताबिक, नो पावर कट जोन व नो ट्रिपिंग जोन होने के बाद भी शहर की बिजली आपूर्ति में कोई सुधार नहीं हुआ है। कटौती से राहत नहीं मिल सकी है और बिजली दरों की बढ़ोतरी का प्रस्ताव जारी करना उपभोक्ताओं के साथ मजाक है। मांग है कि जब तक शहर में कटौती और ट्रिपिंग की समस्या दूर नहीं होती तब तक दरों में बढ़ोतरी नहीं की जाए।

बिजली निगम ने विद्युत नियामक आयोग को घरेलू बिजली की दरें 6.20 से 7.50 रुपए प्रति यूनिट तक करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही वाणिज्यिक बिजली की दरें भी 8.85 रुपए प्रति यूनिट तक करने के साथ ही फिक्स्ड चार्ज (तय शुल्क) को बढ़ाने का प्रस्ताव है। घरेलू उपभोक्ताओं की मौजूदा बिजली दरें 4.90 से 6.50 रुपए प्रति यूनिट है, जिसे अब 6.20 से 7.50 रुपए तक करने का प्रस्ताव आयोग में दिया गया है। 430 रुपए फिक्स्ड चार्ज भी बढ़ाकर 450 रुपए प्रति किलोवाट करने का प्रस्ताव है। चार किलोवाट तक के वाणिज्यिक कनेक्शन के लिए फिक्स्ड चार्ज 400 रुपए प्रति किलोवाट प्रस्तावित है। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष अगस्त में मुख्यमंत्री ने नोएडा को नो ट्रिपिंग जोन घोषित कर दिया था। उसके बाद भी ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। आए दिन फॉल्ट से बिजली कटौती होती है। वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है। उद्यमियों ने बताया कि सेक्टरों में कम वोल्टेज, ट्रिपिंग व अघोषित कट से उनकी इकाइयों में लगी मशीनें बंद हो जाती हैं। इससे काफी नुकसान होता है। औद्योगिक विकास क्षेत्र में इकाइयां होने के बाद भी उन्हें परेशानियां हो रही हैं। फोनरवा अध्यक्ष एनपी सिंह के मुताबिक, तमाम दावों के बावजूद शहर को कटौती और ट्रिपिंग (लुपझुप) से राहत नहीं मिल सकी है, जबकि नोएडा जोन से शहर को सबसे अधिक राजस्व बिजली निगम को मिलता है। ऐसे में बिजली दरों को बढ़ाना गलत है। इसी तरह शहर के उद्यमियों के संगठन नोएडा आंत्रप्रन्योनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने कटौती और वोल्टेज से उद्यमियों को होने वाली दिक्कतें दूर नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई है। बिजली दरें बढ़ाने के बजाए कम करने की मांग की है।

बिजली बकाया वसूली में गौतम बुद्ध नगर अव्वल

जिले ने एक अक्तूबर, 2018 से 31 मार्च, 2019 के बीच प्रशासन ने पूरे प्रदेश में बिजली बकाया की सबसे अधिक करीब 14.8 करोड़ रुपए की वसूली की है। जिसके चलते उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय ने गौतम बुद्ध नगर को स्वर्ण प्रशस्ति पत्र सौंपा है। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि जिले के सभी अधिकारियों की मेहनत का नतीजा है। विशेष तौर पर बिजली विभाग, राजस्व विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है। साथ ही जिले में बिजली चोरी और बिजली बिल भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश जारी किए हैं।

ग्रामीण सेवा चालक ने पुलिसकर्मी पर किया तलवार से हमला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

- बाद में पुलिसकर्मियों ने उसकी जमकर पिटाई की
- मुखर्जी नगर थाना से चंद कदमों पर घटी यह घटना

मुखर्जी नगर थाना क्षेत्र में एक ग्रामीण सेवा चालक सरबजीत ने क्यूआरटी (क्वीक रिएक्शन टीम) में तैनात दिल्ली पुलिस के एक एएसआइ पर तलवार से हमला कर दिया। एएसआइ का नाम योगराज है। आरोपी चालक ने पहले क्यूआरटी वाहन में टक्कर भी मारी थी और बाद में गुस्साए पुलिसकर्मियों ने सरेराह ग्रामीण सेवा चालक की पिटाई की। आरोप है कि इस दौरान उसके नाबालिग बेटे की भी पुलिसकर्मियों ने पिटाई की। घटना मुखर्जी नगर थाना से चंद कदमों की दूरी पर घटी। थाने से अन्य पुलिसकर्मी भी सूचना मिलते मौके पर पहुंच गए और ग्रामीण सेवा चालक की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई की। इस दौरान चालक को काफी चोटें आई हैं। वहीं, तलवार के हमले की वजह से एएसआइ भी घायल हो गया है। जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि फिलहाल आरोपी और घायल ग्रामीण सेवा चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चालक की पुलिस हिसरात में इलाज चल रहा है।

पुलिसकर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

दिल्ली पुलिस में कार्यरत एक कांस्टेबल ने कंझावला में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान कुलबीर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस को मौके पर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

कुलबीर सिंह अपने परिवार के साथ उदयान पाना, कंझावला में परिवार के साथ रहते थे। इन दिनों उनकी तैनाती पीसीआर में चालक के रूप में थी। रविवार सुबह 10:58 बजे सावित्री अस्पताल से पीसीआर को कुलबीर के बारे में सूचना मिली। परिजनों ने बताया कि कुलबीर ने टीन की छत से फांसी लगाई।

अवैध हथियारों की तस्करी पुलिस के लिए चुनौती

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 16 जून।

- बीते दिनों 24 घंटे के अंदर पांच लोगों की गोली मारकर की गई हत्या
- सभी वारदातों को अंजाम देने के लिए बदमाशों ने किया कट्टे का इस्तेमाल
- दिल्ली में बढ़ रहे हैं हत्याओं के मामले, मार्च तक 211 लोगों की हत्या
- नाबालिगों को बरगला कर दे रहे हैं गिरोह के सदस्य वारदात को अंजाम

दिल्ली अवैध हथियार की मंडी बनती जा रही है। यही कारण है कि बीते कुछ सालों में अवैध हथियारों की खपत दिल्ली में बढ़ गई है। राहगीरों से हथियार के बल पर लूटपाट का मामला हो या आपसी रंजिश में हत्या का मामला या फिर मामूली कहासुनी के बाद गोली मार कर हत्या का मामला। सभी ऐसे वारदातों में अक्सर अवैध हथियारों का ही इस्तेमाल किया जाता है। बीते 13-14 जून को दिल्ली में 24 घंटे के भीतर पांच लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। इन सभी घटनाओं में कट्टा का इस्तेमाल किया गया था। इनमें से कुछ मामलों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कट्टा से लेकर गोली मार कर हत्या की गई थी। जानकारों की माने तो दिल्ली में मध्य प्रदेश, बिहार के मुंगेर, उत्तर प्रदेश के अलावा कई अन्य राज्यों से हथियारों की आपूर्ति की जाती है। बदमाशों को .32 बोर की पिस्तौल और कट्टा कहीं अधिक पसंद है। दिल्ली में पहले लूट और हत्या मामले में ज्यादातर वारदातों में मुंगेर से लाए गए हथियारों का ही इस्तेमाल किया जाता था। अब मुंगेर की जगह मध्य प्रदेश के हथियार ने ले ली है। दरअसल, मध्य प्रदेश से आने वाले ये हथियार बिहार के मुंगेर बने हथियारों के मुकाबले अच्छे गुणवत्ता के होते हैं। इनके जाम होने की संभवना कम होती है। यही कारण है कि दिल्ली में हथियार तस्कर भी कहीं अधिक सक्रिय हो गए हैं, जिन पर नकेल कसना दिल्ली पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है।

वारदात में नाबालिग शामिल

भलस्वा डेयरी में एक 17 साल के छात्र की हत्या के आरोप में नाबालिग को पकड़ा गया था। इसी तरह विकासपुरी में एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मार कर हत्या कर दी थी। गिरोह नाबालिगों से वारदात को अंजाम दिलवाते हैं।

निजी अस्पतालों में आज प्रभावित हो सकती है ओपीडी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 16 जून।

डॉक्टरों की हड़ताल

- कोलकाता मामले पर सोमवार सुबह छह बजे से दर्ज कारएंगे विरोध
- केवल आपातकालीन सेवा में आने वाले मरीज होंगे भर्ती

कोलकाता में रेंजीडेंट डाक्टरों के साथ मारपीट की घटना के विरोध में सोमवार को शहर के निजी अस्पतालों व क्लीनिक में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) की सेवाएं प्रभावित रहेंगी। ओपीडी की यह सेवाएं सुबह छह बजे से अगले 24 घंटे तक प्रभावित रहेंगी। केवल आपातकालीन सेवाएं ही बहाल रहेंगी। हालांकि सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों ने भी सांकेतिक रूप से विरोध में शामिल होने की संभावना जताई है।

आइएमए, नोएडा अध्यक्ष डॉ ए. गर्ग के मुताबिक, कोलकाता के एनआरएस मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट डॉक्टरों के साथ मारपीट और हिंसक घटना के विरोध में रविवार को चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया है। सोमवार को भी जिले के करीब ढाई हजार छोटे बड़े अस्पताल और क्लीनिकों में ओपीडी समेत भर्ती सेवाएं प्रभावित रहेंगी। दावा किया है कि चिकित्सक सुबह छह बजे से अगले 24 घंटे तक काम नहीं करेंगे।

केवल आपातकालीन सेवा में आने वाले मरीजों को देखा जाएगा। कोलकाता में हिंसा के शिकार चिकित्सकों को न्याय नहीं मिलने तक विरोध जारी रहेगा। आइएमए नोएडा के सचिव डॉ. सुनील अवाना ने बताया कि दोषियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई नहीं होने पर आइएमए ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। हड़ताल के दौरान ओपीडी, शल्य चिकित्सा आदि सेवाएं बंद रहेंगी।

केवल आपातकालीन सेवा में आने वाले मरीजों को देखा जाएगा। चिकित्सकों के साथ मारपीट की घटनाओं को रोकने के लिए देशव्यापी केंद्रीय कानून 'अगेंस्ट वायलेंस इन हॉस्पिटल' लागू होना चाहिए। दूसरी तरफ, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनुराग भार्गव ने कहा है कि सरकारी अस्पतालों में इस हड़ताल का असर नहीं पड़ेगा। भारतीय चिकित्सा संघ से जुड़े चिकित्सक अपनी सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे हैं।

तृतीय श्रेणी कर्मियों को तबादला नीति से बाहर रखने की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 16 जून।

नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्राधिकरण की स्थानांतरण नीति से तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को बाहर रखने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री के ग्रेटर नोएडा आगमन के दौरान चौधरी राजकुमार और महासचिव महेश चंद ने इस मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि तृतीय श्रेणी अल्प वेतन भोगी कर्मचारी हैं। अगर इनका स्थानांतरण अन्यत्र कर दिया जाएगा, तो वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने में समर्थ नहीं होंगे।

युवती को शादी का झांसा देकर लाखों रुपए के जेवरात ठगे

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 16 जून।

छिजारसी में रहने वाली युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दो साल तक बलात्कार करने का आरोप लगाया है। युवती को घर से भागकर शादी करने का भरोसा देकर आरोपी ने लाखों रुपए के गहने और दो लाख रुपए की नकदी भी ठग ली। युवती ने जब शादी करने का दबाव बनाया, तो उसने साफ इनकार कर दिया। युवती की शिकायत पर थाना फेज थ्री पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती अपने परिवार के साथ छिजारसी गांव में रहती हैं। बताया गया है कि दो साल पहले पीड़िता छिजारसी में 12वीं कक्षा की कोचिंग करती थी। वहीं उसकी मुलाकात बहलोलपुर निवासी राजीव यादव से हुई। कुछ दिनों की मुलाकात के बाद राजीव ने उससे प्यार का इजहार किया। आरोप है कि जल्द शादी का झांसा देकर राजीव उससे बलात्कार करने लगा। उसने युवती को घर से गहने, नकदी और कपड़े लेकर आने को कहा। भरोसा कर पीड़िता घर में रखी सोने की अंगूठी, सोने की चेन, पांच तोले सोने का हार और दो लाख रुपए नकद ले आई। उसने जेवरात समेत नकदी राजीव को सौंप दिए। युवती का आरोप है कि उसके बाद जब शादी का दबाव बनाया, तो उसने चुप रहने की धमकी दी। साथ ही उसे बदनाम करने की चेतावनी भी दी थी।

पुलिस की चुप्पी

चांदनी चौक में घंटों अवैध तौर पर ऑटो रिक्शा और कार पार्किंग पर ट्रैफिक पुलिस वालों का चुप्पी सादे रखना इन दिनों चर्चा में है। खासकर कूचा महाजनी से लेकर फव्वारे तक। चर्चा हो भी क्यों नहीं, यहां ठप पड़े विकास कार्य के कारण इलाका और भी संकरा जो हो गया है और इसमें दिन में जब तक चाहें ऑटो रिक्शा वाले अपनी गाड़ी खड़ी कर मनमाना भाड़े वाला ग्राहक ढूंढ़ते रहते हैं। खाना-पीना हीं नहीं जब तक ग्राहक नहीं आता वे सड़क पर ऑटो में चौपाल भी लगाते हैं। बीते दिनो यहां कूचा महाजनी से लेकर फव्वारे तक 10 से ज्यादा ऑटो की गैर कानूनी ठहराव पर जब बेदिल ने क्रेन से गाड़ी उठाने वाली टीम से शिकायत की तो उन्हें सांप सूंघ गया। मौके पर मौजूद पुलिस के जवान ने कहा ये काम 'ये काम लाइन वालों (ट्रैफिक पुलिस) का है। हमारा काम तो केवल रास्ता खुला रखना है। दबे जुबां से केरन पर मौजूद ठेके वाले के कर्मचारी ने कहा-साहब सब 'फिक्स' है। ऑटो वाले सवारी के लिए नहीं बल्कि सामान ले जाने के लिए लाइन में कई घंटों खड़े रहते हैं। उसके दूसरे साथी एक ने तो मामला ही साफ कर दिया, कहा-ऑटो वाले मुंह मांगा कमाते हैं तो थोडा 'महकमे' को दे भी देते हैं। रही बात सड़क पर खड़ी कारों की तो उनमें ज्यादातर कारें दुकान मालिकों की हैं। बाकी 'टीआइ (ट्राफिक इंस्पेक्टर)' साबह जानें। वैसे इस 'धंधे में बड़ी ईमानदारी है। जो तय हो गया उसे निभाया जाता है।'

कौन बनेगा मुख्यमंत्री?

लोकसभा चुनाव के बाद अब भाजपा नेताओं में मुख्यमंत्री पद की दौड़ शुरू हो गई है। कोई माने या न माने पर इस दौड़ से दिल्ली भाजपा तीन गुटों में बंटी नजर आ रही है। इस वजह से अहम मुद्दों पर जहां पार्टी को एकजुट होकर हल्ला बोलने की रणनीति पर काम होना चाहिए था। वहां पर नेताओं के अलग-अलग सुर सुनाई दे रहे हैं। इसकी चिंता पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी साफ नजर आ रही है।

दिल्ली का डर

लोकसभा चुनाव में सातों सीटों पर विजय प्राप्त करने के बाद पार्टी को अब दिल्ली का डर सता रहा है। यह चुनाव भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा था लेकिन दिल्ली का अब तक कोई चेहरा नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व इस बार भी प्रधानमंत्री के नाम पर ही दिल्ली के चुनाव मैदान में जाने की तैयारी में है। बड़ी जीत के बाद भी एक नेताओं को डर सता रहा है। इस डर की वजह है कि दिल्ली में मुफ्त बिजली-पानी का फार्मूला अब तक दिल्ली वालों के दिल पर चढ़ा हुआ है। इसलिए अब भाजपा ने केंद्र के बाद दिल्ली में सत्ता मिलने से काम आसान होने की उम्मीद भरा नारा दिया है। हालांकि, भाजपा 7 लोकसभा सीट के आधार पर 60 से अधिक सीट पर जीत कर सरकार बनाने का दावा कर रही है।

पानी का इंतजार

दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव पूर्व दावा किया था कि सत्ता में आए तो उन इलाकों में भी नल से जलापूर्ति की जाएगी, जिन इलाकों के निवासी टैंकरों के भरोसे रहते हैं। पर सत्ता में काबिज हुए लंबा समय बीत चुका है। पर आज भी दिल्ली के कई इलाकों में लोग रतजगा कर पानी के टैंकर के आने का घंटों लाइन में लग कर इंतजार करते हैं। आलम यह है कि रात भर जागने के बाद भी निवासियों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाता। इस कारण लोगों को जल माफिया से पानी खरीदने को विवश होना पड़ रहा है। अब तो लोगों ने यह भी कहना शुरू कर दिया है कि 'आप' के नेताओं के वादे पर अन्य पार्टियों के नेताओं की ओर से किए जाने वाले वादे की तरह पानी फिर गया है। यही नहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केरजीवाल को बीते दिनों बदरपुर विधानसभा में कई महिलाओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा था। इन महिलाओं का आरोप था कि वादा तो कर दिया जाता है। पर वादे को अमल में नहीं लाया जाता।

जीरो पीरिएड और विवाद

बरसों से आशियाने का इंतजार कर रहे फ्लैट खरीदारों की दिक्कतों को नजरअंदाज कर प्राधिकरण अफसरों और बिल्डरों के बीच जीरो पीरिएड के खेल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी नाराजगी जताई है। जीरो पीरिएड, वह समय है, जिस दौरान किसी वजह या कानूनी व सरकारी रोक की वजह से बिल्डर परियोजना का निर्माण कार्य बंद रहा। इस अवधि को जीरो पीरिएड मानकर बिल्डर कंपनियां प्राधिकरण व सरकार से ब्याज समेत अन्य रियायतें लेती हैं। अलबत्ता सरकार के स्तर से मिलने वाली इन सुविधाओं का फायदा खरीदारों को नहीं देती हैं। बिल्डरों को करोड़ों रुपए के जीरो पीरिएड का लाभ शुरू से विवादों में रहा है लेकिन खरीदारों समेत अन्य खरीदार संगठनों के तर्क की अनदेखी कर प्रशासनिक व्यवस्था बिल्डरों को लाभ पहुंचाते रही है। ग्रेटर नोएडा में गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में बिल्डरों को जीरो पीरिएड दिए जाने पर निशाने पर लिया है।

-बेदिल

खेलों से युवाओं का होगा शैक्षणिक व शारीरिक विकास : मनोज तिवारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 16 जून।

पहली बार पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना मेमोरियल क्रिकेट लीग आयोजित की गई। रविवार को लीग के समापन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल दिल्ली को मंदिर और खुद को उसका पुजारी मानते थे। उनके कार्यकाल में रखे गए विकास कार्यो की नींव से ही दिल्ली को कई बड़ी परियोजनाओं का तोहफा मिला है। उन्होंने कहा कि खुराना जी का मानना था कि युवाओं को खेलों से जोड़ने से उनका शैक्षणिक व शारीरिक विकास को बढ़ाया जा सकेगा। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए पहली बार यह क्रिकेट-टेनिसबॉल लीग आयोजित की गई थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी व पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी राज खुराना ने लीग में विजयी होने वाली टीम को 21 हजार रुपये और दूसरे नंबर पर आने वाली टीम को 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया। यह टूर्नामेंट भाजपा युवा मोर्चा के नेता शिवम छाबड़ा ने आयोजित किया था।

ऑपरेशन सनशाइन-2 : भारत और म्यांमा सेना की संयुक्त कार्रवाई

म्यांमा सीमा पर सेना ने तबाह किए उग्रवादी शिविर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

भारत और म्यांमा की सेना की संयुक्त कमांडो टीमों ने मणिपुर, नगालैंड और असम में सक्रिय विभिन्न उग्रवादी समूहों को निशाना बनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। दोनों देशों के कमांडो ने अपने-अपने तरफ के सीमावर्ती क्षेत्रों में 16 मई से तीन हफ्ते तक साझा अभियान चलाया। इस दौरान पूर्वोत्तर भारत में सक्रिय कम से कम चार प्रतिबंधित संगठनों के छह दर्जन से ज्यादा उग्रवादी पकड़े गए और उनके दर्जनों शिविर तबाह कर दिए गए। ताजा कार्रवाई की तैयारी में पुख्ता खुफिया सूचनाएं बटोरी गईं।

इस संयुक्त अभियान को 'ऑपरेशन सनशाइन 2' नाम दिया गया। इसमें असम राइफल्स के जवान भी शामिल किए गए। भारतीय सेना के प्रवक्ता के मुताबिक, इस अभियान का पहला चरण तीन महीने पहले भारत-म्यांमा सीमा पर चलाया गया था। दूसरा चरण 16 मई से तीन हफ्ते तक चलाया गया। भारत और म्यांमार ने लंबी भागीदारी से सीमा पर इस अभियान को अंजाम दिया। कमांडो कार्रवाई में मणिपुर, नागालैंड और असम के

● चार प्रतिबंधित संगठनों के छह दर्जन से ज्यादा उग्रवादी पकड़े गए, दर्जनों शिविर तबाह

कई आतंकी संगठनों को निशाना बनाया गया।

'ऑपरेशन सनराइज-2' के दौरान उग्रवादी समूहों के शिविरों को नष्ट करने के लिए दोनों देशों की सेनाओं ने एक-दूसरे का सहयोग किया। जिन उग्रवादी संगठनों को निशाना बनाया गया, उनमें कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ), एनएससीएन (खापलांग), उल्फा (1) और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) शामिल हैं। प्रवक्ता के मुताबिक, इस अभियान के दौरान कम से कम छह दर्जन उग्रवादियों को दबोच लिया गया और उनके कई ठिकाने तबाह कर दिए गए।

दोनों देश खुफिया सूचनाओं और जमीनी स्थिति के आधार पर अभियान का तीसरा चरण भी शुरू कर सकते हैं। म्यांमा भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और उग्रवाद प्रभावित मणिपुर तथा नगालैण्ड सहित पूर्वोत्तर राज्यों से इसकी 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। भारत सीमा रक्षा के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरे समन्वय पर जोर देता रहा है। प्रवक्ता के मुताबिक, ऑपरेशन सनराइज के पहले चरण में सेना ने अराकन आर्मी के सदस्यों को निशाना बनाया था, जो म्यांमार में एक विद्रोही समूह है। यह अभियान 22 से 26 फरवरी तक चलाया गया था। तब भारतीय सेना ने अपनी सीमा में अराकान उग्रवादी समूह के खिलाफ ऐक्शन लिया था। ऑपरेशन के दौरान भारत की तरफ से भागकर म्यांमा गए उग्रवादियों को वहां की सेना ने पकड़ लिया था।

'कश्मीरी अलगाववादियों ने निजी फायदे के लिए किया विदेशी धन का इस्तेमाल'

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने आरोप लगाया है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी वित्त पोषण के मामले में जांच से पता चला है कि कट्टरपंथी अलगाववादी नेताओं को विदेशों से धन प्राप्त हुआ और उन्होंने इसका इस्तेमाल अपने लिए संपत्ति खरीदने से लेकर अपने बच्चों को विदेशों में शिक्षा देने पर किया।

एजंसी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस और संगठनों के कई शीर्ष नेताओं से पूछताछ की और दावा किया कि उन्होंने कश्मीर घाटी में लोगों के बीच अलगाववादी भावनाएं भड़काने के लिए पाकिस्तान से धन मिलने की बात स्वीकार की।

एनआइए ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि दुख्तरान ए मिल्लत की कुख्यात नेता आसिया अंद्राबी से मलेशिया में उसके बेटे की शिक्षा पर हुए खर्च के बारे में पूछताछ की गई तो पता चला कि यह खर्च जहूर वटाली उठाता था, जिसे आतंकवादी वित्त पोषण के मामले में गिरफ्तार किया गया है।एनआइए ने दावा किया, 'जांच में आसिया अंद्राबी ने स्वीकार किया कि उसे विदेशी स्रोतों से धन और चंदा मिलता रहा है और दुख्तरान ए मिल्लत घाटी में मुसलिम महिलाओं

दुख्तरान ए मिल्लत की कुख्यात नेता आसिया अंद्राबी से मलेशिया में उसके बेटे की शिक्षा पर हुए खर्च के बारे में पूछताछ की गई तो पता चला कि यह खर्च जहूर वटाली उठाता था, जिसे आतंकवादी वित्त पोषण के मामले में गिरफ्तार किया गया है

द्वारा प्रदर्शन का आयोजन करता है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि एनआइए ने आसिया के बेटे मोहम्मद बिन कासिम द्वारा विश्वविद्यालय में पढ़ने के दौरान कुछ बैंक खातों के इस्तेमाल के बारे में संबंधित अधिकारियों से साक्ष्य मुहैया कराने के लिए कहा गया है।

एक अन्य कट्टरपंथी नेता शब्बीर शाह से भी उसके व्यवसाय के बारे में पूछताछ की गई जो कथित तौर पर पाकिस्तान से प्राप्त धन से संचालित होता था और इसमें पहलगाम में उसके होटल का व्यवसाय भी शामिल है। एनआइए ने कहा, 'हिरासत में पूछताछ के दौरान शाह से पाकिस्तान स्थित एजंटों एवं एपीएचसी (ऑल पार्टीज हुर्रियत कांफ्रेंस) के प्रतिनिधियों द्वारा धन भेजने के बारे में पूछा गया। उससे पहलगाम में विभिन्न होटलों और व्यवसाय, जम्मू, श्रीनगर और अनंतनाग में सपत्तियों के बारे में भी पूछताछ की गई।' एनआइए ने मई 2017 में जमात उद दावा, दुख्तरान ए मिल्लत, लश्कर ए तैयबा, हिज्बुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादियों और राज्य में अन्य अलगाववादी नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इनके खिलाफ अलगाववाद और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने और कश्मीर घाटी में गड़बड़ी पैदा करने तथा भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मामला दर्ज किया गया था।

'जासूसी कांड' की जांच के लिए कमलनाथ को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

राज्यसभा सदस्य विवेक तनखा ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय समिति का गठन कर राज्य में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा अवैध रूप से जासूसी कराने की जांच कराए जाने की मांग की है। कमलनाथ को लिखे पत्र में तनखा ने प्रशांत पांडेय की याचिका का हवाला दिया है जिन्होंने व्यापमं भर्ती घोटाले का भंडाफोड़ किया था। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

तनखा के पत्र के मुताबिक याचिका में कहा गया है कि 2009 से 2014 के बीच स्पंदन आइटी पल्स जैसी इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी द्वारा विकसित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से आसानी से कॉल डिटेल रिकॉर्ड, सब्सक्राइबर से जुड़ी सूचना, भारत में किसी भी व्यक्ति के कॉल टावर का स्थान आदि तक अवैध रूप से पहुंच बनाई जा सकती थी। यह कंपनी अमेरिका में पंजीकृत है। सांसद के पत्र के अनुसार यह ऑनलाइन अवैध सॉफ्टवेयर कोई भी आसानी से खरीद सकता था।

इसमें कहा गया है कि पांडेय की निजी जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के करीब 4000 पुलिसकर्मी पांच हजार रुपए प्रति महीने का भुगतान कर इस अवैध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रहे थे।

महाराष्ट्र में मोटरसाइकिल-ट्रक की टक्कर में दो भाइयों की मौत

अकोला, 16 जून (भाषा)।

महाराष्ट्र के अकोला जिले में रविवार को सुबह एक ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार दो भाइयों की मौत हो गई और उनका चचेरा भाई घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ, जब तीनों मेदाशी गांव से पास के पातुर शहर के एक अस्पताल जा रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले तेल रिसाव के कारण सड़क पर फिसलन हो गई थी।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार, विखे पाटील बने मंत्री

मुंबई, 16 जून (भाषा)।

पूर्व कांग्रेस नेता राधाकृष्ण विखे पाटील और मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार सहित आठ विधायकों ने रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री के रूप में शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार के तहत इन आठ मंत्रियों के अलावा पांच को कनिष्ठ मंत्री के तौर पर शामिल किया गया। राज्य विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत और विधानसभा चुनावों से करीब चार महीना पहले मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है।

राज्य में मंत्रिमंडल का यह तीसरा विस्तार है और इसमें किसी नई महिला नेता को शामिल नहीं किया गया है। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में दो ही महिला मंत्री पंकजा मुंडे और विद्या ठाकुर हैं।

राज्य विधानसभा में नेता विपक्ष रह चुके विखे पाटील और हाल में शिवसेना में शामिल हुए पूर्व राकांपा नेता जयदत्त क्षीरसागर ने रविवार को मंत्री पद की शपथ ली। मुंबई भाजपा प्रमुख शेलार को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे शेलार को इससे पहले मंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। 2017 के नगर निगम चुनाव के दौरान उनके नेतृत्व में निकाय संस्था में भाजपा का प्रतिनिधित्व 33 से बढ़कर 83 होने के बाद से ही उनकी दावेदारी मजबूत हुई थी।

यह पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) से एक नेता अविनाश महातेकर को भी फडणवीस सरकार में कनिष्ठ मंत्री के तौर पर शामिल किया गया है। आरपीआइ (ए) प्रमुख और राज्यसभा के सदस्य रामदास अठावले इस वक्त केंद्र की राजग सरकार में राज्यमंत्री हैं। विखे पाटील, क्षीरसागर और महातेकर फिलहाल राज्य विधानसभा के किसी सदन के सदस्य नहीं हैं और वे छह महीने तक ही मंत्री पद पर बने रह सकते हैं। नियम के अनुसार उन्हें छह महीने के अंदर विधान परिषद के लिए निर्वाचित होना होगा। हालांकि राज्य विधानसभा के चुनाव सितंबर-अक्तूबर में होने वाले हैं इसलिए ये मंत्री विधानसभा के मौजूदा कार्यकाल तक अपने-अपने पदों पर बने रह सकते हैं।

भाजपा के सुरेश खाडे, संजय कुटे, अनिल बोंडे एवं अशोक उइके और शिवसेना के तानाजी सावंत ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें सावंत ही एकमात्र ऐसे मंत्री हैं जो विधान परिषद के सदस्य हैं जबकि अन्य विधायक हैं। भाजपा के योगेश सागर, संजय उर्फ बाला भेगड़े, परिणय फुके और अतुल सावे को राज्यमंत्री के तौर पर शामिल किया गया है। फुके विधान परिषद के सदस्य हैं जबकि अन्य विधानसभा के निचले सदन के सदस्य हैं।

इस बीच, मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के आवास मंत्री प्रकाश मेहता और पांच अन्य राज्य मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मेहता के अलावा इस्तीफा देने वाले अन्य मंत्रियों में राजकुमार बडोले, विष्णु सावरा, दिलीप कांबले, प्रवीण पोटे और अमरीश आत्राम शामिल हैं। देवेंद्र फडणवीस सरकार ने नवंबर 2014 में कार्यभार संभाला था लेकिन उस वक्त शिवसेना सरकार में शामिल नहीं हुई थी।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत

पणजी, 16 जून (भाषा)।

गोवा-मुंबई राजमार्ग पर रविवार को सुबह एक जीप ने एक कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार व्यक्ति और उसके पुत्र की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी जख्मी हो गई।

आतंकवाद का वित्त-पोषण रोकने की कार्रवाई में विफल रहा पाक

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

पाकिस्तान आतंकवाद के वित्त पोषण और धन शोधन के खिलाफ निगरानी करने वाले बहुपक्षीय वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा तय 27 बिदुओं में 25 पर कार्रवाई पूरा करने में विफल रहा है। आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद तथा सहयोगी संगठनों जमात-उद-दावा तथा फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन के वित्त पोषण पर अंकुश के लिए पाकिस्तान को कार्रवाई करनी थी।

इससे अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक और यूरोपीय संघ पाकिस्तान की वित्तीय साख को आगे और भी नीचे की श्रेणी में डाल सकते हैं। ऐसे में पहले से वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की स्थिति और खराब हो सकती है। पेरिस मुख्यालय वाले एफएटीएफ ने पाकिस्तान से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या उसने मूल रूप से आतंकी समूहों लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के सहयोगी संगठनों जमात-उद-दावा तथा फलाह-ए-इंसानियत के संचालित विद्यालयों, मदरसों, क्लीनिक और एंबुलेंस सेवाओं को चलाने के लिए 70 लाख डॉलर की धन राशि के आबंटन की कोई जांच शुरू की है?

इस घटनाक्रम से जुड़े लोगों ने कहा कि अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को शुरू हुई एफएटीएफ की बैठक में पाकिस्तान गंभीर संकट में होगा।

उन्होंने कहा, 'वह एफएटीएफ के 27 में से 25 बिदुओं पर कार्रवाई करने में विफल रहा है। उसके पास अब आखिरी मौका है। उसे 15 माह का समय दिया गया था जो अक्तूबर, 2019 में समाप्त हो जाएगा। उस समय एफएटीएफ का पूर्ण अधिवेशन होने वाला है।

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को 'संदेह' वाले देशों की सूची में रखा हुआ है। इससे मुद्रकोष विश्वबैंक ,एडीबी तथा ईयू (यूरोपीय संघ) उसकी वित्तीय साख कम कर सकते हैं। इससे पहले से वित्तीय संकट में फंसे पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हाफिज सईद ने जमात-उद-दावा तथा फलाह-ए-इंसानियत की स्थापना की थी। लश्कर-ए-तैयबा ने भारत में 2008 में मुंबई पर हमला किया था। इसके अलावा उसने 1999 में इंडियन एअरलाइंस के विमान का अपहरण भी किया था। इस विमान को अफगानिस्तान के कंधार ले जाया गया था। हाल में पुलवामा में सीआरपीएफ की बस पर हमले के लिए भी लश्कर ही जिम्मेदार है। इस हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

NOTICE INVITING APPLICATION FOR ALLOTMENT OF SHOPS AT SANTUSHTI SHOPPING COMPLEX, NEW DELHI

1. **Air Officer Commanding, Air Force Station New Delhi,** invites sealed application from resident Indian National for allotment of shops at Santushti Shopping Complex, New Willingdon Camp, Lok Kalyan Marg New Delhi-110003.

Shop No	Size	Shop No	Size	Shop No	Size
03	581 sqft	36	413 sqft	38	422 sqft
08	871 sqft				

2. The period of allotment will be three years wef 01 Aug 2019. The shops will be allotted as per provision of **Defence Shopping Complex (Maintenance & Administration) Rules, 2006.**

3. The rates for allotment of the shop are fixed and will be charged as License Fee 160/- per sqft, Maintenance charges 60/- per sqft and GST @18%. In addition water & electricity charges will be charged as per consumption. **The maintenance charge will be increased by 5% every year.**

4. The application form can be collected from Santushti Shopping Complex Office, on all working days starting from **18 Jun 19 from 1000 hrs to 1630 hrs @ Rs 500/-** each (non-refundable). Earnest Money Deposit (EMD) equivalent to one month License fee i.e. (Area of shop X Rs 160/-psf) in the form of Demand draft/Bankers Cheque issued by any nationalized bank or ICICI, HDFC and AXIX Bank is to be drawn in favour of **"Santushti 412 Air Force Station New Delhi".** Application form duly completed in all respect along with EMD, is to be submitted to SSC office **on or before 1500 hrs by 08 Jul 19**. Applications form without **EMD will be summarily rejected.**

5. Any clarification regarding allotment of Shops or any other issues for prospective allotees will be addressed at the office of Santushti Shopping Complex between 1100 hours to 1600 Hrs on all working days (Monday to Saturday) till 06 Jul 19. **The allotment of Shops by draw of lot, if applicable, will be held at 1500 Hrs on 15 Jul 2019 at Santushti Shopping Complex.**

6. For further details please contact Tele no. 011-24679220, Mobile no. 8130973799, or email on santushtishoppingcomplex123@gmail.com

7. **Air Officer Commanding, Air Force Station New Delhi, reserves the right to withdraw any shop and / or accept or reject any application without assigning any reason.**

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालयः "ओरिएंटल हाउस", ए-25/27 आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002 वेबसाइटः www.orientalinsurance.org.in
पंजीकरण सं.556, दिनांकित 25.02.2014 सीआईएन नं. U66010DL1947GOI007158

31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम

राजस्व लेखा (रु. लाख में)

विवरण	को समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2019			को समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2018		
	अग्नि	समुद्र	विविध	अग्नि	समुद्र	विविध
अर्जित प्रीमियम(शुद्ध)	60195	20840	979117	59038	23015	880747
निवेशों की बिक्री/शोधन पर लाभ/हानि	14670	5024	142229	13999	5473	162263
अन्य, विनिमय पर लाभ(+)/हानि (-)	-3	1651	-236	4442	2160	2025
ब्याज, लाभांश और किराया - सकल	9650	3305	93558	9172	3586	106307
कुल (ए)	**84512**	**30820**	**1214668**	**86651**	**34234**	**1151342**
दावा किया गया (शुद्ध)	67716	13889	1043202	50957	16090	755074
कमीशन	8568	2015	55271	9607	2151	51962
बीमा कारोबार से संबंधित परिचालन व्यय	22176	4902	219473	24824	5099	239376
प्रीमियम की कमी	3610	0	0	0	-439	0
निवेश से संबंधित व्यय	990	339	9589	213	83	2466
कुल (बी)	**103060**	**21145**	**1327535**	**85601**	**22984**	**1048878**
परिचालन लाभ/(हानि) सी= (ए-बी)	**-18548**	**9675**	**-112867**	**1050**	**11250**	**102464**
विनियोग						
शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरण	-18548	9675	-112867	1050	11250	102464
आपदा रिजर्व में स्थानांतरण	0	0	0	0	0	0
अन्य रिजर्व में स्थानांतरण (निर्दिष्ट किया जाना है)	0	0	0	0	0	0
कुल (सी)	**-18548**	**9675**	**-112867**	**1050**	**11250**	**102464**

लाभ एवं हानि खाता (रु. लाख में)

विवरण	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
परिचालन लाभ/(हानि)		
(क) अग्नि बीमा	-18548	1050
(ख) समुद्री बीमा	9675	11250
(ग) विविध बीमा	-112867	102464
निवेश से आय		
(क) ब्याज, लाभांश और किराया - सकल	25201	12462
(ख) निवेशों की बिक्री पर लाभ	38550	19021
घटाएंः निवेशों की बिक्री पर हानि	**-240**	
अन्य आय	16842	10184
कुल (ए)	**-41387**	**156431**
प्रावधान (कराधान के अलावा)		
(क) निवेश के मुल्य में कमी के लिए	113	-17
(ख) डूबंत और संदिग्ध ऋण/निवेश के लिए	1220	470
(ग) अन्य (अमूर्त व्यय)	628	261
अन्य व्यय		
(क) बीमा कारोबार से संबंधित खर्च के अलावा व्यय	0	
(ख) बट्टे खाते में डाला गया पुराना/अप्रतिलभ्य जमा शेष	2	20
(ग) (i) अन्य	2010	8356
(ii) एनपीए	1659	-97
(iii) बट्टे खाते में डाला गया निवेश (शुद्ध)	183	143
(iv) सीएसआर व्यय	722	669
(v) आयकर/सेवाकर भुगतान पर ब्याज	534	166
पूर्व अवधि की मदें (शुद्ध)	**-5559**	**8232**
कुल (बी)	**1512**	**18203**
कर देने से पूर्व लाभ	**-42899**	**138228**
घटाएंः		**0**
कराधान का प्रावधान (चालू वर्ष)	**0**	**-24800**
पहले के वर्षों से संबंधित कराधान	**13533**	**37561**
कर अदायगी के बाद लाभ	**-29366**	**150989**
विनियोग		
(क) वर्ष के दौरान अंतरिम लाभांश का भुगतान	0	0
(ख) प्रस्तावित अंतिम लाभांश	0	0
(ग) लाभांश वितरण कर	0	0
(घ) सामान्य रिजर्व को स्थानांतरण	**-29366**	150989
(कृ) अनपेक्षित जोखिमों के लिए आकस्मिक रिजर्व में स्थानांतरण	0	0
पिछले वर्ष से अग्रानित लाभ/हानि का जमा शेष	0	0
तुलन पत्र में अग्रेनित जमा शेष	0	0

तुलन पत्र (रु. लाख में)

विवरण	31.03.2019 को	31.03.2018 को
क. निधियों का स्रोत		
शेयर पूंजी	20000	20000
रिजर्व और अधिशेष	266303	295669
उचित मूल्य परिवर्तन खात - पॉलिसीधारक	646980	783752
उचित मूल्य परिवर्तन खात - शेयरधारक	111585	81985
उधार राशियां	75000	0
कुल	**1119868**	**1181406**
ख. निधियों का प्रयोग		
निवेशः-		
पॉलिसीधारक	2100335	2064416
शेयरधारक	362246	215951
ऋण	14172	14540
स्थायी परिसंपत्तियां (सीडब्ल्यूपी सहित)	59014	50644
चालू आस्तियां :		
नकद और बैंक शेष	261285	226418
अग्रिम और अन्य आस्तियां	582021	426439
उप-योग (ए)	843306	652857
चालू देयताएं	1608228	1208113
प्रावधान	650977	608889
उप-योग (बी)	**2259205**	**1817002**
शुद्ध चालू आस्तियां = (ए-बी)	**-1415899**	**-1164145**
विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डाले जाने या समायोजित नहीं होने की सीमा तक)	0	0
लाभ और हानि खाते में नामे शेष	0	0
कुल	**1119868**	**1181406**

विश्लेषणात्मक अनुपात

विवरण	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए
सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम वृद्धि दर	14.89%	15.23%
नेटवर्थ अनुपात के सामने सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम (गुणक)	4.71	3.72
नेटवर्थ की वृद्धि दर	-9.30%	136.55%
शुद्ध प्रतिधारण (रिटेंशन) अनुपात	78.52%	82.91%
शुद्ध कमीशन अनुपात	6.07%	6.35%
सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम अनुपात के सामने प्रबंधन के व्यय (प्रत्यक्ष कमीशन सहित)	24.48%	29.32%
शुद्ध लिखित प्रीमियम अनुपात के सामने प्रबंधन के व्यय (प्रत्यक्ष कमीशन सहित)	30.44%	34.32%
शुद्ध अर्जित प्रीमियम के सामने शुद्ध दावा किया गया	106.10%	85.39%
संयुक्त अनुपात	134.91%	118.60%
निवल प्रीमियम अनुपात के सामने तकनीकी रिजर्व (गुणक)	1.64	1.53
हामीदारी (अंडरराइटिंग) शेष अनुपात (गुणक)	-0.36	-0.2
परिचालन लाभ अनुपात	-5.53%	14.22%
देनदारी अनुपात के सामने तरल परिसंपत्तियां (गुणक)	0.3	0.27
शुद्ध आय अनुपात	-2.71%	15.06%
नेटवर्थ अनुपात पर लाभ	-10.26%	47.83%
एनपीए अनुपात		
सकल एनपीए अनुपात-पॉलिसीधारक की निधि	1.77%	0.17%
सकल एनपीए अनुपात-शेयरधारक की निधि	0.31%	0.02%
शुद्ध एनपीए अनुपात	0.00%	0.00%

नोटः
1. उपरोक्त लेखापरीक्षा परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और 28.05.2019 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2. दिनांक 28.01.2010 के आईआरडीए के परिपत्र संख्या IRDA/F&I/CIR/F&A/12/01/2010 dt.28.01.2010 के अनुसार और उसमें दी गई परिभाषा के अनुसार यह खुलासा किया गया है।
3. विश्लेषणात्मक अनुपात की गणना दिनांक 5 अक्तूबर, 2012 के आईआरडीए के मास्टर परिपत्र तथा दिनांक 3 जुलाई, 2013 के शुद्धिपत्र के अनुसार की गई है।
4. पिछले वर्ष के आंकड़ों, जहां भी आवश्यक हो, को पुनःसमायोजित/पुनः एकत्रित किया गया।

के लिए और की ओर से
दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
ए.वी. गिरिजाकुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 02921377

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 28.05.2019

पृथ्वी, अग्नि, जल, आकाश, सब की सुरक्षा हमारे पास

जनसत्ता

17 जून, 2019

अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री ने जो संकल्प दोहराए, अगर उन पर संजीदगी से अमल हो तो अर्थव्यवस्था को लक्ष्य तक पहुंचाने में काफी हद तक कामयाबी मिल सकती है। प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को अगले पांच सालों में पांच हजार अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य बड़ा है, पर सब साथ मिल कर प्रयास करें, तो इसे हासिल करना कठिन नहीं है। इसके लिए उन्होंने सभी राज्यों से सहयोग की अपील की। इसके लिए उन्होंने राज्यों का निर्यात बढ़ाने, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करने, मूलभूत ढांचे के विकास में तेजी लाने, गरीबी, बेरोजगारी आदि जैसी समस्याओं पर काबू पाने की दिशा में रणनीति तैयार करने पर बल दिया। आम चुनाव के बाद सरकार ने सबसे पहले अपना ध्यान अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर केंद्रित किया है। इसके पहले सभी विभागों की बैठक कर प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में संभावित प्रयासों पर विचार-विमर्श के लिए दो समितियों का गठन किया, जिसमें अलग-अलग विभागों के मंत्री शामिल हैं। रिजर्व बैंक को भी इस दिशा में नीतियां बनाने को कहा गया है। इसके तहत बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ाने के मकसद से पिछले दिनों उसने अपनी रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती भी की।

दरअसल, पिछले कुछ समय से देश की विकास दर संतोषजनक नहीं है। इसमें नोटबंदी, जीएसटी जैसे कुछ फैसलों का भी प्रभाव देखा गया है। सकल घरेलू उत्पाद की दर नीचे गई है। इसमें औद्योगिक क्षेत्र की भागीदारी संतोषजनक नहीं है। इसका असर यह हुआ है कि बेरोजगारी पर काबू पाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। फिर कुछ बैंकों के बट्टे खाते में काफी वृद्धि हुई है। बड़े कर्जों की वसूली नहीं हो पाई, कई बड़े कर्जदार धोखे से बैंकों की पूंजी सोख कर देश छोड़ गए। फिर अपेक्षित विदेशी निवेश भी नहीं आ पाया। महंगाई पर काबू पाने की मंशा से कई मामलों में सरकार को राजस्व में कटौती करनी पड़ी। शिक्षित और कुशल युवाओं को प्रोत्साहन देने तथा देश में उत्पादन बढ़ाने की मंशा से भारी पैमाने पर कर्ज बांटे गए, पर उसके नतीजे अभी तक नजर नहीं आ रहे हैं। इन तमाम बातों की वजह से अर्थव्यवस्था का रुख नीचे की तरफ बना हुआ है। इसे लेकर विपक्ष लगातार हमलावर रहा है। इसलिए सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सबसे पहले ध्यान केंद्रित किया है और बड़ा लक्ष्य सामने रखा है, तो यह अच्छी बात है।

अर्थव्यवस्था की मजबूती सभी क्षेत्रों के सम्मिलित सहयोग से आती है। उसमें कोई भी क्षेत्र कमजोर रह जाता है, तो वह विकास दर को ऊपर नहीं बढ़ने देता। इसलिए केंद्र सरकार ने सभी विभागों, देश की सभी राज्य सरकारों को इसमें सहभागी बनाने की कोशिश की है, तो बेहतर नतीजों की उम्मीद बनती है। जीएसटी जैसे फैसलों के नतीजे अब नजर आने शुरू होंगे। कौशल विकास और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों के परिणाम भी अब दिख सकते हैं। पर इसके लिए औद्योगिक क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ अंदरूनी और बाहरी बाजार के आकार में विस्तार पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। निर्यात के मामले में हम लंबे समय से पीछे हैं, अगर इसकी दर में बढ़ोतरी होती है, तो औद्योगिक क्षेत्र का विकास होगा और रोजगार की नई संभावनाएं बनेंगी। इस तरह सरकार जिन समस्याओं से पार पाना चाहती है, उसमें कामयाबी मिल सकती है।

बीमारी और सवाल

इक्कीसवीं सदी के भारत में अगर दिमागी बुखार जैसी बीमारी से बच्चे रोजाना दम तोड़ते रहें और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहे तो इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। बिहार में पिछले दस दिन में दिमागी बुखार, जिसे जापानी बुखार भी कहा जाता है, से अब तक नब्बे बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चों की मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा। मौतों का यह आंकड़ा तो उन बच्चों का है जो अस्पताल में भर्ती थे और इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। लेकिन अगर ऐसी कोई वायरस संक्रमण जन्य बीमारी फैली है तो इससे पीड़ित बच्चों की संख्या तो काफी ज्यादा ही होगी। चिंता की बात तो यह है कि पिछले दस दिनों के भीतर डॉक्टर यह भी पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर इस बुखार का कारण क्या है। राज्य के करीब बारह जिले इस बुखार की चपेट में हैं। मुजफ्फरपुर के अस्पतालों में ढाई सौ से ज्यादा बच्चे भर्ती हैं। ज्यादातर पीड़ित बच्चे ग्रामीण इलाकों के हैं। राज्य में बच्चों की मौतों का सिलसिला कई दिनों से चल रहा है लेकिन सरकार कई दिन बाद हरकत में आई और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शुक्रवार को पहली बार मुजफ्फरपुर पहुंचे। यह बिहार सरकार की संवेदनहीनता को बताने के लिए काफी है।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जापानी बुखार हर साल फैलता है। लेकिन इस बार मौतों का आंकड़ा जिस तेजी से बढ़ा है, वह राज्य सरकार की घोर लापरवाही का ही परिणाम है। ये बच्चे बुखार से कम, सरकार के भ्रष्ट और लाचार तंत्र के कारण ज्यादा मर रहे हैं। सवाल तो यह उठता है कि जब हर साल जापानी बुखार फैलता है तो उसे रोकने के स्थायी समाधान क्यों नहीं तलाशे जाते। पिछली घटनाओं से सीख क्यों नहीं ली जाती? जापानी बुखार के प्रकोप से उत्पन्न हालात का जायजा लेने के लिए जो केंद्रीय टीम बिहार के दौरे पर गई थी, उसकी रिपोर्ट चौंकाने वाली है। केंद्रीय टीम ने साफ कहा कि इस बीमारी से निपटने के लिए राज्य सरकार के पास संसाधनों की जो स्थिति है, वह संतोषजनक नहीं है। इस तरह की बीमारियों से निपटने के लिए जिस तरह का ट्रॉमा सेंटर, सघन चिकित्सा कक्ष (आइसीयू), विशेषज्ञ डॉक्टर और नर्स होने चाहिए, वे नहीं हैं। अस्पतालों की हालत यह है कि दूसरे विभागों और कमरों में मरीजों को ठूंस कर काम चलाया जा रहा है। स्थिति बता रही है कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करा पाने में हमारी सरकारें किस तरह नाकाम साबित हो रही हैं।

सवाल है कि सरकारी अस्पताल इतने सुविधा-विहीन क्यों हैं, जहां जरूरत के मुताबिक न बिस्तर हैं, न आइसीयू, न पर्याप्त विशेषज्ञ डाक्टर और नर्सिंग स्टाफ है। हालत बता रही है कि अस्पताल खुद ही गंभीर बीमारी से संक्रमित हैं, जिसका इलाज करने की ताकत और इच्छा सरकार के पास नहीं बची है। इसका मतलब तो यह हुआ कि बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए जो पैसा रखा जाता है वह अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवाओं पर तो खर्च ही नहीं हो रहा! बिहार में 1977 में पहली बार इस बीमारी का पता चला था। तब से लेकर अब तक एक लाख से ज्यादा बच्चों की जान चुकी है। अगर चार दशक में भी हम बीमारी का कारण नहीं खोज पाएं तो इससे बड़ी नाकामी क्या हो सकती है। अगर समय रहते कदम उठाए गए होते और बीमारी का पता लगाने के लिए शोध शुरू हो जाता तो आज कई घरों के चिराग बुझने से बचाए जा सकते थे।

कल्पमेधा

प्राय: संकट काल विजय के साथ ही आता है।
-नेपोलियन

कैसे दूर होगी गरीबी

बिभा त्रिपाठी

कौन गरीब है, कुल कितने गरीब हैं, कहां गरीब चिन्हित किए जाते हैं, गरीबी का आंकड़ा बढ़ रहा है या घट रहा है, और अंततः गरीब होना क्या मायने रखता है, ये कुछ ऐसे अनुत्तरित प्रश्न हैं जिनका उत्तर ढूंढ़े जाने की जरूरत है। गरीब कभी अपनी गरीबी के लिए स्वयं जिम्मेदार नहीं होता, बल्कि वह समाज में व्याप्त असमानताओं और अवसरों के अभाव का शिकार है।

आज के विकृत पूंजीवादी वैश्विक परिदृश्य में गरीबी एक सापेक्ष शब्द हो चुका है। भारत को सदा से ही एक गरीब देश की संज्ञा से नवाजा जाता रहा है। इससे ऊपर यदि दक्षिण एशियाई देशों तक गरीबी को विस्तारित किया जाए तो आंकड़े बताते हैं कि विश्व के आधे से ज्यादा गरीब दक्षिण एशियाई देशों में रहते हैं। इसीलिए 'साउथ एशिया अलायंस फॉर पावर्टी इरेडिकेशन' की साधारण महासभा के प्रथम सम्मेलन में श्रीलंका के प्रतिनिधि ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि हम गरीब नहीं हैं, यह तो सदैव पश्चिम की ओर से ही कहा जाता रहा है कि हम गरीब हैं। कहने का तात्पर्य है कि गरीबी को परिभाषित और निर्धारित करने के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रयासों से गरीबों का कोई लेना-देना नहीं है। चाहे तेंदुलकर कमेटी द्वारा खरीद क्षमता के आधार पर परिभाषित गरीबी हो या फिर डा. रंगराजन समिति द्वारा परिभाषित गरीबी हो, लब्बोलुआब यह है कि क्या गरीबी रेखा के ऊपर की सारी आबादी खुशहाल है, संपन्न है? संतुष्ट है? और यदि नहीं तो फिर इस हाय-हाय, किच-किच का क्या मतलब है?

अगर विश्व के समृद्धतम देश संयुक्त राज्य अमेरिका की चर्चा होती है तो आम धारणा यह बनती है कि यह देश न सिर्फ सर्वशक्तिशाली है, वरन सबसे समृद्धशाली भी है। परंतु गरीबी का दुष्चक्र वहां भी अर्थशास्त्रियों की नाक का नकेल बनता है। करोड़ों अमेरिकी रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। बाजारवाद के चरमोत्कर्ष के इस काल में ऐसे करोड़ों लोगों के साथ शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के नाम पर गहरे विभेद का सामना करना पड़ता है।

कौन गरीब है, कुल कितने गरीब हैं, कहां गरीब चिन्हित किए जाते हैं, गरीबी का आंकड़ा बढ़ रहा है या घट रहा है, और अंततः गरीब होना क्या मायने रखता है, ये कुछ ऐसे अनुत्तरित प्रश्न हैं जिनका उत्तर ढूंढ़े जाने की जरूरत है। गरीब कभी अपनी गरीबी के लिए स्वयं जिम्मेदार नहीं होता, बल्कि वह समाज में व्याप्त असमानताओं और अवसरों के अभाव का शिकार है। हालांकि कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि गरीब, सुस्त और आलसी होते हैं और उनका वर्तमान जीवन स्तर उन्हें गरीब बनाए रखता है। अतः गरीबी उन्मूलन हेतु जब भी नीतियों एवं कार्यक्रमों का निर्धारण करना हो, उक्त तथ्यों को ध्यान में रखना नीतिगत सफलता की एक पूववर्ती शर्त मानी जाएगी।

गरीब और अमीर का निर्धारण करने वाली गरीबी रेखा कितने तर्कसंगत आधारों पर निर्मित की जाती है, यह प्रश्न अभी तक अनुत्तरित है। चूंकि गरीबी का एक गंभीर दुष्परिणाम शक्तिविहीनता भी है जिसमें एक गरीब को असहाय और बेचारा माना जाता है। उसके साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता है। परिणामस्वरूप उसके शरीर, मन और जीवन पर गरीबी की काली छाया मंडराती रहती है और वह असमय ही काल का ग्रास बन जाता है।

गरीब की दशा पर राजनीति की रोटी सेंकने वालों की अपनी अलग ही दुनिया है। एक राजनेता का यह बयान कि 'गरीबी एक मानसिक दशा है', विचारणीय है। ऐसे बयानों से जेहन में यह लाइन सहसा ही आ जाती है कि 'एक शहंशाह ने बनवा के हसीं ताजमहल हम गरीबों का उड़ाया है मजाक।' निहितार्थ यह है कि हमने गरीब और गरीबी को समझा तो बहुत, लेकिन उसे दूर करने की जगह इसे हास्य और व्यंग्य का, हंसी-ठिठोली का विषय बना डाला। कभी हृदयविदारक, मर्माहत करने वाली कविता के माध्यम से तो कभी उदारवादी आर्थिक नीतियों के क्रियान्वयन से।

मूल रूप से सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक लक्ष्य, संस्थागत साधनों का अभाव और सरकारी नीतियां ही कमोवेश रूप से गरीबी के मूल कारक है। अतः इनमें जब तक सुधार नहीं होगा तब तक चाहे उत्तर प्रदेश का संदर्भ हो, चाहे अमेरिका या इंग्लैंड का, गरीबों की दशा में सकारात्मक परिवर्तन संभव नहीं है। गरीबी को मानव अधिकारों के उल्लंघन का कारण एवं प्रभाव दोनों माना जाता है। इसलिए मानव अधिकारों एवं मौलिक अधिकारों के साथ राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्व संबंधी समस्त दस्तावेजी प्रावधानों को गरीबों की दशा के संदर्भ में उद्धरित किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्याय की विशुद्ध विधिक व्याख्या को 'सामाजिक न्याय' की तरफ केंद्रित करने की मंशा का भान उसके द्वारा बंधुआ मजदूरी, बाल श्रमिक, असंगठित श्रमिक, परिव्रजन करने वाले श्रमिक, शरणार्थी, वेश्या इत्यादि के संदर्भ में दिए गए निर्णयों से होता है।

नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रम में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के अनुसार भारत की सेवा का तात्पर्य करोड़ों पीड़ित व्यक्तियों की सेवा से है। नीतियां ऐसी हों जो गरीबी, अज्ञानता, बीमारी एवं अवसरों की असमानता को खत्म करने वाली हों, जिनसे हर व्यक्ति की आंख का आंसू पोछा जा सके। 'गरीबी हटाओं' और 'गरीबी उन्मूलन' जैसे नारों के अन्तर्गत विभिन्न पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गईं और राष्ट्रीय रोजगार कार्यक्रम, मनरेगा, अंत्योदय, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, बाल्मीकि आंबेडकर योजना, स्वर्ण जयंती ग्राम स्व-रोजगार योजना जैसी तमाम योजनाओं को सरकार के द्वारा संचालित किया गया है।

गरीबी उन्मूलन के लिए सबसे जरूरी है कि इसके सकारात्मक प्रयासों को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाना चाहिए। मसलन, सबसे पहले बच्चों के लिए शिक्षा एवं उद्यमिता प्रशिक्षण का कार्यक्रम चलाना चाहिए। माता-पिता को योग्यतानुसार विभिन्न लघु उद्योगों में प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वाबलंबी बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। जन्म एवं मृत्यु का अनिवार्य पंजीकरण करवा कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा की गारंटी प्रदान करनी चाहिए। इसके अलावा अन्य ऐसे सभी उपाय जो विकल्प के रूप में अब तक सुझाए गए हैं, उनका छोटे-छोटे समूहों पर प्रयोग करना चाहिए और प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर उनका आगे क्रियान्वयन करना चाहिए। सबसे महत्त्वपूर्ण एवं कारगर कदम के रूप में कुपोषण निवारण योजनाओं को लागू किए जाने की जरूरत है। यदि पूरा देश एकजुट होकर गरीबी उन्मूलन के लिए उसी प्रकार से आंदोलित हो जाए, जैसा कि स्वाधीनता संग्राम के दौरान हुआ था तो वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश से अमेरिका तक पूरा विश्व यह भूल जाएगा कि गरीबी रेखा नाम की भी कोई चीज होती है।

गरीबी को परिभाषित और पुनर्परिभाषित करने का जो प्रायोजित सरकारी दायित्व निभाया जाता है वह इसलिए क्योंकि सरकार की वास्तविक ढांचागत स्थिति में परिवर्तन संभव नहीं है। गरीबी एक जटिल और दुरूह संकल्पना है। यदि दार्शनिक दृष्टिकोण से गरीबी की संकल्पना को समझ कर उसका आकलन किया जाए तो यह बात बखूबी स्पष्ट हो जाती है कि केवल आर्थिक दृष्टिकोण से गरीबी की व्याख्या नहीं की जा सकती, बल्कि उसका विस्तार बहुपक्षीय एवं बहुआयामी है। आज यह कहना कहीं से गलत नहीं है कि यदि हम शिक्षित नहीं है तो भी गरीब हैं, यदि दीक्षित नहीं है तो भी गरीब हैं। यदि नैतिक मूल्यों के अनुगामी नहीं है तो भी गरीब हैं और यदि मजहबी, जातिवादी और संकुचित मानसिकता के पोषक रूढ़िवादी हैं तो भी गरीब हैं। अतः आवश्यकता है आत्मावलोकन की और जब हम सभी अपना आत्मावलोकन करेंगे, तभी गरीबी के बदनुमा दाग को मिटा पाने में कामयाब हो पाएंगे। चुनौती इस बात की है कि विकल्प तलाशा जाए। अन्यथा गरीबों की गरीबी एक ऐसे चक्रवाती तूफान की तरह आएगी जिसमें सब कुछ खत्म हो जाएगा। आवश्यकता इस बात की है कि समय रहते ही हम चेत जाएं और सोच समझ कर नीतियों का निर्धारण करें।

सिनेमा के सहारे

एकता कानूनगो बक्षी

दुनिया मेरे आगे

'साहित्य और सिनेमा हमारे समाज का दर्पण है'। यह वाक्य हमें स्कूली दौर में लिखे निबंध की याद दिला देता है। हालांकि उस दौर में हम सिनेमा की बारीकियों से अनभिज्ञ होते हैं। सिनेमा का इतिहास, फिल्म बनने की प्रक्रिया, यहां तक कि नायक-नायिका की अभिनय कला और उनके संघर्षों को भी हम नहीं समझ पाते थे। फिर भी निर्धारित शब्दों की सीमा में हमारा निबंध तैयार हो जाता था जो परीक्षा में हमारे अंक सुनिश्चित कर देता है। जिस विषय को शिक्षा प्रणाली में इतना महत्त्व दिया जाता है और उस पर निबंध लिखवाया जाता है, उसका जीवन में कितना व्यावहारिक उपयोग रहता है!

मुझे लगता है कि उसके लिए उस वक्त विद्यार्थियों द्वारा अपेक्षित शोध और मेहनत नहीं की जाती। एकमात्र उद्देश्य परीक्षा में अंक अर्जित करना ही रहता है। वाकई सिनेमा और उसका इतिहास क्या है, वह कैसे बनता है, कैसे कोई इंसान अपने मूल रूप से हट कर एकदम अलग किरदार निभाता है और उसके भीतर तक समाहित हो जाता है, कैसे कहानियां रची जाती हैं, कैसे किसी फिल्म के डायलॉग अमर हो जाते हैं! बिना यह सब जाने और कई तरह की फिल्में देखे बिना हम कैसे उस पर सटीक निबंध लिख सकते हैं।

मेरा मानना है कि फिल्में भी अब पाठ्यक्रम का एक जरूरी हिस्सा बनें। इसमें अलग-अलग समय और देश में बनी अच्छी फिल्में दिखाई जाएं। उस पर सामाजिक, आर्थिक के साथ राष्ट्रीय मुद्दों का विश्लेषण किया जाए। कई विद्यालयों में पहले और आज भी फिल्में दिखाई जाने की परंपरा रही है, पर अधिकतर उसका मकसद महज मनोरंजन ही रहा है। सामान्य विद्यालय आज भी स्तरीय सिनेमा की पहुंच से काफी दूर दिखाई देते हैं। हालांकि प्रबंधन की पढ़ाई में 'लगान' जैसी कुछ फिल्मों के संदर्भों का प्रयोग होता रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता।

फिल्मों और उनमें बताई-दिखाई बातों का गहरा असर इंसान के मन-मस्तिष्क में प्रत्यक्ष रूप से होता है। सिनेमा के पास पर्याप्त अवसर होते हैं, किसी भी बात को अभिव्यक्त करने के। सिनेमा के जरिए हम अपने जैसे ही किरदारों को बोलते-सुनते अलग-अलग परिस्थितियों से उलझते-संभलते देख सकते हैं। हम समाज में उपस्थित अलग-अलग चरित्र के लोगों का अध्ययन कर सकते हैं। हम भिन्न-भिन्न क्षेत्र की संस्कृति, विचारधारा और वहां के लोगों के रोजमर्रा के जीवन और संघर्षों को देख सकते हैं। समाज में प्रचलित विभिन्न भाषाओं और भोजन के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकते हैं। अलग-अलग देशकाल की खूबसूरती और तत्कालीन कुरीतियों को समझकर संवेदशील और बेहतर इंसान बन सकते हैं। इसके अलावा, स्वस्थ मनोरंजन जीवन को प्रफुल्लता से तो भर ही देता है।

हमारे जीवन के कुछ दौर काफी संघर्षपूर्ण होते हैं। जरूरी नहीं कि हमारे साथ हमेशा कोई ऐसा साथी मौजूद हो जो हमारा उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन करता रहे। ऐसे में किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं, लेकिन फिल्में भी हमारे अकेलेपन को काफी हद तक कम कर देती हैं। खासकर नई टेक्नोलॉजी के इस दौर में हम अपने कंप्यूटर और टीवी पर भी घर बैठे मनचाही फिल्में देख सकते हैं। अपने बहुमूल्य समय को लंबे समय तक सिर्फ बेकार के कामों में व्यर्थ गंवाने से आगे चल कर अवसाद की स्थिति पैदा हो सकती है।

ऐसे कई उदाहरण हमारे समाज में मौजूद हैं, जहां फिल्में देख कर और अपने मनपसंद कलाकारों से प्रेरित होकर लोगों का जीवन बदला है। मैं अपनी एक दादी को जानती हूं जो दादा के देहांत के बाद काफी निष्क्रिय हो गई थीं। उनके परिवार के जागरूक सदस्यों ने थोड़ा अध्ययन करके कुछ फिल्मों की सूची बनाई और रोज उन्हें दोपहर में एक फिल्म दिखाई गई। ऐसे में दादी की बोरियत तो दूर हुई ही, उनके अंदर उन फिल्मों से प्रेरित होकर एक बार फिर स्फूर्ति आ गई और उन्होंने आगे के जीवन को पूरी तरह से स्वीकार कर फिर से जीवन की दौड़ लगाते ही अपनी नई सफल पारी की शुरुआत की। विद्यार्थियों और युवाओं के लिए भी अच्छा सिनेमा बहुत जरूरी है, ताकि वे असल जीवन के संघर्ष और हकीकत से समय रहते रूबरू हो सकें और कम उम्र में आत्महत्या की प्रवृत्ति या अन्य मनोरोगों से दूर रह स्वस्थ और प्रयत्नशील बने रह सकें। ऐसी कई फिल्में हैं जो गिर कर उठना और संघर्ष करते रहना सिखाती हैं और साहसी भी बनाती हैं। कुछ फिल्में सबके साथ बैठ कर देखना चाहिए, जिसमें पूरा परिवार साथ-साथ हंस पाए और परिवार में प्रफुल्लता का झरना प्रवाहित होता रहे।

यह भी जरूरी है कि थोड़ा शोध करके अच्छी और सार्थक फिल्में देखी जाएं। एक अच्छी फिल्म हमको बस कुछ घंटे का मनोरंजन ही नहीं देती, वह कई शक्लों में हमारे साथ जीवन भर रहती हैं। हमारी सोच, हमारे हौसले, शब्दों को नई उड़ान देती हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि कुछ नायाब फिल्में देख सकें, जो हमें नया नजरिया और सही दिशा दे... एक सच्चे हितचिंतक की तरह जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भर दे।

आतंकवाद का दंश

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मलेन में भारत के प्रधानमंत्री ने चीन और रूस के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय बातचीत में साफ कह दिया है कि पाकिस्तान पहले आतंकवाद बंद करे तभी भारत उससे बात करेगा। भारत हमेशा से एक शांतिप्रिय देश रहा है और उसने कभी किसी भी मुल्क के खिलाफ हिंसक या युद्ध जैसा कदम नहीं उठाया। लेकिन आज़ादी के बाद से ही आतंकवाद का दंश भारत झेलता आया है। आजादी के बाद से ही पाकिस्तान से कश्मीर मे घुसपैठ शुरू हो गई थी। पाकिस्तान ने कबाइलियों द्वारा हिंसा करवा कर कश्मीर को भारत से छीनने की कोशिश की थी। मुंबई का आतंकी हमला आज भी देश के लोगो को दिल दहला देता है। पुलवामा में आतंकवादी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान की रिश्तों में और खटास आ गई। आतंकवाद केवल भारत का मुद्दा नहीं हैं बल्कि यह एक वैश्विक समस्या है क्योंकि अमेरिका, यूरोप, फ्रांस जैसे कई बड़े देश आतंकवाद का दंश झेल रहे हैं, इसलिए दुनिया के देशों ने अपने आपसी गिले-शिकवे मिटा कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़नी चाहिए।

● *निशांत महेश त्रिपाठी, नागपुर*

भारत का दबदबा

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में चीन, रूस के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा और प्रभावशाली देश है। एससीओ इस समय दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है। भारतीय हितों की जो चुनौतियां हैं, चाहे वह आतंकवाद हो, या फिर ऊर्जा की आपूर्ति या प्रवासियों का मुद्दा हो, ये सभी मुद्दे भारत और एससीओ दोनों के लिए अहम हैं और इन चुनौतियों के समाधान की कोशिशें भी हो रही हैं। ऐसे में भारत के जुड़ने से एससीओ और भारत दोनों को ही लाभ हुआ है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता हमारे दर्शन में निहित है, जो पृथ्वी को माता के रूप में मानता है। आज, भारत अक्षय ऊर्जा का छठा और सौर ऊर्जा का पांचवां बड़ा उत्पादक है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत की संयुक्त पहल है। भारत ने एससीओ की सभी गतिविधियों में सकारात्मक योगदान दिया है। महत्त्वपूर्ण योजनाओं जैसे चाबहार पोर्ट, इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर आदि इसके उदाहरण हैं। भारत ने 2017 में काबुल और कंधार तथा नई दिल्ली और मुंबई के बीच एयर फ्रेट कॉरिडोर का भी संचालन किया है जो एससीओ में भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

● *नितिन त्यागी, मेरठ*

बेलगाम अपराधी

उत्तर प्रदेश में इन दिनों अपराधी बेलगाम हैं। पूरे देश में इस प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे गंभीर है। कुछ महीने पहले हुई बुलंदशहर हिंसा का मामला हो, या हाल में हुई ट्विंक्ल शर्मा की हत्या। ऐसे ना जाने कई गंभीर मामले हैं जिनका शोर उत्तर प्रदेश के शहरों में सुनाई देता है। यह चिंता का विषय है कि एक समय में देश को प्रधानमंत्री देने वाला प्रदेश अपराधियों का गढ़ बन हुआ है। नेताओं का बाहुबल, पुलिस की दबंगई और अधिकारियों की निरंकुशता और संवेदनहीनता नागरिकों का जीवन नरक बना रही है। ऐसे अपराध देश में युवाओं को अपने लक्ष्य से भटका रहे हैं और उनकी जिंदगी अंधेरे में धकेल रहे हैं।

● *रोशन कुमार, जमशेदपुर*

पर्यटक और प्रदूषण

भारतीय उपमहाद्वीप इन दिनों तप रहा है। चिलचलाती गर्मी से बचने के लिए लोग हिमालय की ओर निकल पड़े है। ये वादियां और घाटियां जम्मू एवं कश्मीर, कुल्लू- मनाली, बद्रीनाथ-केदारनाथ, नेपाल हिमालय, सिक्किम हिमालय, भूटान हिमालय या अरुणाचल प्रदेश का हिमालयी क्षेत्र हो सकता है। लेकिनइन दिनों एक सबसे बड़ी समस्या जो पर्यटकों को परेशान कर रहीहै वह प्रदूषण की है। पर्यटकों को ढोने वाले वाहन काला धुंआ फैला रहे हैं। पहाड़ों पर ऑक्सीजन की कमी वैसे ही होती है। ऐसे में प्रदूषण और ज्यादा समस्या बढ़ा देता है। यह क्षेत्र पूरी तरह से वनस्पति विहीन है। एसे में यह वायु प्रदूषण ज्यादा जानलेवा साबित हो रहा है। इसके अलावा पर्यटकों द्वारा फैलाई जाने वाली गंदगी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकार और प्रशासन को इस समस्या पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

● *राजेश कुमार महतो, आसनसोल*

बढ़ती आबादी और समस्याएं

भारत में जनसंख्या वृद्धि बहुत ही भयावह स्थिति पर पहुंच चुकी है। अगर यही स्थिति रही तो वह दिन दूर नहीं जब हम बुनियादी जरूरतों के लिए भी तरसने लगेंगे। यह सही बात है कि सरकार पूरी ईमानदारी से एक सौ तीस करोड़ देशवासियों के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, लेकिन जब तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं बनाया जाएगा तब तक ये योजनाएं उतनी प्रभावी नहीं होगी। आज हमारे देश में पानी की कितनी भारी किल्लत है। सरकारें और जागरूक संगठन पानी बचाने के लिए तमाम जन जागरण अभियान चलाते हैं, लेकिन बड़ी आबादी की पूर्ति के लिए जल का दोहन तो होता रहेगा। वह दिन दूर नहीं जब लोग पानी के लिए तरसने लेंगे। ऐसी समस्याओं से निपटने का तरीका जनसंख्या नियंत्रण ही है।

बढ़ती हुई जनसंख्या का दबाव ही है जिसकी वजह से पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। सक्षम लोग अपनी जरूरत के लिए एयर कंडीशनर खरीदते हैं और उससे जो बाहर गरम हवा निकलती है उससे तापमान में लगातार वृद्धि होती है देश में जनसंख्या वृद्धि के दबाव के कारण ही हर साल लाखों वाहन लोग खरीदते हैं। जब वाहन सड़कों पर चलते हैं तो उनमें से निकलने वाली कार्बन मोनो-ऑक्साइड के कारण तापमान में लगातार वृद्धि रहती है और अगर यह जनसंख्या वृद्धि नहीं रुकी तो ये सब उपरोक्त चीजें लगातार चलती रहेंगी और हमारे लिए आगे और ज्यादा मात्रा में परेशानी का कारण बनती जाएंगी।

● *महेश लोधी, सासनी गेट अलीगढ़*

चौपाल

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

दुनिया का सबसे शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर पहुंचा भारत

इससे देश में कृत्रिम मेधा प्रशिक्षण गतिविधियों को बल मिलने की उम्मीद

जयपुर, 16 जून (भाषा)।

कृत्रिम मेधा में दुनिया का सबसे तेज या शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर डीजीएक्स-2 भारत में भी आ गया है। इसे जोधपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) में लगाया गया है। इससे देश में कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) प्रशिक्षण गतिविधियों को बल मिलने की उम्मीद है।

आइआइटी जोधपुर में कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष डॉ. गौरव हरित ने कहा, 'यह दुनिया में अपनी तरह का सबसे तेज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एप्लीकेशंस के लिए सबसे शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर है, जो भारत में पहली बार आया है। इसे यहां एक विशेष प्रयोगशाला में लगाया गया है।'

डॉ. हरित ने कहा कि लगभग 2.50 करोड़ रुपए की लागत वाले इस कंप्यूटर की क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 16 विशेष जीपीयू कार्ड लगे हैं और प्रत्येक की क्षमता 32 जीबी की है। इसकी रैम 512 जीबी की है। उन्होंने कहा कि आम कंप्यूटर की क्षमता केवल 150 से 200 वाट होती है जबकि इस सुपर कंप्यूटर की क्षमता 10 किलोवाट की है।

इससे एआई के बड़े एप्लीकेशन के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। हर कंप्यूटर प्रोग्राम डेटा विश्लेषण पर आधारित होता है और यह विश्लेषण इस सुपर कंप्यूटर में बहुत तेजी से होगा। कंप्यूटर में लगे 32 जीबी क्षमता (प्रत्येक) के 16 जीपीयू कार्ड इसे क्षमता के लिहाज से विशिष्ट बना देते हैं और इसका प्रदर्शन बहुत बढ़ जाता है।

गौरतलब है कि देश में इस समय आइआइएससी बंगलुरु सहित कुछ संस्थानों में डीजीएक्स-1 सुपर कंप्यूटर है। डीजीएक्स-2 सुपर कंप्यूटर पहली बार देश में आया है और इसकी क्षमता पहले वाले वर्जन से लगभग दोगुनी है। मोटे तौर पर समझें तो डीजीएक्स-1 से जिस काम को करने में 15 दिन लगते हैं, उस काम को डीजीएक्स-2 सिर्फ डेढ़ दिन में कर देगा। लगभग डेढ़ क्विंटल वजनी इस कंप्यूटर की आंतरिक भंडारण क्षमता 30 टीबी की है।

आइआइटी जोधपुर व अमेरिकी सुपर कंप्यूटर कंपनी नविडिया के बीच एआई क्षेत्र में अनुसंधान के लिए दो साल का समझौता हुआ है। यह कंप्यूटर उसी करार के तहत यहां लाया गया है।

आगरा में ताजमहल के पास यमुना से गंदगी व कूड़ा हटाती जेसीबी मशीन।

सड़क, रेल परियोजनाओं, कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए खांडू ने केंद्र से मदद मांगी

ईटानगर, 16 जून (भाषा)।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में संचार कार्यक्रम में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया है जबकि राज्य के कृषि क्षेत्र में ढांचागत सुधार के लिए केंद्र से सहयोग मांगा है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि नीति आयोग में पांचवें शासकीय परिषद् की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में रेल, सड़क और हवाई परियोजनाओं की स्थिति पेश की। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। विज्ञप्ति में बताया गया कि उन्होंने वर्षा जल संचयन और जल प्रबंधन योजनाओं के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के विकास का रोडमैप रेखांकित किया।

खांडू ने 'महत्त्वाकांक्षी जिला कार्यक्रम' को लागू करने की चुनौतियों और उपलब्धियों से नीति आयोग को अवगत कराया। उन्होंने कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों, पर्यटन और जल विद्युत के क्षेत्र में राज्य की क्षमताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगर इनका व्यवस्थित तरीके से दोहन किया जाए तो राज्य नई ऊंचाईयों की तरफ जाएगा।

सियासी दलों को चंदा देने के लिए चुनावी बेला में खरीदे गए 76 फीसद बांड

सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रशेखर की दो अर्जियों के जरिए मिले आंकड़े

इंदौर, 16 जून (भाषा)।

सूचना के अधिकार (आरटीआइ) से खुलासा हुआ है कि सियासी दलों को चंदा देने के लिए एक मार्च 2018 से शुरू की गई योजना के 10 चरणों के दौरान कुल 5,851.41 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से करीब 76 फीसद बांड, इनकी बिक्री के आखिरी तीन चरणों में खरीदे गए, जब लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां चरम पर थीं।

मध्य प्रदेश के नीमच निवासी सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने भारतीय स्टेट बैंक से दो आरटीआइ अर्जियों के जरिए मिले आंकड़ों के हवाले से रविवार को यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी एक आरटीआइ अर्जी से पता चला कि गुमनाम चंदादाताओं ने सार्वजनिक क्षेत्र के इस सबसे बड़े बैंक की विभिन्न अधिकृत शाखाओं के जरिए एक मार्च 2018 से 24 जनवरी 2019 के बीच शुरुआती सात चरणों में कुल 1,407.09 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे।

गौड़ ने जब आठवें, नौवें और दसवें चरणों में चुनावी बांड की बिक्री को लेकर

> ● गुमनाम चंदादाताओं ने एक मार्च 2018 से 24 जनवरी 2019 के बीच शुरुआती सात चरणों में कुल 1,407.09 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे ● आखिरी के इन तीनों चरणों में कुल 4,444.32 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए

एसबीआइ के सामने एक और आरटीआइ अर्जी दायर की, तो इसके जवाब में सूचना दी गई कि आखिरी के इन तीनों चरणों में कुल 4,444.32 करोड़ रुपए के चुनावी बांड खरीदे गए।

गौरतलब है कि सरकार ने देश भर में एसबीआइ की विभिन्न अधिकृत शाखाओं के जरिए अलग-अलग अवधि के कुल 10 चरणों में एक मार्च 2018 से 10 मई 2019 तक चुनावी बांड बेचने का कार्यक्रम तय किया था। ये बांड हजार रुपए, दस हजार रुपए, लाख रुपए, दस लाख रुपए और करोड़ रुपए के मूल्य वर्गों में बिक्री के लिए जारी किए गए थे।

निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनावों की 10 मार्च को घोषणा किए जाते ही देश भर में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। इन चुनावों का सात चरणों का मतदान 11 अप्रैल से शुरू होकर 19 मई को खत्म हुआ, जबकि वोटों की गिनती 23 मई को की गई थी। केंद्र सरकार ने चुनावी बांड बिक्री के दसवें चरण के लिए हालांकि पूर्व में छह मई से 15 मई 2019 की अवधि की घोषणा की थी। लेकिन बाद में इस मियाद में पांच दिन की कटौती कर इसे छह मई से 10 मई 2019 कर दिया गया था।

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2018 में अधिसूचित चुनावी बांड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के अपने घोषणा पत्र में कहा था कि वह सत्ता में आने पर निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए चुनावी बांड योजना खत्म करेगी और इसके स्थान पर एक राष्ट्रीय चुनाव कोष स्थापित करेगी।

राजस्थान में बनेंगी नई पंचायतें, पुनर्गठन का काम शुरू

पुनर्गठन का आधार 2011 की आबादी होगी

जयपुर, 16 जून (भाषा)।

राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने राज्य में नई ग्राम पंचायतें बनाने का काम शुरू कर दिया है। इसके तहत मौजूदा ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन होगा तथा कुछ सौ नई पंचायतें अस्तित्व में आएंगी।

पंचायती राज विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंचायतों के पुनर्गठन के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला कलेक्टर अपने जिले में नई पंचायतों के गठन के प्रस्ताव तैयार करवाकर दो सितंबर तक विभाग को भेजेंगे। इसकी प्रक्रिया इसी शनिवार से शुरू की गई है। इसके तहत पहले जिला कलेक्टर प्रस्ताव तैयार करेंगे, उन पर आम जनता से आपत्ति मांगी जाएगी। यदि कोई आपत्ति आती है तो उस पर सुनवाई होगी और फिर प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इस पुनर्गठन का आधार 2011 की आबादी होगी और 4000 से 6500 की आबादी पर एक पंचायत बनेगी। वहीं किसी एक पंचायत समिति में पंचायतों की संख्या 25 ही रहेगी। गौरतलब है कि पिछली भाजपा सरकार ने सत्ता में आने पर 2014 में पंचायत समितियों का पुनर्गठन करवाया था। तब 2011 की जनगणना के आधार पर ही 5000 से 7500 की आबादी पर एक ग्राम पंचायत बनाई गई थी। इस समय राज्य में कुल 33 जिला परिषद, 295 पंचायत समितियां और 9891 ग्राम पंचायतें हैं।

विभाग में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी बीडी कृपलानी के अनुसार जिला कलेक्टरों से प्रस्ताव मिलने के बाद राज्य सरकार फैसला करेगी कि कितनी नयी ग्राम पंचायतें बननी चाहिए। पंचायती राज विभाग अंतिम अधिसूचना जारी करेगा। वहीं जानकारों के अनुसार पुनर्गठन से राज्य में पंचायतों की संख्या में कुछ सौ की बढ़ोतरी हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार एक ग्राम पंचायत में ज्यादा से ज्यादा आठ किलोमीटर की परिधि में आने वाले गांवों को ही शामिल किया जाएगा। राज्य में ग्राम पंचायतों के चुनाव अगले साल फरवरी माह में होने हैं। राज्य सरकार नगरपालिका सहित अन्य स्थानीय निकायों के पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू कर चुकी है। इनके चुनाव इसी साल दिसंबर में होने हैं।

पटना में अंग्रजों के जमाने की बनी गोल मार्केट से जर्जर इमारतों को ढहाने के बाद मलबे से गुजरते सुरक्षाकर्मी।

2006 में युद्ध जैसी स्थिति के दौरान करीब 2300 लोगों को सुरक्षित वापस लाया भारत

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

भारत ने वर्ष 2006 में पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति के दौरान नेपाल और श्रीलंका के कुछ नागरिकों सहित करीब 2,300 लोगों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया था। दरअसल, ये लोग इजराइल-लेबनान संघर्ष में फंस गए थे। एक नई पुस्तक में यह दावा किया गया है।

पूर्व कैबिनेट सचिव बीके चतुर्वेदी ने अपनी पुस्तक 'चैलेंजेज ऑफ गवर्नेंस : एन इनसाइडर्स व्यू' में शासन, गठबंधन राजनीति और आपात स्थिति से निपटने के मुद्दों तथा 13 साल पहले युद्ध प्रभावित स्थानों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाए जाने जैसे मुद्दों पर अपने अनुभव को साझा किया है।

उन्होंने बताया कि लेबनान-इजराइल के युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को सहयोग मुहैया करने का यह एक बचाव अभियान था। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि उस वक्त लेबनान में 1200 भारतीय मौजूद थे। चतुर्वेदी उस वक्त इन घटनाक्रमों की नई दिल्ली से निगरानी कर रहे थे। उन्होंने पुस्तक में कहा है कि वहां सड़क मार्ग पर काफी खतरा था, इसलिए सरकार ने इन लोगों को साइप्रस में एक बंदरगाह तक लाने के लिए समुद्री मार्ग को चुना, जहां से उन्हें एअर इंडिया के विमान से दिल्ली लाया गया।

गौरतलब है कि इजराइल ने उस वक्त लेबनान के मोर्चों पर बमबारी शुरू कर दी थी। चतुर्वेदी ने अपनी पुस्तक में कहा है कि 18 जुलाई 2006 को विदेश सचिव और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के साथ हालात पर चर्चा के दौरान उन लोगों को यह जानकारी दी गई थी कि भूमध्य सागर में कई भारतीय जहाज तैनात हैं और वे लौट रहे हैं तथा उनका इस्तेमाल लेबनान से भारतीय नागरिकों को निकालने में किया जा सकता है।

उन्होंने उल्लेख किया है, 'हमारे जहाज मानवीय सहायता अभियान में शामिल होने जा रहे थे और हम इस बात को लेकर चिंतित थे कि वे इजराइल और लेबनान के बीच, दोनों ओर से होने वाली झड़प में फंस सकते हैं। इसके लिए साइप्रस के अधिकारियों के साथ समन्वय की जरूरत थी। साइप्रस में हमारे उच्चायुक्त और लेबनान में हमारे राजदूत की स्थानीय अधिकारियों तथा इजराइल सरकार के साथ करीबी संपर्क रखने की जरूरत थी।'

उन्होंने पुस्तक में लिखा है, '...इसलिए हमें तालमेल बनाने की जरूरत थी ताकि हिजबुल्ला और इजराइल को वहां से नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया के दौरान (बमबारी से) अस्थायी रूप से रोका जा सके।' चतुर्वेदी ने बताया कि इस बारे में तत्कालीन प्रधानमंत्री को भी जानकारी दी गई थी।

उन्होंने इस बात का जिक्र किया है कि उस वक्त एअर इंडिया साइप्रस से संचालित नहीं होता था। इसलिए एअर इंडिया के कई विमानों को पार्किंग स्थल मुहैया करने के लिए विशेष इजाजत मांगी गई थी। साथ ही, उस वक्त साइप्रस में नियुक्त भारतीय राजदूत नीलम सभरवाल भी स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क में थीं ताकि एअर इंडिया के चालक दल के लिए शीघ्र वीजा जारी हो सके।

उन्होंने पुस्तक में कहा है, 'हमारी तैयारियां रंग लाई और लोगों को वहां से निकालने की प्रक्रिया सुगमता से पूरी हुई। इसकी प्रवासी भारतीयों और पड़ोसी देश- नेपाल एवं श्रीलंका ने भी सराहना की, जिनके नागरिक भी एअर इंडिया की उड़ानों से वापस लाए गए थे। करीब 2300 लोगों को वापस लाया गया था। यह इस बात का संकेत देता है कि आपात स्थिति में हमारी प्रणाली कितनी प्रभावी है।'

तेलंगाना में कांग्रेस विधायक राजगोपाल रेड्डी ने दिए भाजपा में जाने के संकेत

हैदराबाद, 16 जून (भाषा)।

तेलंगाना में 12 विधायकों के सत्तारूढ़ टीआरएस में शामिल होने से संकट का सामना कर रही कांग्रेस को एक और झटका लग सकता है। पार्टी के एक अन्य विधायक ने भाजपा में जाने के संकेत दिए हैं।

नलगोंडा के पास मुनुगोडे से कांग्रेस विधायक के राजगोपाल रेड्डी ने पार्टी संबंधी मामलों को लेकर मायूसी जताई और आरोप लगाया कि पार्टी टीआरएस का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने में सक्षम नहीं है।उन्होंने एजंसी से कहा, कांग्रेस सिर्फ तेलंगाना में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में मुश्किल में है। देश भाजपा के तहत विकास करेगा। उन्होंने कहा, युवा भाजपा के साथ हैं। पार्टी केसीआर (मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव) का मुकाबला करने के लिए एक विकल्प है। रेड्डी ने कहा कि देश के हित को दिमाग में रखना चाहिए।

मिसाल बना पिछड़े इलाके का प्राथमिक विद्यालय

स्कूल को आदर्श पाठशाला बनाने का श्रेय यहां के प्रधानाध्यापक देवव्रत त्रिपाठी को जाता है

लखनऊ 16 जून (भाषा)।

देश में सरकारी बेसिक स्कूलों की स्थिति को लेकर व्याप्त चिंता के बीच उत्तर प्रदेश के फतेहपुर स्थित एक गांव की प्राथमिक पाठशाला एक मिसाल पेश कर रही है।

फतेहपुर जिले के बेहद पिछड़े गांव अर्जुनपुर गढ़ा में स्थित इस स्कूल में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बड़ा डाइनिंग हॉल, बड़ा बगीचा, स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने वाला माहौल और ऐसी कई चीजें हैं, जो देश के बाकी प्राथमिक स्कूलों के लिए स्वप्न सरीखी हैं। इस स्कूल को आदर्श पाठशाला बनाने का ज्यादातर श्रेय यहां के प्रधानाध्यापक देवव्रत त्रिपाठी को जाता है।

जहां एक तरफ लोग स्कूल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए सरकार से आस लगाते हैं, वहीं त्रिपाठी ने इसे व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझते हुए पाठशाला को तमाम ऐसी सुविधाओं से लैस किया, जिनसे कोई स्कूल आदर्श विद्यालय में तब्दील हो सकता है।

प्रधानाध्यापक के तौर पर सेवारत त्रिपाठी ने बताया कि 10 सितंबर 1982 को प्राथमिक विद्यालय, अर्जुनपुर गढ़ा में बतौर सहायक अध्यापक उनकी नियुक्ति हुई। तब इसका भवन जर्जर था और उसमें भी ग्रामीणों का अवैध कब्जा था। उन्होंने अधिकारियों के मार्फत प्रयास किए, जिससे स्कूल की चहारदीवारी का निर्माण हुआ और कब्जा खत्म हो सका। अन्य सरकारी स्कूलों की तरह इस प्राथमिक पाठशाला में भी विद्यार्थियों की तादाद बढ़ाना कोई कम बड़ी चुनौती नहीं थी।

त्रिपाठी के मुताबिक, इसके लिए शिक्षा व्यवस्था को मनोवैज्ञानिक तरीके से ऐसा रूप दिया गया कि बच्चों को पढ़ाई बोझ न लगे। परिसर को कौतूहलपूर्ण बनाने के लिए फुलवारी तैयार की गई, जिसमें फलदार वृक्ष लगाए गए। इसकी देखभाल वह खुद करते

> फतेहपुर जिले के बेहद पिछड़े गांव में स्थित इस स्कूल में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के साथ कई ऐसी कई चीजें हैं, जो देश के बाकी प्राथमिक स्कूलों के लिए स्वप्न सरीखी हैं

हैं। बच्चों को बागवानी से जोड़ने के मकसद से इस बगीचे में कई चीजें उगाई जाती हैं।

अर्जुनपुर गढ़ा के प्रधान धर्मराज यादव के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में गांव के इस प्राथमिक विद्यालय की तस्वीर बदल गई है। विद्यालय को अवैध कब्जामुक्त कराने में त्रिपाठी का अहम योगदान है। पहले स्कूल में गिने-चुने छात्र ही थे, अब यह तादाद बढ़ी है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हमारा प्रयास रहता है कि जनपद स्तर पर न्यूनतम एक मॉडल स्कूल आवश्यक रूप से स्थापित किया जाए, जिससे परिषदीय शिक्षा प्रणाली के प्रति आकर्षण बढ़े। प्रधानाध्यापक त्रिपाठी की स्कूल के प्रति व्यक्तिगत लगनशीलता सराहनीय है और यह स्कूल एक आदर्श पेश कर सका है।

विकास की दौड़ में बहुत पिछड़े बुंदेलखंड से सटे फतेहपुर के गांव अर्जुनपुर गढ़ा में स्थित इस प्राथमिक पाठशाला में बच्चों को दोपहर का भोजन कराने के लिए एक विशाल डाइनिंग हॉल बनवाया गया है, जिसमें करीब 200 बच्चे साथ बैठकर खाना खा सकते हैं।

विद्यालय में बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया जाता है। जो बच्चे घर से नहाकर नहीं आते हैं, उन्हें विद्यालय में स्नान करवाने के लिये साबुन, तौलिये, कंघा, तेल इत्यादि की व्यवस्था है।

त्रिपाठी ने बताया कि अक्-सर पानी की किल्-लत से जूझने वाले इस इलाके में पूर्व में स्-कूल के छात्रों और शिक्षकों को कुएं से खींचकर पानी लाना पड़ता था। उन्होंने विद्यालय में हैंडपंप लगवाया और सबमर्सिबल मोटर की व्यवस्था की।

छह कमरों वाले इस स्कूल की कक्षाओं और फर्श पर टाइल्स भी लगवाए गए हैं। कक्षा तीन, चार और पांच के विद्यार्थियों के बैठने के लिये फर्नीचर की व्यवस्था है, जो उन्होंने खुद ही की है। त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक के प्रति श्रद्धा भावना जगाए रखने के लिये स्कूल में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान की परंपरा डाली गई है। साथ ही पाठशाला परिसर में मां सरस्वती और इस क्षेत्र में साक्षरता की अलख जगाने वाले संत सोमानंद की प्रतिमा स्थापित की गई हैं।

अदालत ने नहीं मानी विशाल के खिलाफ 'चश्मदीदों' की गवाही

पठानकोट (पंजाब), 16 जून (भाषा)।

कठुआ मामला

कठुआ दुष्कर्म और हत्याकांड में बरी किए गए एकमात्र आरोपी को इस आधार पर छोड़ दिया गया था कि निचली अदालत ने अभियोजन पक्ष के तीन चश्मदीद गवाहों के बयानों को नहीं माना जिन्होंने दावा किया था कि मुख्य दोषी सांजी राम का बेटा विशाल जंगोत्रा अपराध के वक्त इलाके में था।

जिला और सत्र न्यायाधीश तेजविंदर सिंह ने विशाल की मकान मालकिन के इस बयान को माना कि वह उत्तर प्रदेश के मेरठ में था जहां वह कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है। गत 10 जून को दिए गए 432 पन्नों के फैसले के अनुसार अभियोजन पक्ष के वकील ने तीन चश्मदीदों के बयान पर भरोसा किया था जिन्होंने पिछले साल 13 और 14 जनवरी को विशाल को कठुआ में देखे जाने का दावा किया था। उन्होंने फोरेंसिक विशेषज्ञ की इस राय को भी माना कि विशाल के लिखाई के नमूनों का मिलान नहीं हुआ।

फैसले के अनुसार, 'अभियोजन पक्ष का दावा है कि कथित रिपोर्ट (हाथ की लिखाई) के अनुसार कथित हस्ताक्षर आम तौर पर लिखाई के मानक अक्षरों से मेल नहीं खाते।' विशाल ने अपने कॉलेज की उपस्थिति पंजिका में किए गए दस्तखत अदालत में पेश कर यह साबित करने का प्रयास किया था कि वह मेरठ में था और जम्मू कश्मीर में नहीं था जैसा कि अभियोजन पक्ष का दावा था।

अभियोजन ने अपराध के दिनों में विशाल के कठुआ में ही मौजूद होने के तथ्य को साबित करने के लिए मोबाइल कंपनियों के सबूत भी पेश किए। अभियोजन पक्ष के चश्मदीदों का विश्लेषण करते हुए अदालत ने कहा कि उसकी राय है कि ये गवाह पहचान को लेकर कोई गलती कर रहे हैं।

कठुआ में विशाल के नहीं होने के संबंध में टीवी पर एक खबर देखकर एक चश्मदीद अपराध शाखा के अधिकारियों के पास पहुंचा और उसने विशाल को परवेश के साथ देखने का दावा किया। परवेश को मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। कठुआ में एक नाबालिग लड़की के खिलाफ अपराध को अंजाम दिया गया था।

बंजारा समुदाय के चश्मदीदों ने अदालत में विशाल और परवेश की पहचान की लेकिन जज ने उनके बयान को नहीं माना और कहा कि इन लोगों ने समाचार चैनल या उसके स्टाफ के खिलाफ किसी अधिकारी के समक्ष कोई शिकायत कभी दाखिल नहीं की। उन्होंने कहा कि विशाल जंगोत्रा के बचाव पक्ष द्वारा रखे जा रहे दस्तावेजी सबूतों की तुलना में इन गवाहों के मौखिक साक्ष्यों को तरजीह नहीं दी जा सकती। अदालत ने सात आरोपियों में से केवल विशाल को बरी किया था।

इस मामले में तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है जिनमें विशाल का पिता सांजी राम, परवेश कुमार और दीपक खजुरिया हैं। तीन पुलिसकर्मियों को साक्ष्य नष्ट करने के मामले में पांच साल कैद की सजा सुनाई गई है। दोषी ठहराए गए परवेश कुमार ने अपने इकबालिया बयान में कहा था कि अपराध के समय विशाल उसके साथ था। अपराध शाखा कहती आ रही है कि विशाल 13 जनवरी को अपने गांव आया था और 14 जनवरी को लौट गया था। अदालत ने विशाल की मकान मालकिन सुमन शर्मा के बयान को संज्ञान में लिया जिन्होंने कहा था कि वह पूरे समय मेरठ में था जहां वह पढ़ाई कर रहा है।

राजस्थान की सुमन राव के सिर सजा मिस इंडिया वर्ल्ड 2019 का ताज

मुंबई, 16 जून (भाषा)।

राजस्थान की सुमन राव ने मिस इंडिया वर्ल्ड 2019 का खिताब अपने नाम कर लिया है। वह सीए की छात्रा हैं।

विजेताओं की ताजपोशी का कार्यक्रम यहां सरदार वल्लभ भाई पटेल इंडोर स्टेडियम में शनिवार को आयोजित किया गया था। राव ने कहा कि वह यह खिताब जीत कर प्रसन्न व सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, 'मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा। मुझे लगता है कि मैं उस समाज के लिए उम्मीद की किरण बन गई हूं जहां से मैं आती हूं और अब मेरी जैसी लड़कियां अपने सपनों को पूरा करने में कभी भी डरेंगी नहीं। मेरा परिवार व दोस्त रोमांचित हैं और मैं उनके साथ इस खुशी को मनाने के लिए बेसब्र हूं।' छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव जो इंजीनियरिंग की छात्रा हैं उन्हें मिस ग्रांड इंडिया 2019 का खिताब दिया गया है, वहीं बिहार की श्रेया शंकर, जो मैनेजमेंट की छात्रा हैं उन्हें मिस इंडिया यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स 2019 के खिताब से नवाजा गया। तेलंगाना की संजना विज मिस इंडिया रनर अप 2019 रहीं। प्रख्यात डिजाइनर फाल्गुनी शेन पीकॉक, मिस वर्ल्ड 2018 वेनेसा पोनका डी लियोन, अभिनेत्री हुमा कुरैशी आदि के पैनल ने विजेताओं का चयन किया।

18 कंपनियों की 25 बैच दवाएं गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरीं

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

- ब्यूरो आफ फार्मा पीएसयू आफ इंडिया ने जांच में पाया इन 18 फार्मा कंपनियों में से 17 निजी क्षेत्र की है।
- इस सूची के अनुसार खराब गुणवत्ता की दवाओं की आपूर्ति के लिए सात कंपनियों को दो साल के लिए काली सूची में डाला है।

देश की 18 फार्मा कंपनियों की दवाओं के 25 बैच गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इन 18 फार्मा कंपनियों में से 17 निजी क्षेत्र की और एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है। एकमात्र सरकारी कंपनी इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लि. (आइडीपीएल) है।

ब्यूरो आफ फार्मा पीएसयू आफ इंडिया (बीपीपीआइ) ने अपनी जांच में पाया है कि जनवरी, 2018 से इन 18 फार्मा कंपनियों की 25 बैच की दवाएं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं थीं। बीपीपीआइ सरकार की सस्ती दवाओं की प्रमुख योजना पीएमबीजेपी का क्रियान्वयन करता है। बीपीपीआइ और आइडीपीएल दोनों केंद्र सरकार के औषध विभाग के तहत आती हैं। बीपीपीआइ द्वारा फार्मास्यूटिकल कंपनी से सस्ती जेनेरिक दवा खरीदी जाती है। उसके बाद इसकी आपूर्ति प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत आने वाले विभिन्न जन औषधि केंद्रों को की जाती है। 31 दिसंबर, 2018 तक देश में 4,677 जन औषधि केंद्र थे।

बीपीपीआइ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन सिंह ने कहा कि जिन आपूर्तिकर्ताओं के उत्पाद गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। सिंह ने ऐसी कंपनियों की सूची भी दी, जिनको गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करने वाले उत्पादों की आपूर्ति के लिए या तो प्रतिबंधित किया गया है या काली सूची में डाला गया है। इस सूची के अनुसार बीपीपीआइ ने खराब गुणवत्ता की दवाओं की आपूर्ति के लिए सात कंपनियों को दो साल के लिए काली सूची में डाला है।

हाथियों को मारकर खा रहे हैं बाघ

पेज 1 का बाकी

है, 'तीन प्रजातियों के बीच कुल 36 मामलों में 21 केवल हाथियों के मामले थे। बहरहाल, काफी आश्चर्यजनक पहलू यह था कि करीब 60 फीसद जंगली हाथियों के मौत के मामले (13 मामले) बाघों के हमले में सामने आए और वह भी खासकर कम उम्र के हाथियों पर बाघों ने हमले किए।'

रिपोर्ट के मुताबिक, हाथी और बाघ के बीच संघर्ष का पहला मामला 23 जनवरी 2014 का है। इसमें जिम कॉर्बेट में हाथी और बाघ के बीच संघर्ष के बाद हाथी की मौत हो गई थी। दूसरा मामला 3 अप्रैल को कालागढ़ प्रभाग में हुआ था। इसमें भी हाथी और बाघ के बीच संघर्ष के कारण हाथी की मौत हो गई थी।

अध्ययन के मुताबिक यहां तक कि जब हाथी आपसी लड़ाई में भी मारे जाते हैं तो बाघों को काफी मात्रा में भोजन मिल जाता है। हालांकि बाघों और हाथियों के संघर्ष के बारे में और विस्तार से अध्ययन की जरूरत बताई गई है।

'शूरा-ए-जिंदान' पर कसी नकेल

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पूरी तरह से बहाल की जेल नियमावली

श्रीनगर, 16 जून (भाषा)।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने 'शूरा-ए-जिंदान' (जेल के लिए सर्वोच्च परिषद) का भंडाफोड़ किया है और जेल नियमावली पूरी तरह से बहाल की है। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।

'शूरा-ए-जिंदान' शब्द का इस्तेमाल आतंकवादी जेल के अंदर अपने शासन के लिए करते हैं। लश्कर ए तैयबा के आतंकवादी नवीद जट के पिछले साल फरवरी में जेल से भागने के बाद दिलबाग सिंह के नेतृत्व के तहत जम्मू कश्मीर जेल विभाग ने श्रीनगर केंद्रीय कारागार से कट्टर आतंकवादियों को दूसरी जेलों में भेजने सहित जेलों को आतंकी गतिविधि मुक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए।

हाल ही में कारागार महानिदेशक पद से सेवामुक्त हुए सिंह ने कहा, 'जेलों का पूर्ण विश्लेषण किया गया और यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि जेलों के अंदर आतंकवादियों के नियंत्रण को खत्म किए जाने व कानून का शासन लागू किए जाने की जरूरत है।' हालांकि, उन्होंने इस सिलसिले में उठाए गए कदमों के बारे में और अधिक जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा, 'हमने सिर्फ यह सुनिश्चित किया कि दुर्दांत आतंकवादी और अलगाववादियों को उन लोगों से अलग रखा जाए जो पहली बार जेल पहुंचे हैं और जिनके सुधार की गुंजाइश है।' हालांकि, राज्य कारागार विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सिंह के प्रभार संभालने के बाद नियमित रूप से छापे मारे गए और तलाशी ली गई व कट्टर आतंकवादियों को जम्मू और उधमपुर स्थित अन्य जेलों में भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि रैनवाड़ी पुलिस थाना में दो मामले दर्ज किए गए, जिनमें एक मामला जेल के अंदर 'शूरा-ए-जिंदान' के संचालित होने का है। दरअसल, इसमें कैदियों को बैरक और अन्य सुविधाएं आबंटित करने पर फैसला किया जाता है। उन्होंने बताया कि शूरा-ए-जिंदान कैदियों के चरमपंथ के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर उन्हें सुविधाएं मुहैया कराता था, जिनमें उनकी पसंद का भोजन और अन्य सुविधाएं शामिल थे। उम्र कैद की सजा काट रहा आशिक हुसैन फकटू इस समूह का सुप्रीम कमांडर था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के बाद जेल परिसर के अंदर संचालित हो रही सभी निजी रसोइयों को अब बंद कर दिया गया है और सभी कैदी साझा लंगर में कतार में खड़े होते हैं जहां उन्हें भोजन परोसा जाता है।

श्रीनगर केंद्रीय कारागार इससे पहले चरमपंथ का प्रसार करने वाला एक केंद्र बन गया था ,जिसे सिंह के कार्यकाल के दौरान ध्वस्त कर दिया गया। दिसंबर 2017 में एक रिपोर्ट आई थी कि जेहाद पर उपदेश दिए जा रहे हैं। धर्म के मूलभूत सिद्धांतों की अनदेखी की जा रही और कट्टरपंथी पहलुओं पर जोर दिया जा रहा है। इस तरह के धार्मिक उपदेशों का कैदियों पर गहरा मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है और खासतौर पर युवाओं में आतंकवाद की ओर जाने की प्रवृत्ति बढ़ती है या फिर उन्हें आतंकवादियों के लिए काम करने वाले के तौर पर भर्ती किया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया था कि जेल, जिनके सुधार केंद्र के तौर पर काम करने की उम्मीद की जाती है, इसके बजाय कुछ खास चीजें दिमाग में डालने के लिए और आतंकियों की भर्ती के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं।

शाह 30 को कश्मीर के दौरे पर, सुरक्षा इंतजामों पर करेंगे बैठक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 16 जून।

गृहमंत्री अमित शाह आगामी 30 जून को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। गृहमंत्री बनने के बाद शाह का कश्मीर का यह पहला दौरा होगा। वह कश्मीर घाटी में सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन भी करेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक, अमित शाह 30 जून को श्रीनगर पहुंचेंगे और वहां सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में वह सीमा, नियंत्रण रेखा और आंतरिक सुरक्षा के इंतजामों की समीक्षा करेंगे। इसी दिन अमित शाह पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। एक जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत होगी।

'एक देश, एक चुनाव' पर 19 को सर्वदलीय चर्चा

पेज 1 का बाकी

के साथ शुरू होना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री जोशी के मुताबिक, सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी दलों के नेताओं से इस बात का आत्मनिरीक्षण करने का अनुरोध किया कि संसद सदस्य जन प्रतिनिधि के तौर पर लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम हों। 16वीं लोकसभा के अंतिम दो वर्ष बेकार चले जाने के विषय पर भी विचार करने का अनुरोध किया गया। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले उसके सुगम कामकाज के लिहाज से सर्वदलीय बैठक की परंपरा रही है। जोशी ने कहा कि संवाद से सभी सांसदों के बीच टीम भावना बनेगी।

अनंतनाग हमले में घायल पुलिस अधिकारी ने एम्स में दम तोड़ा

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में बुधवार को आतंकवादी हमले में घायल हुए पुलिस इंस्पेक्टर अरशद अहमद खान का यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में रविवार को निधन हो गया ।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खान की स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें रविवार सुबह दिल्ली लेकर आया गया था। इस आतंकवादी हमले में सीआरपीएफ के पांच पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। हमले में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी ने सीआरपीएफ के गश्ती दल को निशाना बनाया था। अनंतनाग के सदर पुलिस थाने के प्रभारी खान मुठभेड़ शुरू होते ही मौके पर पहुंचे थे।

मुजफ्फरपुर में मरने वाले बच्चों की संख्या 93 हुई

पेज 1 का बाकी

अनुग्रह राशि के रूप में चार-चार लाख रुपए देने का आदेश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ डॉक्टरों को भी बीमारी से निपटने के लिए हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए।

उधर, हालात का जायजा लेने मुजफ्फरपुर पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा, 'मैं इस क्षेत्र के लोगों, विशेष रूप से प्रभावित परिवारों को विश्वास दिलाता हूं कि समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए केंद्र राज्य सरकार को सभी संभव आर्थिक और तकनीकी सहयोग देगा। उन्होंने इस रोग के कारण इस इलाके में पिछले कई वर्षों से हो रही बच्चों की मौत के मद्देनजर मुजफ्फरपुर श्रीकृष्ण मेडिकल कालेज अस्पताल में बीमार बच्चों के लिए वर्तमान व्यवस्था को अपर्याप्त मानते हुए कहा कि यहां कम से कम सौ बिस्तरों वाला बच्चों का अलग से गहन चिकित्सा कक्ष बनना चाहिए। मंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को अगले साल तक युद्ध स्तर पर इसे तैयार कर लेने के लिए कहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस रोग के इलाज के लिए शिशु रोग विशेषज्ञों के अलावा न्यूरोलोजिस्ट का होना आवश्यक है। इस अस्पताल में निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का काम अगले छह महीने के भीतर पूरा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर स्थित भारतीय मौसम विभाग की वेधशाला को उन्नत किया जाएगा ताकि आर्द्रता और तापमान के बढ़ने के साथ इस रोग के संभावित संबंध की जानकारी लोगों को मिल सके।

बहरहाल, जिले के अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर बच्चे हाइपोग्लाइसेमिया से पीड़ित थे। हाइपोग्लाइसेमिया में रक्त शर्करा का स्तर बहुत कम हो जाता है और साथ इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन भी होता है। जान गंवाने वाले ज्यादातर बच्चों की उम्र दस साल से कम थी। एक जून के बाद से एसकेएमसीएच अस्पताल में 197 बच्चों को भर्ती किया गया और केजरीवाल अस्पताल में 91 बच्चों को ले जाया गया। इन बच्चों को एईएस होने का संदेह था लेकिन ज्यादातर को हाइपोग्लाइसेमिया से पीड़ित पाया गया। केंद्र की ओर से विशेषज्ञों के एक दल ने बुधवार को मुजफ्फरपुर का दौरा किया था।

अजेय भारत

पेज 1 का बाकी

भुवनेश्वर कुमार शुरू में ही चोटिल हो गए थे। ऐसे में विजय शंकर (22 रन देकर दो) और पंड्या (44 रन देकर दो) अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई लेकिन वह कुलदीप यादव (32 रन देकर दो) थे जिन्होंने भारत को वापसी दिलाई।

भारत ने विश्व कप 2019 में अपना अजेय अभियान जारी रखा। चार मैचों में तीसरी जीत से उसके सात अंक हो गए हैं। पाकिस्तान की पांच मैचों में तीसरी हार है। उसके तीन अंक हैं जिससे उसके लिए आगे की राह कांटों भरी हो गई है।

भुवनेश्वर को पारी के पांचवें ओवर में ही मांसपेशियों में खिचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। शंकर ओवर पूरा करने के लिए आए और पहली गेंद पर ही इमाम उल हक (सात) को पगबाधा आउट कर दिया। वे विश्व कप में अपनी पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल तीसरे गेंदबाज हैं। फखर और बाबर ने यहां से जिम्मेदारी संभाली। यह साझेदारी भारत के लिए खतरा बन रही थी और ऐसे में कुलदीप ने बाबर के बल्ले और पैड से गेंद निकालकर गिल्लियां गिरा दी। उन्होंने अगले ओवर में फखर को भी पवेलियन भेजकर भारतीय दर्शकों को मदमस्त कर दिया।

अब पंड्या की बारी थी जिन्होंने लगातार दो गेंदों पर विकेट निकालकर पाकिस्तानी मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। उन्होंने मोहम्मद हफीज (नौ) को डीप स्क्वायर पर कैच करवाया और अगली गेंद पर शोएब मलिक (शून्य) को बोल्ड किया जिन्होंने उठती गेंद विकेटों पर खेली। पाकिस्तानी कप्तान सरफराज अहमद (12) ने भी ड्राइव करने के प्रयास में शंकर की गेंद विकेटों पर खेली। बारिश के बाद खेल शुरू हुआ तो इमाद वसीम (नाबाद 46) और शादाब खान (नाबाद 20) हार का अंतर ही कम कर पाए।

अगले दो-तीन दिन में मानसून के आगे बढ़ने की उम्मीद

पेज 1 का बाकी

से लेकर गुजरात तक चक्रवात के कारण वर्षा हुई है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अभी दक्षिणी राज्यों के मंगलुरु, मैसूर, कडुलोर और पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट तक ही पहुंचा है। देश में मानसून पूर्व बारिश में अभी तक देश भर में कुल कमी 43 फीसद तक दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश में 67, ओड़ीशा में 32, छत्तीसगढ़ में 73, महाराष्ट्र में 68 और गोवा में 56 फीसद वर्षा की कमी दर्ज की गई है। इनके अलावा पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में 47, असम में 49, मेघालय में 46, मणिपुर में 69, झारखंड में 65 व बिहार में 46 फीसद बारिश की कमी दर्ज की गई है।

पश्चिम बंगाल में 51, उत्तर प्रदेश में 80, राजस्थान में 70, चंडीगढ़ में 50, उत्तराखंड में 54, हरियाणा में 61 और पंजाब में 75 फीसद कम बारिश हुई है। जम्मू कश्मीर में 81 फीसद की कमी दर्ज की गई है। तीन राज्यों- नगालैंड, त्रिपुरा व लक्षद्वीप में थोड़ी ठीक-ठाक बारिश हुई है। इन राज्यों में चार से लेकर 17 फीसद की कमी दर्ज की गई है।

विपक्ष ने उठाए कृषि, कश्मीर में चुनाव व बेरोजगारी के मुद्दे

पेज 1 का बाकी

के अधीर रंजन चौधरी, के सुरेश, नेशनल कांफ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला और तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन उपस्थित थे।

विपक्ष ने महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे को भी पुरजोर तरीके से उठाया। तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय और ओ ब्रायन ने कहा कि विधेयक को संसद के इसी सत्र में सूचीबद्ध किया जाए और पारित कराया जाए। विपक्ष ने संघवाद के कमजोर होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राज्यों पर जानबूझकर निशाना साधा जाना अस्वीकार्य है।

कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद ने बैठक के बाद कहा, 'हमने सरकार को बधाई दी, लेकिन इसके साथ हमने उन्हें यह भी बताया कि यह विचारधाराओं की लड़ाई है, थी और रहेगी।' आजाद ने कहा, 'सत्ता से बाहर रहते हुए भी हम किसानों, मजदूरों और महिलाओं के उत्थान के लिए काम करते रहेंगे। सरकार को किसानों के मुद्दों, सूखा, पेयजल की कमी और देश में बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हमने प्रेस की आजादी, पत्रकारों के प्रति सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं के व्यवहार के मुद्दे को भी उठाया। पत्रकारों की पिटाई की जा रही है और उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। हमने इसकी निंदा की और सरकार से इस पर ध्यान देने का अनुरोध किया।'

आजाद के अनुसार, जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन की कोई जरूरत नहीं है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन को तीन जुलाई से छह और महीने के लिए बढ़ाने को मंजूरी प्रदान की थी।

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव में सरकारी खर्च और मतपत्र समेत चुनाव सुधार के मुद्दे उठाए। तृणमूल ने सरकार द्वारा अध्यादेशों को लागू किए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि संविधान की भावना के अनुरूप आपात स्थिति में ही अध्यादेश का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। बंदोपाध्याय और ओ ब्रायन ने कहा, 'दुर्भाग्य से सोलहवीं लोकसभा में इसका अत्यधिक इस्तेमाल किया गया। 70 साल में सबसे ज्यादा अध्यादेश।'

दरअसल

सरकार राम मंदिर निर्माण के लिए अध्यादेश लाए : उद्धव

पेज 1 का बाकी

रामलला का दर्शन कर नई पारी की शुरुआत करेंगे।

ठाकरे ने कहा, 'हमारा तो यहां बार-बार आने का दिल करता है लेकिन कुछ लोग कहते हैं कि हम मतलब तथा काम निकालने के लिए यहां आते हैं। लोग कहते थे आप दोबारा अयोध्या आएंगे। इस बार मैं फिर अयोध्या आया हूं और यहां बार बार आने का दिल करता है।'

उद्धव के रामलला के दर्शन के समय कार्यकर्ता जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। अयोध्या में शिवसेना के सांसदों ने ढोल-नगाड़ों के बीच उद्धव ठाकरे का स्वागत किया। शिवसेना प्रमुख पत्नी व बेटे के साथ विशेष विमान से अयोध्या पहुंचे। हवाई पट्टी पर अयोध्या प्रशासन के साथ शिवसेना के नेताओं ने उनका स्वागत किया। ठाकरे ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में साहस है।

अगर सरकार फैसला करती है तो उसे कोई रोक नहीं पाएगा। केवल शिवसेना ही नहीं, पूरे विश्व का हिंदू इस फैसले के साथ होगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर हमारे लिये आस्था का मामला है, न कि राजनीति का।

ठाकरे ने कहा कि चाहे शिवसेना हो या भाजपा, हम हिन्दुत्व को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

ममता बनर्जी से बातचीत के लिए तैयार हड़ताली डॉक्टर

पेज 1 का बाकी

में नरमी लाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ बैठक की जगह तय करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन बैठक खुले में होनी चाहिए। ममता बनर्जी ने रविवार को हड़ताली डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल को बंद कमरे में बैठक के लिए आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री की इस पेशकश को लेकर जूनियर डॉक्टरों के संयुक्त मोर्चे ने अपने संचालन मंडल की बैठक बुलाई, जो ढाई घंटे चली। इस बैठक के बाद मोर्चा के प्रवक्ता ने मीडिया से कहा, 'हम लोग इस गतिरोध को दूर करने के इच्छुक हैं। हम मुख्यमंत्री के साथ उनकी पसंद की जगह पर बैठक के लिए तैयार हैं, लेकिन यह बंद कमरे में नहीं बल्कि मीडियाकर्मियों की मौजूदगी में खुले में होनी चाहिए।'

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों से प्रतिनिधि बैठक में शामिल हो सकें, इसके लिए बैठक स्थल पर पर्याप्त जगह होनी चाहिए।

डॉक्टरों ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हमें सचिवालय में बंद कमरे में बैठक करने के लिए बुलाया था, लेकिन पूरा पश्चिम बंगाल इस लड़ाई में हमारे साथ खड़ा है, ऐसे में हम एक कमरे के अंदर बैठ कर बातचीत नहीं कर सकते।' जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि ममता बनर्जी के लिए ये अहं की लड़ाई बन गई है, लेकिन हमारे लिए यह अस्तित्व की लड़ाई है। हम चाहते थे कि मुख्यमत्री हमले में घायल हुए डॉक्टर परिबाह मुखोपाध्याय से आकर मुलाकात करें, क्योंकि यह एक सुनियोजित हमला था। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने जोर दिया था कि मुख्यमंत्री एनआरएस मेडिकल कॉलेज व अस्पताल आएं और डॉक्टरों से बातचीत करें। डॉक्टरों ने कहा, 'आम जनता के हित में हम भी जल्द से जल्द ड्यूटी पर लौटना चाहते हैं बशर्ते पर्याप्त व तर्कपूर्ण चर्चा के माध्यम से हमारी सभी मांगों को पूरा किया जाए।' इससे पहले शनिवार देर रात को भी जूनियर डॉक्टरों के संयुक्त फोरम ने कहा था, 'हम हमेशा से बातचीत के लिए तैयार हैं। अगर मुख्यमंत्री एक हाथ बढ़ाएंगी तो हम अपने 10 हाथ बढ़ाएंगे। हम इस गतिरोध के खत्म होने की तत्परता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि कुछ डॉक्टर उनसे मिलने सचिवालय गए थे। ममता बनर्जी ने अपने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि डॉक्टरों की सभी मांगें मान ली जाएंगी, वे काम पर लौट जाएं।

सऊदी अरब के शहजादे ने खशोगी की हत्या को भुनाए जाने के खिलाफ किया आगाह

रियाद, 16 जून (एएफपी)।

सऊदी अरब के शाह के उत्तराधिकारी (वलीअहद) मोहम्मद बिन सलमान ने राजनीतिक लाभ के लिए पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले को भुनाए जाने के खिलाफ आगाह किया है। बिन सलमान की इस चेतावनी को तुर्की पर परोक्ष हमले के तौर पर देखा जा रहा है।पिछले साल अक्तूबर में तुर्की के इस्तांबुल में स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में खशोगी की निर्ममता से हत्या कर दी गई थी। इसके बाद मोहम्मद बिन सलमान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी और तुर्की तथा सऊदी अरब के रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो गया था।

तुर्की के अधिकारियों ने सबसे पहले हत्या की खबर दी और वे सऊदी अरब पर खशोगी के शव के बारे में जानकारी देने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। अब तक खशोगी के शव का पता नहीं चल सका है। एक अरबी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में मोहम्मद बिन सलमान ने कहा, 'जमाल खशोगी की हत्या बहुत ही पीड़ादायी अपराध है।' रविवार को प्रकाशित इस साक्षात्कार में तुर्की का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, 'राजनीतिक लाभ के लिए इसे भुनाने वाला चाहे कोई भी हो, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए और उसे सबूत (सऊदी अरब की) अदालत में पेश करने चाहिए ताकि न्याय में मदद मिल सके।'

- बिन सलमान की इस चेतावनी को तुर्की पर परोक्ष हमले के तौर पर देखा जा रहा है
- पिछले साल अक्तूबर में तुर्की के इस्तांबुल में स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में खशोगी की निर्ममता से हत्या कर दी गई थी

सलमान ने हालांकि यह भी कहा कि वह तुर्की सहित सभी इस्लामी देशों के साथ मजबूत रिश्ते चाहते हैं। खबरों के अनुसार, सीआइए ने कहा था कि खशोगी की हत्या मोहम्मद बिन सलमान के आदेश पर हुई। सऊदी अधिकारियों ने इस आरोप को सिरे से नकार दिया। अमेरिका निवासी खशोगी मोहम्मद बिन सलमान के धुर आलोचक थे।

नेतन्याहू की पत्नी सरकारी धन के दुरुपयोग में दोषी पाई गईं

यरुशलम, 16 जून (एएफपी)।

इजराइल की एक अदालत ने रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी को भोजन के लिए आबंटित सरकारी धन का गलत तरह से इस्तेमाल करने के मामले में दोषी ठहराया है। इस मामले में नेतन्याहू की पत्नी ने प्ली बार्गेन के तहत आरोप कम करने पर खुद अपने दोष को स्वीकार किया है।

सारा नेतन्याहू को एक अन्य शख्स की गलती को भुनाने का दोषी ठहराया गया है और जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है। यरुशलम मजिस्ट्रेट अदालत में जस्टिस एविटल चेन ने दोष कबूल करने के ऐवज में आरोप कम करने को मंजूरी प्रदान की।

सारा नेतन्याहू पर 10 हजार शेकेल (2800 डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है और राज्य के कोष में 45 हजार शेकेल की भरपाई करने का आदेश भी उन्हें दिया गया है। 60 साल की सारा की उनके पति के कार्यकाल के दौरान उनके कामकाज में बड़ी भूमिका रही है। जून 2018 में शुरू में उन पर सरकारी आवास पर रसोइया होने के बावजूद बाहर से खाना खरीदने के मामले में धोखाधड़ी और विश्वासघात का आरोप लगा था। ताजा समझौते में उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप हटा लिए गए।

प्रत्यर्पण विधेयक के खिलाफ हांगकांग में व्यापक विरोध प्रदर्शन

हांगकांग, 16 जून (एएफपी)।

मध्य हांगकांग में रविवार को हजारों लोगों ने विवादास्पद प्रत्यर्पण विधेयक के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन से शहर की संकटग्रस्त नेता पर दबाव और अधिक बढ़ेगा।

प्रदर्शनकारी इस दौरान 'बुरे कानून को वापस लेने' के नारे लगा रहे थे और हांगकांग की मुख्य प्रशासक कैरी लाम के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हालांकि लाम ने बेहद दबाव के बीच शनिवार को कहा कि चीन को प्रत्यर्पण की अनुमति देने वाला 'विभाजक' विधेयक निलंबित रहेगा। उन्होंने कहा कि वह आम लोगों की भावना को नहीं समझ सकीं।

विधेयक का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी काले कपड़े पहने हुए थे और वे संसद की ओर मार्च कर रहे थे। हांगकांग की सड़कों पर कई दिनों से प्रदर्शन हो रहे हैं।

आलोचकों को डर है कि बीजिंग समर्थित इस कानून से लोग चीन की अपारदर्शी और राजनीतिक रूप से प्रभावित अदालतों में फंसेंगे और इससे शहर की छवि को नुकसान होगा जो अब तक सुरक्षित व्यवसायिक केंद्र की रही है।

न्यूजीलैंड में 7.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकम्प

वेलिंगटन, 16 जून (एएफपी)।

न्यूजीलैंड के उत्तर-पूर्व में स्थित केरमाडेक द्वीप समूह के पास रविवार को 7.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकम्प आया। अधिकारियों ने कुछ देर के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। शुरुआत में भूकम्प की तीव्रता 7.4 आंकी गई, मगर अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बाद में इसकी तीव्रता 7.2 बताई।

टैंकरों पर हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार बताया

रियाद, 16 जून (एएफपी)।

सऊदी अरब के शाह के उत्तराधिकारी (वलीअहद) शहज़ादे मोहम्मद बिन सलमान ने तेल के दो टैंकरों पर हमले के लिए प्रतिद्वंद्वी ईरान पर आरोप लगाया है और कहा कि वह किसी भी खतरे से निपटने में हिचकेंगे नहीं।

संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी प्रमुख की शिनजियांग यात्रा पर विवाद

बीजिंग, 16 जून (एपी)।

चीन ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी प्रमुख ने पिछले सप्ताह शिनजियांग की यात्रा की। अमेरिका और मानवाधिकार समूहों के विरोध के बावजूद विश्व निकाय के आतंकवाद रोधी प्रमुख ने यह यात्रा की।

मानवाधिकार समूहों ने कहा था कि सुदूर पश्चिम क्षेत्र में मानवाधिकारों की दयनीय स्थिति के चलते संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद रोधी प्रमुख की शिनजियांग यात्रा अनुचित होगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि व्लादिमीर इवानोविच वोरोंकोव ने पिछले हपअते गुरुवार से शनिवार तक बीजिंग और शिनजियांग की यात्रा की।

इस दौरान उन्होंने और चीन के उप विदेश मंत्री ली युचेंग ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद रोधी प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और वे व्यापक आम सहमति पर पहुंचे। अमेरिका के मानवाधिकार समूहों का अनुमान है कि उइगुर और कजाक अल्पसंख्यकों की बहुलता वाले शिनजियांग में लगभग 10 लाख जातीय मुसलमानों को मनमाने ढंग से हिरासत में रखा गया है। 'ह्यूमन राइट्स वाच' ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र को आतंकवाद रोधी प्रमुख की जगह किसी मानवाधिकार विशेषज्ञ को शिनजियांग भेजना चाहिए था।

लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद होंगे आइएसआइ के नए प्रमुख

इस्लामाबाद, 16 जून (भाषा)।

लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद पाकिस्तान की गुप्तचर एजंसी आइएसआइ के नए प्रमुख होंगे। पाकिस्तानी थल सेना ने रविवार को यह घोषणा की। पाक थल सेना ने रविवार को अपने शीर्ष जनरलों की तैनाती में कई बदलाव करने की घोषणा की।

- पाक थल सेना ने रविवार को अपने शीर्ष जनरलों की तैनाती में कई बदलाव करने की घोषणा की

हमीद को लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर की जगह इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (डीजी आइएसआइ) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, मुनीर का तबादला कर कोर कमांडर गुजरांवाला के रूप में नियुक्त किया गया है। वह पिछले साल अक्टूबर में आइएसआइ प्रमुख बनाए गए थे। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक हमीद आइएसआइ में 'काउंटर इंटेलीजेंस विंग' के प्रमुख भी रह चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र, 16 जून : दक्षिणी सूडान में सड़क निर्माण करने और एक अस्पताल में सौर लैंप मुहैया कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा दे रहे भारतीय शांतिदूतों की संयुक्त राष्ट्र और स्थानीय समुदाय ने तारीफ की। (**भाषा**)

नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के बीच हैं शानदार समीकरण : पवन कपूर

तेल अवीव, 16 जून (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने घनिष्ठ निजी रिश्तों का इस्तेमाल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में किया है जो और ऊंचाइयों की तरफ जा रहे हैं। यह बात इजराइल में भारत के राजदूत पवन कपूर ने कही।

कपूर ने बताया कि भारत और इजराइल के बीच संबंध लगातार 27वें वर्ष काफी मजबूत हुए हैं। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में जुलाई 2017 में इजराइल का दौरा किया था। राजदूत ने कहा कि संबंध ऊंचाइयों की तरफ जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मोदी और नेतन्याहू के बीच शानदार समीकरण हैं और उनके कार्यकाल के दौरान पहली बार मोदी इजराइल आए और नेतन्याहू भारत के दौरे पर गए।'

मोदी ने जुलाई 2017 में इजराइल का दौरा किया था जो 70 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा थी।

ऐतिहासिक दौरे में मोदी और नेतन्याहू के बीच काफी अच्छे निजी संबंध देखने को मिले जब दोनों नेताओं ने कई बार एक-दूसरे को गले लगाया।

नेतन्याहू, बीबी के नाम से लोकप्रिय हैं।

जी-20 के सदस्य देश समुद्र में प्लास्टिक कम करने के समझौते पर सहमत

तोक्यो, 16 जून (एएफपी)।

दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों (जी-20) ने समुद्र में प्लास्टिक के कचरे की मात्रा में कमी लाने के लिए एक समझौता को लेकर सहमति जताई है। उन्होंने ओमान की खाड़ी में तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद ऊर्जा सुरक्षा की स्थिति पर भी इस बैठक में चर्चा की।

पर्यावरण मंत्री योशियाकी हरादा ने संवाददाताओं को शनिवार देर रात जी-20 पर्यावरण एवं ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के बारे में बताया कि जापान ने समुद्री प्लास्टिक कचरा के लिए एक व्यावहारिक संरचना तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। इस कदम का सदस्य देशों ने स्वागत किया है।

प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनी हुई है। खासतौर पर चीन और अन्य देशों द्वारा प्लास्टिक कचरे के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद यह चिंता और बढ़ गई है। इस प्रतिबंध के बाद जापान सहिक कई देशों में प्लास्टिक कचरा जमा हो रहा है।

कारूईजावा के सेंट्रल माउंटेन रिजॉर्ट में हुई यह दो दिवसीय बैठक पहली ऐसी बैठक है जिसमें समुद्र में प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है।

धार्मिक सौहार्द के लिए सम्राट अशोक के संदेश की याद दिलाई संयुक्त राष्ट्र की उप प्रमुख ने

संयुक्त राष्ट्र, 16 जून (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने दुनियाभर में बढ़ती असहिष्णुता के बीच विविधता और समावेश के महत्त्व पर जोर देते हुए सभी धर्मों के लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण रिश्तों के भारतीय सम्राट अशोक के संदेश का उल्लेख किया।

अमीना ने धर्मस्थलों पर हमलों और अल्पसंख्यकों, शरणार्थियों तथा किसी को खुद से अलग समझकर उस पर निशाना साधकर की जा रही हिंसा के समय में बहुलवाद के महत्त्व को रेखांकित किया।

उन्होंने 11 जून को लिस्बन में ग्लोबल सेंटर फॉर प्लुरलिज्म में कहा, हजारों सालों से विद्वान और दार्शनिक एकता और बहुलवाद, संपूर्ण और उसके घटकों के बीच तनाव पर बहस करते आ रहे हैं। दो सहस्राब्दियां पहले भारतीय सम्राट 'अशोक महान' ने सभी धर्मों के लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण रिश्तों तथा एक दूसरे के धर्मग्रंथों के प्रति सम्मान रखने का संदेश दिया था।

अशोक महान के नाम से प्रसिद्ध सम्राट अशोक मौर्य वंश के शासक थे जिन्होंने 268 ईसापूर्व से 232 ईसापूर्व तक लगभग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया था। अमीना ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया में बहुलवाद के वचन को पूरा करने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने देशों में बढ़ती असहिष्णुता और भेदभाव के प्रति चिंता जताते हुए कहा कि प्राथमिकताओं को फिर से तय करने और आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रणालियों को पुनर्गठित करने की बहुत जरूरत है। उन्होंने न्यूजीलैंड में मस्जिदों पर, श्रीलंका में गिरजाघरों पर और अमेरिका में यहूदी प्रार्थनास्थलों पर हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि उपासना की जगहों पर बढ़ते हुए ये हमले एक दूसरे के प्रति और मानवता के प्रति सम्मान की कमी के उदाहरण हैं।

पुतिन ने जिनपिंग को जन्मदिन के तोहफे में आइसक्रीम का बड़ा डिब्बा दिया

दुशांबे (ताजिकिस्तान), 16 जून (एएफपी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ताजिकिस्तान में एक शिखर सम्मेलन से पहले चीन के अपने समकक्ष शी जिनपिंग को उनके 66वें जन्मदिन पर आइसक्रीम का एक बड़ा डिब्बा भेंट किया।

क्रेमलिन की वेबसाइट के मुताबिक, पुतिन ने जिनपिंग से कहा, 'जन्मदिन की बधाई। मेरी शुभकामनाएं। मुझे खुशी है कि आप जैसी शख्सियत मेरे दोस्त हैं।' दोनों नेता 'कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरेक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया' के पांचवें सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में हैं, जहां उन्होंने मुलाकात की है। इस संगठन में ईरान और कतर समेत 27 देश हैं।

जिनपिंग पिछले हफ्ते तीन दिन की यात्रा पर रूस गए थे। उन्होंने पुतिन को अपना सबसे अच्छा मित्र बताया था। दोनों देश अमेरिका के साथ तनाव के बीच अपने संबंधों को मजबूत करने की कोशिश में हैं। पुतिन ने जिनपिंग को शनिवार को रूसी आइसक्रीम का बड़ा डिब्बा भेंट करते हुए कहा, 'हम यहां अच्छे तोहफो के साथ आए हैं।' बहरहाल, दुशांबे का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है। अन्य तोहफों में एक केक और फूलदान शामिल है।

पुतिन ने कहा, 'हमारी पूरी टीम और मैं यहां तक कहता सकता हूं कि हमारा पूरा देश कामना करता है कि आपको दुनिया में सब कुछ अच्छा मिले, क्योंकि आप दोनों देशों के बीच रिश्तों के विकास के लिए बहुत काम करते हैं।'

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधान कार्यालयः जनसंपर्क विभाग
21, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली - 110008
ई-मेलः ho.pr@psb.co.in
जहाँ सेवा ही जीवन - ध्येय है

इच्छा की अभिव्यक्ति हेतु अनुरोध

बैंक आईएनएस मान्यताप्राप्त विज्ञापन एजेंसियों से, जो कि कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन के संपूर्ण कार्य को संभाल सकते हैं और विभिन्न मिडिया में बैंक की विज्ञापन आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हो, इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित करता है। विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.psbindia.com पर जायें।

दिनांक :15.06.2019 महाप्रबंधक (ज.सं)

IN THE DEBT RECOVERY TRIBUNAL NO. II
3rd Floor, MTNL Bhavan, Colaba Market, Colaba, Mumbai-400001

TRANSFER ORIGINAL APPLICATION NO. 1598 OF 2016
NOTICE IN TRANSFER CASE

STATE BANK OF INDIA ...Applicant
Vs.
MR. HARSHWARDHAN REDDY ...Defendant

EXHIBIT NO. 26
NEXT DATE : 31-07-2019

To,
1. Mr. Harshwardhan Reddy, Office at : 12-A, Golf Links, Hauz Khas, New Delhi-110003 and at B-11, Mayfair Garden, 12-A, Golf Links, Hauz Khas, New Delhi-110003 and at M/s Aura Edu Tech India Pvt. Ltd. M-115/17, 2nd Floor, Kunj House, Connaught Place, New Delhi-110001 and at 1201/1206, 12th Floor, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi-110019

Take notice that the case in O.A No. 593 of 2014 between the above parties pending in the MDRT-III, has been transferred to this Tribunal as per change of jurisdiction notified vide Government of India F. No. 18-02-2016 DRT (Part) dated 26-09-2016 and the said case is registered as T.O.A. No. 1598 of 2016 on the file of this Tribunal.

Therefore, you hereby required to appear before the Hon'ble Tribunal either in person or through Advocate duly instructed on 31-07-2019 at 11:00 a.m., falling which appropriate order will be passed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this 11th day of June, 2019.

Registrar I/c
DRT-II, Mumbai

SCHABLONA INDIA LIMITED
CIN: L51109DL1983PLC318655
Registered Office: 82/19, Bhakerwara Road, Mundka, New Delhi - 110 041,
Phone: 011-2834 1085
Share Department: 2, Red Cross Place, Kolkata - 700 001,
Phone: +91-033-2248 7406/5913
E-mail: silinvestors@schablona.in, Website: www.schablona.in

NOTICE
(for attention of Equity Shareholders of the Company)
Sub: Transfer of Equity Shares of the Company to the Demat account of the Investor Education and Protection Fund ("IEPF") Authority.

This Notice is published pursuant to the provisions of the Investor Education and Protection Fund Authority (Accounting, Audit, Transfer and Refund) Rules, 2016 notified by the Ministry of Corporate Affairs (MCA) effective 07.09.2016 and amendments made thereto (referred to as "the Rules"). As per Section 124 (6) of the Companies Act, 2013 read with the above referred Rules, all shares in respect of which dividends declared by the Company has not been claimed or remained unpaid for seven consecutive years or more are required to be transferred by the Company to the IEPF.

In accordance with the various requirements as set out under the aforesaid Rules, the Company has communicated individually to the concerned shareholders through Registered Post on 12th June, 2019 for claiming such dividends within 1st November, 2019 whose shares are liable to be transferred during the financial year 2019-2020 to IEPF for appropriate action.

The Company has uploaded the details of such shareholders and shares due for transfer to IEPF on its website at www.schablona.in. Shareholders are requested to verify the details of the Unclaimed Dividends and the Shares liable to be transferred to IEPF Authority.

Shareholders who have not claimed their dividends for financial year 2011-2012 and onwards are requested to claim their Dividends expeditiously. In case the Shareholders fail to claim the above Unclaimed Dividend on or before 1st November, 2019, the Company will proceed to transfer the underlying Equity Shares of the Company, registered in the name of the Shareholder to the credit of the IEPF Authority on its due date.

Shareholders may note that both the unclaimed dividend and the shares transferred to IEPF Authority including all benefits accruing on such shares, if any, can be claimed back from IEPF Authority after following the procedure prescribed under the aforesaid Rules, as amended from time to time.

The concerned Shareholders holding shares in physical form and whose shares are liable to be transferred to IEPF Authority, may note that the Company would be issuing Duplicate Share Certificate(s) in lieu of the Original Share Certificate(s) held by Shareholder(s) for the purpose of transfer of shares to IEPF Authority as per the aforesaid Rules and upon such issue, the original share certificate(s) which stand registered in their name will stand automatically cancelled and be deemed non-negotiable. Further, the concerned shareholders who are holding shares in dematerialized form and whose shares are liable to be transferred to IEPF Authority may note that as per the aforesaid Rules, the Company would be issuing instruction(s) to concerned shareholder's Depository Participants for the purpose of transfer of their shares to IEPF Authority.

The Shareholders may further note that the details uploaded by the Company on its website should be regarded and shall be deemed to be adequate notice in respect of issue of the Duplicate Share Certificate(s) by the Company and issuing of instruction(s) to Depository Participants for the purpose of transfer of shares to IEPF Authority, pursuant to the aforesaid Rules.

In case of any queries, please contact the Company's Registrar and Share Transfer Agent, M/s. Maheshwari Datamatics Private Limited, at 23, R.N. Mukherjee Road, 5th Floor, Kolkata-700 001, Phone: 033 2243-5029 or e-mail: mdpldc@yahoo.com.

For **SCHABLONA INDIA LIMITED**
Sd/-
(Ritika Mansata)
Company Secretary

Date: 14th June, 2019
Place : Kolkata

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
परिसम्पत्ति वसूली शाखा, डी-26/28, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
ई-मेलः arbdelhi@unionbankofindia.com

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के प्रावधान के अंतर्गत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, परिसम्पत्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली के पास गिरवी रखी गई नीचे वर्णित सम्पत्ति का अधिग्रहण कर लिया गया है जिसकी नीचे वर्णित बकाये तथा आगे के ब्याज, चार्जेज तथा लागत आदि की वसूली के लिए नीचे वर्णित रूप में ई-नीलामी द्वारा बिक्री की जाएगी।

सम्पत्ति की बिक्री ''जैसा है जहां है जो भी वहां है तथा उपचार-रहित आधार पर की जाएगी तथा इस प्रकार यह बिक्री किसी भी रूप की वारन्टीज तथा क्षतिपूर्ति से रहित है।

2.12.2014 को ब्याज तथा अन्य खर्चे के साथ रु. 95,28,69,572.72 (रुपये पंचानवे करोड़ अट्ठाईस लाख उन्हत्तर हजार पांच सौ बहत्तर एवं पैसे बहत्तर मात्र) की राशि की वसूली के लिए नीचे वर्णित सम्पत्ति की 25.7.2019 को वेबसाईट https://www.bankeauctions.in के माध्यम से 'ऑनलाइन ई-नीलामी' द्वारा बिक्री की जाएगी।

1.	ऋणधारक तथा मार्टगैजर का नाम	1. मै. विभा ओवरसीज एक्जिम प्रा.लि. (ऋणधारक) मकान सं. 29, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली-110015. 2. श्री आलोक गुप्ता, पुत्र स्व. श्री चेतन गुप्ता (निदेशक/गारन्टर), मकान सं. 12/6, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, अनंगपुर रोड, फरीदाबाद, हरियाणा-121005 साथ ही: डी-9, महारानी बाग, नई दिल्ली. साथ ही: मकान सं. सी-732, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065. 3. श्रीमती विभा गुप्ता, पत्नी श्री आलोक गुप्ता, मकान सं. 12/6, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, अनंगपुर रोड, फरीदाबाद, हरियाणा-121005 साथ ही: डी-9, महारानी बाग, नई दिल्ली. साथ ही: मकान सं. सी-732, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065. 4. श्री पवन कुमार (निदेशक), मकान सं. 12/6, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, अनंगपुर रोड, फरीदाबाद, हरियाणा-121005. साथ ही: मकान सं. सी-387 गली नं. 7सी, सुदामा पुरी, गामरी एक्स्टें., दिल्ली-53
2.	नीलामी की तिथि एवं समय	25.7.2019 को 1.00 अप. से 2.00 अप. तक '10' मिनट के असीमित विस्तार के साथ अर्थात् नीलामी की समाप्ति से पूर्व अंतिम 10 मिनट में यदि बोली की जाती है तो ई-नीलामी की समाप्ति का समय प्रति वार 10 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
3.	धरोहर राशि (ईएमडी)	रु. 25,51,000/-
4.	बोली जमा करने की अंतिम तिथि	ईएमडी राशि के साथ 24.7.2019
5.	आरक्षित मूल्य	रु. 25,51,00,000/-
6.	बोली वृद्धि राशि	रु. 1,00,000/-
7.	ब्याज तथा लागत के साथ बकाया राशि	रु. 95,28,69,572.72 (2.12.2014 को + ब्याज + लागत)
8.	इच्छुक क्रेता द्वारा सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	19.7.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक
9.	बैंक की जानकारी में सम्पत्ति पर अधिभारों का विवरण	ज्ञात नहीं

इच्छुक बोलीदाता को खाता सं. 547201980050000, खाता नामः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, परिसम्पत्ति वसूली शाखा, आईएफएससी कोडः UBIN0554723 में 24.7.2019 को या उससे पूर्व 5 बजे अप. तक एनईएफटी/आरटीजीएस/निधि अंतरण द्वारा अथवा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, परिसम्पत्ति वसूली शाखा के पक्ष में देय केवल नई दिल्ली में भुगतान होने योग्य डीडी/पे आर्डर द्वारा आरक्षित मूल्य के 10% की प्रतिदेय ईएमडी का भुगतान करना होगा।

बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व ई-नीलामी के विस्तृत नियमों एवं शर्तों तथा अन्य विवरणों के लिए बैंक की वेबसाईट unionbankofindia.co.in देखें। बोलीदाता हमारे सेवा प्रदाता मैं 4 क्लोजर, 08142000809/08142000067/1/3/6 (एम) टेली.: 040-23836405 (एम), फैक्स नं. 040-23836405, ई-मेलः vikas@bankauctions.in, info@bankauctions.in की वेबसाईटः http://www.bankauction.com, पर भी देख सकते हैं।

बिक्री के नियम एवं शर्तें पूरी तरह से प्रतिभूति हित नियमावली (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के प्रावधानों के अनुरूप होंगे।

नीलामी के विवरणों को सुनिश्चित करने तथा सम्पत्ति के निरीक्षण के लिए इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त तिथि को श्री ललित मोहन जोशी, प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क नं. 91-9610447251/9971781144 (एम) ई-मेल आईडीः arbdelhi@unionbankofindia.com से सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पत्ति की अनुसूची

श्रीमती विभा गुप्ता, पत्नी श्री आलोक गुप्ता के नाम में मकान सं.: सी-732, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065 (माप 478.3 वर्ग यार्ड्स), उत्तर/पशिमः सर्विस लेन, दक्षिण/पूर्वः 30' चौड़ी सड़क, उत्तर/पूर्वः एच. नं. 731, दक्षिण/पश्चिमः एच. नं. 733.

यदि वे सम्पूर्ण बकाये राशि का भुगतान नहीं कर देते हैं तो ई-नीलामी बिक्री के आयोजन के विषय में इसे उपरोक्त ऋण के ऋणधारकों तथा गारन्टरों के लिए प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत इसे सूचना मानी जाए।

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 17.06.2019

प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
परिसम्पत्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली

AVG LOGISTICS LIMITED
(RESPONSIBLE SERVICE PROVIDER)
CIN: L60200DL2010PLC198327
25, DDA Market, Savita Vihar, Delhi - 110 092
E-mail: info@avglogistics.com, Website: www.avglogistics.com
A Step Ahead

Y-o-Y: 39% Total Earning, 23% EBITDA
H-o-H: 49% Total Earning, 35% EBITDA

(Amount - Rs. in Lakhs)

Sr. No	Particulars	Standalone					Consolidated
		Half Year Ended			Year Ended		Year Ended
		31-03-2019 Audited	30-09-2018 Unaudited	31-03-2018 Unaudited	31-03-2019 Audited	31-03-2018 Audited	31-03-2019 Audited
1	Total income from Operations	18193.63	13376.60	12207.68	31570.23	22703.10	31570.23
2	Earning before Interest Depreciation & Tax (EBITDA)	1897.89	1116.53	1411.04	3014.42	2450.63	3014.42
3	Net Profit/(Loss) for the period (before Tax, exceptional and/ or Extraordinary item)	1015.49	405.75	737.71	1421.24	1202.58	1421.24
4	Net Profit/(Loss) for the period before tax (after exceptional and/or Extraordinary items)	932.26	407.88	737.71	1340.14	1202.58	1340.14
5	Net Profit/(Loss) for the period after tax (after exceptional and/or Extraordinary items)	701.96	309.71	394.89	1011.67	754.66	1011.67
6	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and other comprehensive Income (after tax)]	701.96	309.71	394.89	1011.67	754.66	949.10
7	Equity share capital (Face Value of Rs. 10 per Share)	1029.80	1029.80	720.80	1029.80	720.80	1029.80
8	Earnings per equity share (Rs. per Share)						
	(a) Basic	6.82	3.01	5.48	9.82	10.47	9.22
	(b) Diluted	6.82	3.01	5.48	9.82	10.47	9.22

NOTES:
1. The above Audited Financial results have been reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors in their respective meeting held on 11th June, 2019
2. The above is an extract of the detailed format of Half yearly/Annual Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirement) Regulations, 2015. The full format of the Half yearly/Annual Financial Results are available on the website of the Stock Exchange(s) at www.nseindia.com and the Company's website at www.avglogistics.com.
3. Consolidated figures for the previous year ended 31.03.2018 is not applicable to the company, and Consolidated figures ended 31.03.2019 only includes figures of NDRAVG Business Park Pvt Ltd and NDR AVG Logistics LLP which are the associate company and Associate Enterprise Entity.
4. Figures have been regrouped wherever necessary or Previous year's figure have been regrouped/recast wherever necessary to confirm to the current half year's/year's classification.

For and on behalf of the Board of Directors of
AVG LOGISTICS LIMITED
Sanjay Gupta, Managing Director
DIN: 00527801

Place: Delhi
Date: 11.06.2019

भारत के लिए वैश्विक व्यापार युद्ध एक अवसर : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

वाणिज्य मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि मौके का फायदा उठाकर अमेरिका और चीन को भारत कर सकता है 350 उत्पादों का निर्यात

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मौके का फायदा उठाकर भारत इन देशों को रसायन और ग्रेनाइट सहित 350 उत्पादों का निर्यात कर सकता है।

वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच उन उत्पादों की पहचान की है जिनका निर्यात भारत इन देशों को कर सकता है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत के लिए इन दोनों देशों को निर्यात बढ़ाने का बहुत बड़ा अवसर है। अमेरिका और चीन दोनों एक-दूसरे के उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगा रहे हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध की स्थिति बन गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डीजल, एक्स-रे ट्यूब और कुछ रसायन सहित ऐसे 151 घरेलू उत्पाद हैं जिनका निर्यात भारत की ओर से चीन को किया जा सकता है। चीन अभी तक इन उत्पादों को अमेरिका से खरीदता रहा है। इसी तरह ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स और रबड़ जैसे 203 भारतीय उत्पाद ऐसे हैं जिनका निर्यात अमेरिका को किया जा सकता है। अमेरिका अभी तक इन उत्पादों को चीन से खरीदता रहा है।

इस तरह निर्यात बढ़ोतरी से चीन के साथ भारत अपने व्यापार घाटे को भी कम कर सकता है। अप्रैल-फरवरी 2018-19 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 50.12 अरब डॉलर का था।

निर्यातकों के प्रमुख संगठन फियो के अध्यक्ष गणेश कुमार गुप्ता ने कहा कि अमेरिका और चीन के व्यापार युद्ध से भारत को फायदा हो रहा है। उन्होंने बताया कि 2018 में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.2 फीसद बढ़ा है जबकि चीन को निर्यात 31.4 फीसद अधिक रहा है।

एक हजार करोड़ रुपए से अधिक एनपीए के छह खाते बेचेगा पीएनबी

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 1,000 करोड़ रुपए से अधिक के छह गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के खातों को बिक्री के लिए रखा है। इनमें वंदना विद्युत और वीजा स्टील के खाते भी शामिल हैं।

संपत्ति पुनर्गठन कंपनियां (एआरसी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और अन्य बैंक व वित्तीय संस्थान इन खातों के अधिग्रहण के लिए अपनी बोलियां 26 जून तक जमा कर सकते हैं। बोलियां उसके अगले दिन खोली जाएंगी। पीएनबी ने एक नोटिस जारी कर कहा कि हम छह खातों को एआरसी-एनबीएफसी-अन्य बैंक-वित्तीय संस्थानों के लिए बिक्री को रखना चाहते हैं। इन छह एनपीए खातों के लिए आरक्षित मूल्य 342 करोड़ रुपए रखा गया है।

भोपाल की वंदना विद्युत स्टील पर 454.02 करोड़ रुपए और कोलकाता की कंपनी वीजा स्टील पर 443.76 करोड़ रुपए का बकाया है। शेष चार एनपीए खाते- टेम्पटेशन फूड्स, हेलियॉस फोटोवोल्टिक, कैबकॉम केबल्स और जूम वल्लभ स्टील के हैं। बिक्री प्रक्रिया का काम बैंक का 'दबाव वाली संपत्तियों की लक्षित निपटान कार्रवाई (एसएएसटीआरए) विभाग' देखेगा। बैंक ने बयान में कहा कि वित्तीय बोलियां ई-नीलामी प्रक्रिया से बैंक के पोर्टल के जरिए जमा कराई जा सकती हैं।

स्वतंत्र निदेशक, रेटिंग एजंसियां और ऑडिटर जांच के दायरे में

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

कई लोग और इकाइयां आइएलएंडएफएस समूह में कथित धोखाधड़ी को लेकर भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) की जांच के घेरे में हैं। इनमें स्वतंत्र निदेशक, कंपनी के शीर्ष प्रबंधन स्तर के अधिकारी, रेटिंग एजंसियां और संकटग्रस्त आइएलएंडएफएस समूह से जुड़े आडिटर शामिल हैं। सेबी आइएलएंडएफएस समूह में कथित धोखाधड़ी मामले में भूमिका के लिए इन लोगों के खिलाफ जल्द कार्रवाई कर सकता है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बाजार नियामक कई इकाइयों और लोगों की इस धोखाधड़ी में भूमिका की जांच कर रहा है। इनमें खुलासा और कामकाज के संचालन के नियमों के संदिग्ध उल्लंघन का मामला शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि अपनी धोखाधड़ी की गतिविधियों के जरिए अल्पांश शेयरधारकों और पूंजी बाजार के हितों को चोट पहुंचाने के लिए इनमें से कई पर जल्द कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

नियामक सूचीबद्ध कर्ज लेने वाले कुछ निकायों की भूमिका की भी जांच कर रहा है। पूर्व में कर्ज चूक करने के बावजूद इन लोगों को बाद में कई बार नया ऋण दिया गया।

पिछले साल आइएलएंडएफएस समूह का संकट सामने आया था। उसके बाद सेबी ने इसकी जांच शुरू की थी। कई इकाइयों द्वारा भुगतान में चूक की वजह से यह संकट पैदा हुआ है। इन इकाइयों पर कुल मिलाकर

आइएलएंडएफएस मामला

90,000 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज बकाया है। इस संकट की वजह से सरकार को आइएलएंडएफ समूह के निदेशक मंडल को भंग कर नए बोर्ड की नियुक्ति करनी पड़ी थी। इस मामले की जांच कई एजंसियों मसलन गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआइओ) द्वारा भी की जा रही है।

जांच में यह तथ्य सामने आया है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) समूह की कई इकाइयां गलत तरीके से कई प्रकार के घुमावदार लेन-देन में शामिल रही हैं। कई कर्जदारों को उनके खराब रिकॉर्ड के बावजूद तेजी से ऋण जारी किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आइएलएंडएफएस समूह की कई इकाइयों को विभिन्न रेटिंग एजंसियों से ऊंची रेटिंग दी गई। इन इकाइयों ने कृत्रिम तरीके से अपने बही खाते को चमकाया हुआ था। सूचीबद्ध कंपनियों सहित कई कर्जदार समय पर अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर रहे थे। जांच के अनुसार आइएलएंडएफएस के शीर्ष प्रबंधन को दबाव वाले खातों की जानकारी थी, इसके बावजूद उन्हें नया कर्ज दिया जाता रहा।

अधिकारियों ने बताया कि समूह के शीर्ष प्रबंधन ने कर्ज चूक करने वालों से लाभ लिया। वहीं कुछ आडिटरों और रेटिंग एजंसियों के लोगों को भी इनसे फायदा मिला। एसएफआइओ ने समूह की एनबीएफसी इकाई आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (आइएफआइएन) से संबंधित अपने पहले आरोपपत्र में पूर्ववर्ती शीर्ष प्रबंधन के सदस्यों द्वारा आडिटरों और स्वतंत्र निदेशकों के साथ 'सांठगांठ' कर कंपनी को नुकसान पहुंचाने और कारोबार को अपनी निजी जागीर समझकर चलाने का आरोप लगाया है।

बैंकों की वित्तीय सेहत का आकलन कर रही सरकार

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

वित्त मंत्रालय सरकारी बैंकों के पूंजी आधार का मूल्यांकन कर रहा है और उन्हें नियम के तहत न्यूनतम पूंजी की शर्त को पूरा करने में मदद के लिए चालू वित्त वर्ष के आम बजट में 30,000 करोड़ रुपए उपलब्ध करा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच जुलाई को नई सरकार का पहला बजट पेश करेंगी।

आर्थिक वृद्धि नरम होकर 2018-19 में 6.8 फीसद पर आ गई है। बजट में वृद्धि को तेज करने की चुनौती है। इसमें बैंकिंग क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा। सरकारी बैंकों को निजी और व्यावसायिक काम के लिए पर्याप्त पूंजी की जरूरत होगी। ऋण की मांग में तेजी शुरू हुई है। इसके अलावा आरबीआइ के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे के तहत पांच कमजोर बैंकों को बासेल-3 नियमों के तहत जरूरी पूंजी बनाए रखने की भी जरूरत होगी।

सूत्रों ने बताया कि सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा की तरह कुछ अन्य बैंकों के एकीकरण पर भी विचार करती है तो उसके लिए भी अतिरिक्त पूंजी की जरूरत होगी। बीओबी में देना बैंक और विजया बैंक के विलय के कारण अतिरिक्त खर्च की पूर्ति के लिए सरकार ने 5,042 करोड़ रुपए की पूंजी नए बैंक में डाली थी। सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 1,06,000 करोड़ रुपए की पूंजी मुहैया कराई थी।

शीर्ष छह कंपनियों की बाजार हैसियत 34,250 करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

बंबई शेयर बाजार सूचकांक की शीर्ष दस कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह 34,250.18 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई। टीसीएस की बाजार हैसियत में इस दौरान सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल), आइटीसी, इन्फोसिस, एसबीआइ और आइसीआइसीआइ बैंक के बाजार मूल्यांकन में शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी और कोटक महिंद्रा बैंक की बाजार हैसियत आलोच्य सप्ताह में घट गई।

समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 27,523.74 करोड़ बढ़कर 8,45,149.61 करोड़ रुपए हो गया। आइटीसी का बाजार मूल्यांकन 2,513.02 करोड़ बढ़कर 3,40,728.67 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 1,963.42 करोड़ की वृद्धि के साथ 3,06,872.77 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 1,045.95 करोड़ की बढ़ोतरी के साथ 8,34,819.67 करोड़ रुपए हो गई। आइसीआइसीआइ बैंक की बाजार हैसियत 745.32 करोड़ की वृद्धि के साथ 2,69,593.17 करोड़ रुपए हो गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 458.73 करोड़ बढ़कर 3,23,475.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,359.21 करोड़ घटकर 2,81,349.02 करोड़ रुपए और एडीएफसी का मूल्यांकन 4,444.12 करोड़ घटकर 3,75,944.90 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 3,151.75 करोड़ घटकर 6,64,855.29 करोड़ रुपए रहा। एचयूएल का बाजार पूंजीकरण 1,439.59 करोड़ घटकर 3,95,065.37 करोड़ रुपए रहा।

शीर्ष दस कंपनियों में बाजार पूंजीकरण के मामले में टीसीएस शीर्ष पर रही। इसके बाद आरआइएल, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी, आइटीसी, इन्फोसिस, एसबीआइ, कोटक महिंद्रा बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक का स्थान रहा।

एफपीआइ ने जून में पूंजी बाजार में 11,132 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने जून में अब तक घरेलू पूंजी बाजार में 11,132 करोड़ रुपए डाले हैं। डिपोजिटरी के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार तीन से 14 जून के दौरान एफपीआइ ने शेयरों में शुद्ध रूप से 1,517.12 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार में 9,615.64 करोड़ रुपए डाले हैं।

ग्रो के मुख्य परिचालन अधिकारी हर्ष जैन ने कहा कि भाजपा की अगुआई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दोबारा सत्ता में आने के बाद बांड बाजार में पूंजी प्रवाह मजबूत बना हुआ है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए में स्थिरता से ऋण खंड में भी प्रवाह बढ़ा है। इससे पहले एफपीआइ ने मई में भारतीय पूंजी बाजार (शेयर और बांड) में शुद्ध रूप से 9,031.15 करोड़ रुपए, अप्रैल में 16,093 करोड़ रुपए, मार्च में 45,981 करोड़ रुपए और फरवरी में 11,182 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड

प्रशासनिक कार्यालय: नं. 24-बी

गांधी नगर, कुम्बाकोनम-612001, फोन: 2402322, 2401622,

फैक्स: 0435-2431746

सरफैसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निविदा-सह-नीलामी बिक्री

ऋणधारकों/ गारंटरों सं. 1) श्रीमती सविता गर्ग, पत्नी श्री नरेश कुमार गर्ग, सी-3/19, दूसरा तल, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007, सं. 2) श्री नरेश कुमर गर्ग, पुत्र श्री बाबू राम गर्ग, सी-3/19, दूसरा तल, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली-110007 तथा सं. 3) श्री अजय कुमार गुप्ता, पुत्री श्री कृष्णन गुप्ता, बी-5, बी-ब्लॉक, आरपी बाग, दिल्ली द्वारा देय 13.6.2019 से वसूल की जाने वाली आगे के ब्याज, अन्य देयताओं एवं खर्चे के साथ 12.6.2019 को रु. 15,28,058/- (रुपए पन्द्रह लाख अट्ठाईस हजार अटठावन मात्र) के राशि की वसूली के लिए सरफैसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) एवं 9 के अंतर्गत सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई निम्नलिखित सम्पत्ति/ यों की प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निविदा-सह-सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बिक्री की जायेगी।

बैंक के पास गिरवी रखी गई अचल सम्पत्तियों की बिक्री

(श्रीमती सविता गर्ग, पत्नी श्री नरेश कुमार गर्ग के स्वामित्व की सम्पत्ति निर्मित सम्पत्ति सं. सी-3/19, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007 के दक्षिणी दिशा में दूसरे तल का फ्लैट (बिना छत के अधिकार के) पूर्वः अन्य सम्पत्ति, पश्चिमः रोड (नीचे), उत्तरः सामूहिक सीढ़ी/अन्य फ्लैट, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति। गणना रिपोर्ट के अनुसारः दूसरे तल में एक ड्राइंग/डायनिंग, 3 बेडरूम, एक रसोई, 2 बाथरूम तथा बॉलकॅनी शामिल है। वर्तमान में उक्त फ्लैट का कवर्ड एरिया 9¾ फीट की क्लीयर सीलिंग हाइट के साथ 926.54 वर्ग फीट है।

आरक्षित मूल्य : रु. 56,00,000/- (रुपए छप्पन लाख मात्र)

नीलामी का विवरण

निविदा-सह-नीलामी बिक्री की तिथि	स्थान
29.7.2019	सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, दिल्ली- चांदनी चौक शाखा, नं. 284-285, फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली-110006 टेलीफोन: 011-23929803, सेल नं. 9350011163

निविदा-सह-नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें

1. इच्छुक बोलीदाता को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहना होगा तथा व्यक्तिगत रूप से भाग लेना होगा तथा इस आशय का लिखित में उदघोषणा देना होगा कि वे अपने लिए बोली कर रहे हैं।
2. इच्छुक बोलीदाता प्रबंधक, सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड, दिल्ली-चांदनी चौक शाखा, नं. 284-285, फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली-110006 से निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं।
3. इच्छुक बोलीदाता को निविदा-सह-नीलामी बिक्री की तिथि को 12.00 बजे दोपहर तक "सिटी यूनियन बैंक लि." के पक्ष में देय आरक्षित मूल्य के 10% की ईएमडी के पे आर्डर/ डिमांड ड्राफ्ट के साथ प्राधिकृत अधिकारी, सिटी यूनियन बैंक लि. के पते से मुहरबंद लिफाफे में निर्धारित निविदा प्रपत्र में अपनी बोली जमा करना होगा।
4. सम्पत्ति के निरीक्षण तथा अन्य विवरणों के लिए इच्छुक बोलीदाता टेलीफोन नं. 011-23929803, सेल नं. 9350011163 पर संपर्क करें।
5. सम्पत्ति की बिक्री "जैसा है जहां है" तथा "जो भी वहां है" आधार पर की जाएगी।
6. मुहरबंद निविदा को निविदा-सह-नीलामी बिक्री की अधिसूचित तिथि को 1.00 बजे अप. में इच्छुक बोलीदाताओं के समक्ष खोला जाएगा। यद्यपि सामान्य रूप से यह बिक्री बंद निविदाओं द्वारा होगी, प्राधिकृत अधिकारी अपनी एकाकी इच्छा से बंद निविदा प्रक्रिया में प्राप्त बोली की तुलना में ऊंची बोली कोट करने के इच्छुक बोलीदाताओं में खुली नीलामी करा सकते हैं तथा इस स्थिति में उच्चतम बोलीकर्ता को यह बिक्री प्रदान की जाएगी। फिर भी, बिक्री सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड की पुष्टि के अधीन होगी।
7. सफल बोलीदाता को बिक्री की पूर्णता के बाद तत्काल 25% बोली राशि (प्रदत्त ईएमडी सहित) का भुगतान करना होगा। तथा शेष बिक्री मूल्य का भुगतान बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर किया जाएगा अन्यथा 25% आरंभिक जमा जब्त कर ली जाएगी।
8. निर्धारित समय-सीमा में संपूर्ण बिक्री मूल्य प्राप्त कर लेने के बाद ही सफल क्रेता के पक्ष में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री प्रमाणपत्र जारी की जाएगी।
9. सफल क्रेता को कॉन्वीयन्स के लिए देय चार्जेज/ शुल्कों जैसे स्टाम्प ड्यूटी, विधि के अनुसार लागू होने वाले पंजीकरण शुल्क आदि का वहन करना होगा।
10. सफल बोलीदाता को सरकार, सरकारी उपक्रम तथा स्थानीय निकायों के बकाये यदि कोई हो सहित सांविधिक बकाये जैसे (विधि-सम्मत मकान कर, बिजली शुल्क तथा अन्य बकाये का भुगतान करना होगा।
11. प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताये बोलियों को स्वीकार या निरस्त करने अथवा बिक्री को स्थगित या रद्द करने का सभी अधिकार प्राप्त है।

स्थान: कुम्बाकोनम

तिथि: 15.6.2019 प्राधिकृत अधिकारी

सेबी सर्क्युलर नं. सेबी/एचओ/एमआरडी/डीएसए/सीआईआर/पी/2016/110 तिथि 10 अक्टूबर, 2016 के संलग्नक ए के उपबंध (IV), (V), (VI) तथा (IX) के प्रावधानों के अनुपालन में सार्वजनिक सूचना

विजवाइज कॉमर्स प्राईवेट लिमिटेड

पता: 711, 7वाँ तल, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली 110001

फोन: 011-43656567, ईमेल: ujjwallimited123@gmail.com

हम, मै. विजवाइज कॉमर्स प्राईवेट लिमिटेड, उज्वल लिमिटेड ("ज्वल") के प्रवर्त्तक हैं। ज्वल दिल्ली स्टॉक एक्सचैंज तथा वड़ोदरा स्टॉक एक्सचैंज में सूचीबद्ध था जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ("सेबी") द्वारा अमान्य कर दिया गया है। तदुपरांत उज्वल बाम्बे स्टॉक एक्सचैंज ("बीएसई") के डिसैमिनेशन बोर्ड ("डीबी") में पहुंच गया।

यह कम्पनी ट्रेडर्स, मर्चेन्ट्स, आयातकों, निर्यातकों, क्रेताओं, विक्रेताओं, रिटेलर्स, वितरकों, प्रचालकों, सभी तरह की वस्तुओं जैसे ड्रग्स तथा फार्मास्यूटिकल्स, फाइन केमिकल्स, हेवी केमिकल्स, एसीड्स एवं उवर्रकों, पेस्टी साइड्स, के रिफायनरों, विद्युत. यांत्रिक तथा अभियांत्रिकी सामग्रियों किसी भी रूप में, पेट्रो-केमिकल्स, प्लास्टिक तथा उसकी सामग्रियों, सॉल्वेन्ट एक्स्ट्रैक्शन आयल्स, कॉस्मैटिक्स तथा टॉयलेट्स, फुड्स एवं बेवरेजेज, भारत निर्मित विदेशी शराबों अथवा अन्य फार्म, कृषि तथा वाणिकी उत्पादों, डोलोमाईट तथा स्टोन, औद्योगिक गैसों का व्यवसाय करने के लिए 1972 में निगमित हुई थी। उज्वल की वित्तीय तथा अन्य जानकारी

i) कम्पनी का नामः उज्वल लिमिटेड (CIN:L99999DL1972PLC151883)

ii) पंजीकृत कार्यालयः 4/18, दूसरा तल, आसफ अली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली डीएल 110002 आईएन

iii) शेयरधारिताः 31 मार्च, 2019 को उज्वल की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी रु. 16.007 लाख थी जिसमें रु. 10/- प्रति के 160070 पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों का प्रतिनिधित्व था। उज्वल द्वारा जारी कुल 160070 इक्विटी शेयरों में 34,380 इक्विटी शेयर्स (21.48%) प्रवर्त्तकों द्वारा धारित है। हम, मै. विजवाइज कॉमर्स प्राईवेट लिमिटेड में प्रवर्त्तक की धारिता 34,380 इक्विटी शेयरों (21.48%) है तथा आम शेयरधारकों द्वारा 125890 इक्विटी शेयर्स (78.52%) धारित हैं। 31 मार्च, 2019 को उज्वल में 1125 सार्वजनिक शेयरधारकों के फोलिओज थे।

iv) वित्तीय सारांशः पिछले तीन वर्षों के अंकेक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार उज्वल की निवल सम्पत्ति तथा कर के बाद शुद्ध लाभ/(हानि) इस प्रकार हैः

(रु. लाखों में)

विवरण	31.3.2019 (अंकेक्षित) (रु.)	31.3.2018 (अंकेक्षित) (रु.)	31.3.2017 (अंकेक्षित) (रु.)
प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	16,007	16,007	16,007
निवल सम्पत्ति	102.99	103.27	207.43
कर के बाद शुद्ध लाभ/(हानि)	(0.27)	(104.16)	(0.35)

अपनी सर्क्युलर सं. सेबी / एचओ/ एमआरडी/ डीएसए/ सीआईआर/ पी/ 2016/ 110 तिथि 10 अक्टूबर, 2016 (सेबी सर्क्युलर) के माध्यम से सेबी ने डीबी से एकाकी रूप में सूचीबद्ध कम्पनियों ("ईएलसी") के निकास के लिये प्रक्रिया तथा तरीके निर्धारित किये हैं। सेबी सर्क्युलर के संलग्नक ए के क्लॉज (i) के प्रावधान के अनुसार उज्वल लिमिटेड तथा उसके प्रवर्त्तकों ने 10 मई, 2019 को नैवीगैन्ट कॉर्पोरेट एडवायजरी लिमिटेड, एक कैटगरी। मर्चेन्ट बैंकर को एनएसई तथा बीएसई के विशेषज्ञ गणनाकारों के पैनल से स्वतंत्र गणनाकार के रूप में नियुक्त किया है। गणना की लागू होने वाली पद्धतियों पर विचार करने के बाद उक्त स्वतंत्र गणनाकार ने अपनी गणना रिपोर्ट तिथि 31 मई, 2019 जारी की है तथा उज्वल की इक्विटी शेयर का उचित मूल्य शून्य निर्धारित किया है। निरीक्षण के लिये उक्त गणना रिपोर्ट उज्वल के पंजीकृत कार्यालय में इस सार्वजनिक उद्घोषणा की तिथि से दस दिनों की अवधि में कार्यावधि के दौरान उपलब्ध होंगे।

उक्त सेबी सर्क्युलर के संलग्नक ए के पैरा (ii) में कहा गया है कि यदि स्वतंत्र गणनाकार द्वारा निर्धारित उचित मूल्य सकारात्मक होता है तो, कम्पनी के प्रवर्त्तक स्वतंत्र गणनाकार द्वारा निर्धारित मूल्य का उन्हें भुगतान कर सार्वजनिक शेयरधारकों से शेयर अर्जित करेंगे। उज्वल के मामले में स्वतंत्र गणनाकार द्वारा निर्धारित उचित मूल्य शून्य है, कम्पनी के प्रवर्त्तक उज्वल के उक्त सार्वजनिक शेयरधारकों को किसी भी भुगतान करने की एटैन्डेन्ट दायित्व के बिना उज्वल के सार्वजनिक शेयरधारकों से कोई शेयर अर्जित नहीं करेंगे। उपरोक्त को देखते हुए श्री अंकित राठी, प्रवर्त्तक कम्पनी की ओर से संबंधित डिसैमिनेशन बोर्ड से उज्वल का नाम हटाने के लिये बीएसई के पास एक आवेदन करेंगे। प्रवर्त्तक कम्पनी की ओर से श्री अंकित राठी उक्त डिसैमिनेशन बोर्ड्स से कम्पनी का नाम हटाने के उपरांत सभी सार्वजनिक शेयरधारकों की समस्याओं का निदान करने का वचन देते हैं।

प्रवर्त्तक

विजवाइज कॉमर्स प्राईवेट लिमिटेड के लिये

हस्ता./-

स्थान: दिल्ली अंकित राठी

तिथि: 17.6.2019 पूर्णकालिक निदेशक

DIN: 01379134

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि तिरुपति सेरामिक्स लिमिटेड (परिसमापन में) ("कॉर्पोरेट ऋणधारक") CIN NO. U26920HR1995PLC03297 के नीचे वर्णित इक्विटी शेयरों के प्रमाणपत्रों के नीचे नामित संबंधित शेयरधारक (को)/ क्रेता (ओं)/ दावेदार (रों) द्वारा उसके गुम हो जाने/ स्थानच्युत होने की सूचना दी गई है।

यदि किसी व्यक्ति का नीचे वर्णित शेयर (रों) के स्वामित्व के संदर्भ में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, वे इस सूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपने आपत्ति से संबंधित आवश्यक प्रमाणों के साथ अधोहस्ताक्षरी के पास अपनी आपत्ति दाखिल करें। कृपया ध्यान रहे कि यदि इस सूचना के पन्द्रह दिनों के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो आगे कोई सूचना दिये बिना अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त दावेदार (रों), को अधिशेष वितरण राशि, यदि कोई हो, की प्रतिपूर्ति के लिये कदम उठायेंगे।

फोलियो नं.	शेयरधारक का नाम	शेयरों की सं.	विशिष्ट सं. से	विशिष्ट सं. तक	प्रमाणपत्र सं.
114	सरला तुलशान	133700	005601301	005735000	145
113	राजीव तुलशान	1300	05600001	005601300	144
75	कंकावरी देवी नाहटा तथा जयचंद लाल नाहटा	80000	001902507	001982506	97-100

तिरुपति सेरामिक्स लिमिटेड (परिसमापन में) के लिये

हस्ता./-

अमित शर्मा

(परिसमापक)

IBBI/IPA-002/IP-N00172/2017-18/10442

पत्राचार का पता: बी-220/2, 1ला तल, राइट साइड, मैन मार्केट, सावित्री नगर, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017

तिथि: 15.6.2019

स्थान: नई दिल्ली

ईमेल आईडी: amit2002_shr@rediffmail.com

Bank of India

Relationship beyond banking

बैंक ऑफ इंडिया

शाखा का पता: बी-6/8, लोकल शॉपिंग सेन्टर, चौधरी हसमुख मार्ग, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029

फोन: 011-28866063/ 26104168

[नियम 8 (1) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, सफदरजंग एन्क्लेव शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना सं. बीओआई/ एसडीजे/ एडीबी/ 2019-20/ तिथि 2.4.2019 जारी कर ऋणधारकों श्रीमती रविन्दर कौर दिलावरी, श्री जसपाल सिंह दिलावरी एवं श्री ईतेन्दर पाल सिंह दिलावरी को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 26,69,210/- (रुपए छब्बीस लाख उन्हत्तर हजार दो सौ दस मात्र) तथा 10.65% प्रति वर्ष की दर से 3.4.2019 से ब्याज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 13 जून, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 26,69,210/- (रुपए छब्बीस लाख उन्हत्तर हजार दो सौ दस मात्र) तथा इस पर ब्याज के लिए बैंक ऑफ इंडिया, सफदरजंग एन्क्लेव शाखा, नई दिल्ली के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

श्रीमती रविन्दर कौर दिलावरी तथा श्री जसपालसिंह दिलावरी के स्वामित्व में उप-रजिस्ट्रार-V, नई दिल्ली के पंजीकरण कार्यालय के भीतर ए-60, सम्पूर्ण दूसरा तल (कॉर्नर का भाग), मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित आवासीय सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।

चौहद्दीः

उत्तरः बाल्कॉनी एवं रोड, दक्षिणः बॉल्कॉनी एवं सर्विस लेन

पूर्वः गैलरी एवं ए-60 के बाईं ओर का भाग, पश्चिमः सड़क

तिथि: 13.6.2019, स्थान: नई दिल्ली हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

State Bank of India भारतीय स्टेट बैंक

एसएमई शाखा, 233, ओखला, फेज-III, नई दिल्ली

कब्जा सूचना; प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 (अचल सम्पत्ति के लिये)

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम (द्वितीय) 2002 (2002 के अधिनियम 54) के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 5.10.2018 जारी कर ऋणधारक मै. ए वन मोटर्स को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 13,41,925/- (शब्दों में रुपये तेरह लाख इकतालिस हजार नौ सौ पच्चीस मात्र) + एनपीए के बाद ब्याज + अन्य खर्चे वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 5 अक्टूबर, 2018 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 13,41,925/- (शब्दों में रुपये तेरह लाख इकतालिस हजार नौ सौ पच्चीस मात्र) + एनपीए के बाद ब्याज + आगे के ब्याज + अन्य खर्चे तथा उस पर ब्याज के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण

ऋणधारक द्वारा प्रतिभूत वित्तीय सहायता

मै. ए वन मोटर्स

पताः 14/3, मैन मथुरा रोड, मेवला महराजपुर मेट्रो स्टेशन के निकट, फरीदाबाद-121005, हरियाणा

साथ हीः

- 1 जी-48, बीपी, एनआटी, फरीदाबाद-121001, हरियाणा
- प्लॉट नं. 2, सेक्टर 5, गुडईयर चौक, इंडिया ऑयल पेट्रोल पम्प के पीछे, फरीदाबाद, हरियाणा

अधोलिखित की व्यक्तिगत गारन्टी द्वारा प्रतिभूत वित्तीय सहायताः

- श्री अनिल रत्रा, पुत्र श्री जे.एन. रत्रा, पताः एच. न. 1038, सेक्टर-9, फरीदाबाद, हरियाणा
- श्री अरुण रत्रा, पुत्र श्री जे.एन. रत्रा, पताः मकान सं. 137, सेक्टर-14, फरीदाबाद, हरियाणा

हाइपोथेकेटेड प्रतिभूत स्टॉकः

अशोक लेलैण्ड मैक का हल्का व्यावसायिक वाहन (एससीवीज) जिसका चैसिस नं. इस प्रकार हैः

चैसिस नं. MB1AA22E7HRW81005

चैसिस नं. MB1AA22E7HRY4898

चैसिस नं. MB1AA22E8JRG98288

चैसिस नं. MB1AA22EXHRB67474

चैसिस नं. MB1AA23EXGRB32916

उपरोक्त स्टॉक प्लॉट नं. 2, सेक्टर 5, गुड़ईयर चौक, इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प के पीछे, फरीदाबाद, हरियाणा में स्टॉकयार्ड में रखी हुई है।

तिथि: 12.6.2019, स्थान: नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक

भेल को सौर ऊर्जा के लिए 800 करोड़ के दो ठेके मिले

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

भारत हैवी इलेक्ट्रिक लिमिटेड (भेल) ने रविवार को कहा कि उसे 200 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने के लिए 800 करोड़ रुपए के दो ठेके मिले हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे ये ठेके एनटीपीसी और गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन से मिले हैं। कंपनी ने कहा कि 200 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने के दो ठेके मिलने के बाद कंपनी का सौर फोटोवॉल्टिक पोर्टफोलियो एक गीगावाट (एक हजार मेगावाट) को पार कर गया है। ये दो ठेके अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण के आधार पर मिले हैं। एनटीपीसी का ठेका तेलंगाना के रामागुंडम स्थित उसके संयंत्र में सौ मेगावाट क्षमता का तैरता संयंत्र बनाने के लिए है। गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड का ठेका गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित रघनेसदा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क में जमीन पर स्थित सौ मेगावाट का संयंत्र बनाने के लिए है।

आवासीय ऋण वृद्धि तीन साल के न्यूनतम स्तर पर आने का अनुमान

मुंबई, 16 जून (भाषा)।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के नकदी संकट से जूझने के कारण चालू वित्त वर्ष में आवासीय ऋण की वृद्धि दर 13-15 फीसद रहने की उम्मीद है, जो पिछले तीन साल के औसत से कम होगा।

रेटिंग एजंसी इक्रा ने अपनी एक रपट में आगाह किया है कि बाकी आवासीय ऋण पर भी इसका नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। मार्च, 2019 में यह आंकड़ा 19.1 लाख करोड़ रुपए का था। सरकार आर्थिक वृद्धि की गति तेज करने के लिए आवासीय क्षेत्र का इस्तेमाल प्रमुख वाहक के रूप में करने की कोशिश कर रही है। रपट के अनुसार मुश्किल हालात को देखते हुए उम्मीद है कि 2019-20 में आवासीय ऋण वृद्धि 13-15 फीसद के बीच रहेगी, जो पिछले तीन साल के मुकाबले कम होगा। पिछले तीन साल में इस क्षेत्र की औसत वृद्धि 17 फीसद रही। 2017-18 में आवासीय वित्तीय कंपनियों की ऋण वृद्धि घटकर 15 फीसद रह गई थी। रपट के मुताबिक पिछले साल सितंबर से डीएचएफएल और रिलायंस कैपिटल सहित आवास के लिए कर्ज देने वाली कंपनियों के समक्ष नकदी संकट के कारण 2018-19 में ऐसी कंपनियों की ऋण वृद्धि घटकर 10 फीसद रह गई।

वैश्विक कारक तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, 16 जून (भाषा)।

भारतीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कई कारक प्रभावित करेंगे। भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता और ब्याज दर पर फेडरल रिजर्व के फैसले से बाजार की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के मुताबिक बाजार को दिशा देने के लिए घरेलू मोर्चे पर कोई खास संभावित कारक नहीं दिख रहे हैं।

भारत ने 16 जून से अमेरिका के 28 उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। ऐसे में निवेशकों की निगाह घरेलू व्यापार की स्थिति पर भी रहेगी। अमेरिका द्वारा भारत से आयातित कुछ इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने की घोषणा के बाद 21 जून, 2018 को सरकार ने अमेरिकी उत्पादों पर भी जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के अध्यक्ष (खुदरा वितरण) जयंत मांगलिक ने कहा कि बाजार अभी वैश्विक धुन पर नाच रहा है। इसमें जल्दी बदलाव की उम्मीद नहीं है।

स्विस बैंक : 50 भारतीयों को मिलेगा नोटिस

नई दिल्ली/बर्न, 16 जून (भाषा)।

स्विट्जरलैंड के बैंकों में अघोषित खाते रखने वाले भारतीयों के खिलाफ दोनों देशों की सरकारों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। स्विट्जरलैंड के अधिकारी इस सिलसिले में 50 भारतीय लोगों की बैंक संबंधी सूचनाएं भारतीय अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया में लगे हैं।

आभूषण क्षेत्र के कारोबार से जुड़े कारोबारी और कंपनियां शामिल हैं। इनमें से कुछ डमी कंपनियां भी हो सकती हैं। यह जानकारी दोनों देशों के बीच आपसी प्रशासनिक सहायता की प्रक्रिया में शमिल अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। 50 खाताधारकोंक को अंतिम मौका स्विट्जरलैंड के अधिकारियों ने मार्च से अब तक 50 भारतीय खाताधारकों को नोटिस जारी कर उनकी सूचना भारत सरकार को देने से पहले उन्हें उसके खिलाफ अपील का एक अंतिम मौका दिया है।

स्विटजरलैंड उसके बैंकों में खाते रखने वाले ग्राहकों की गोपनीयता बनाएरखने को लेकर एक बड़े वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में जाना जाता रहा है। लेकिन कर चोरी के मामले में वैश्विक स्तर पर समझौते के बाद गोपनीयता की यह दीवार अब नहीं रही। खाताधारकों की सूचनाओं को साझा करने को लेकर भारत सरकार के साथ उसने समझौता किया है। अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते किए गए हैं।

21 मई को 11 भारतीयों को नोटिस

स्विट्जरलैंड सरकार ने गजट के द्वारा जारी सार्वजनिक की गई जानकारियों में उपभोक्ताओं का पूरा नाम न बताकर सिर्फ नाम के शुरुआती अक्षर बताएहैं। इसके अलावा उपभोक्ता की राष्ट्रीयता और जन्म तिथि का जिक्र किया गया है। गजट के अनुसार, सिर्फ 21 मई को 11 भारतीयों को नोटिस जारी किए गए हैं।

अन्य नामों के शुरुआती अक्षर बताए

अन्य नामों में जिनके शुरुआती अक्षर बताए गए हैं, उनमें 24 नवंबर 1944 को पैदा हुए एएसबीके, नौ जुलाई 1944 को पैदा हुए एबीकेआई, दो नवंबर 1983 को पैदा हुईं श्रीमती पीएएस, 22 नवंबर 1973 को पैदा हुईं श्रीमती आरएएस, 27 नवंबर 1944 को पैदा हुए एपीएस, 14 अगस्त 1949 को पैदा हुईं श्रीमती एडीएस, 20 मई 1935 को पैदा हुए एमएलए, 21 फरवरी 1968 को पैदा हुए एनएमए और 27 जून 1973 को पैदा हुए एमएमए शामिल हैं। इन नोटिसों में कहा गया है कि संबंधित ग्राहक या उनका कोई प्राधिकृत प्रतिनिधि आवश्यक दस्तावेजी सबूतों के साथ 30 दिनों के भीतर अपील करने के लिए उपस्थित हों।

दिलचस्प आंकड़े

रन	8695	सबसे ज्यादा रन	आरोन फिंच
विकेट	272	उच्चतम स्कोर	जैसन रॉय
छक्के	138		
अर्धशतक	45		

विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 89 रन से हराया

मैनचेस्टर, 16 जून (भाषा)।

बारिश से प्रभावित विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 89 रन हराया। इस जीत के साथ ही उसने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अजेय रहने का रेकार्ड बरकरार रखा। भारतीय टीम के 336 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 212 रन ही बना सकी (डकवर्थ लुईस पद्धति के मुताबिक मैच को 40 ओवर का कर दिया गया, लक्ष्य को भी संशोधित कर 302 रन कर दिया गया था)।

इससे पहले रोहित शर्मा की लाजवाब शतकीय पारी और कप्तान विराट कोहली की बल्लेबाजी से भारत ने पांच विकेट पर 336 रन बनाए। पहले विकेट के लिए दोनों ने 136 रन जोड़े। रोहित ने 113 गेंदों पर 140 रन बनाए। राहुल ने 78 गेंदों पर 57 रन का योगदान दिया।

इसके बाद कोहली ने 65 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 77 रन की कप्तानी पारी खेली। भारतीय पारी के आखिरी क्षणों में बारिश ने भी खलल डाला। उसने जब 46.4 ओवर में चार विकेट पर 305 रन बना लिए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। खेल शुरु होने के बाद आखिरी पांच ओवरों में भारत 38 रन ही जोड़ पाया। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप में रेकार्ड 6-0 था जो अब 7-0 हो गया।

भारत की सतर्क शुरुआत

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे भारतीय बल्लेबाजों ने सतर्क शुरुआत की। मोहम्मद आमिर का पहला ओवर राहुल ने मेडन खेला लेकिन रोहित ने अपने स्क्वायर कट, स्क्वायर ड्राइव, पुल, फ्लिक, स्वीप शॉट का जबर्दस्त नमूना पेश किया। भारत का स्कोर दस ओवर के बाद बिना किसी नुकसान के 53 रन था जिसमें मुख्य योगदान रोहित का ही था। वह लेग स्पिनर शादाब खान पर छक्का और चौका लगाकर 50 रन पर पहुंचे।

18वें ओवर में 100 के पार

रोहित और राहुल ने 18वें ओवर में स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। यह विश्व कप में भारत की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ पहले विकेट के लिए पहली शतकीय साझेदारी है। इस भागीदारी में राहुल के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता है जिन्होंने न सिर्फ दूसरे छोर से रोहित का अच्छा साथ दिया बल्कि अपने पुल शॉट से पाकिस्तान की शॉर्ट पिच गेंदें करने की रणनीति भी नाकाम की। राहुल ने शोएब मलिक की गेंद को डीप मिडविकेट पर छह रन के लिए भेजकर अर्धशतक पूरा किया।

रोहित ने 85 गेंद में ठोंका शतक

रोहित ने केवल 85 गेंदों पर अपना 24वां वनडे शतक पूरा किया। यह पारी का 30वां ओवर था और रोहित के दोहरे शतक की संभावना थी।

बल्ले से आ रही आवाज ने कोहली को लौटाया पवेलियन

विराट कोहली पाक के खिलाफ मैच में गेंदबाज की अपील के बाद खुद ही क्रीज छोड़कर पवेलियन लौट गए। बाद में रीप्ले से साफ हो गया कि उन्होंने ऐसा करके गलती की। गेंद उनके बल्ले से लगकर नहीं गई थी। उन्हें लगा कि मोहम्मद आमिर का बाउंसर उनके बल्ले से लगकर विकेटकीपर सरफराज अहमद के पास पहुंचा है। पाक ने अपील की लेकिन अंपायर मारियास इरासमुस ने उंगली नहीं उठाई। कोहली ने अंपायर के फैसले का इंतजार नहीं किया और वह क्रीज छोड़कर चले गए। कोहली को बाद में पता चला तो वह भारतीय पवेलियन में अपने बल्ले को झटककर देख रहे थे जिससे हल्की आवाज आ रही थी।

सचिन को पछाड़ कोहली ने बनाए सबसे तेज 11 हजार रन

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी नए मुकाम पर सबसे तेज पहुंचने के क्रम को बरकरार रखते हुए 222 पारियों में 11,000 रन पूरे किए। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 17 साल पुराना रेकार्ड भी तोड़ा। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय पारी के 45वें ओवर में हसन अली की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर अपने 230वें मैच और 222वीं पारी में इस आंकड़े को छुआ।

28 जनवरी 2002 को मास्टर ब्लास्टर तेंदुलकर कानपुर में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैचों में 11,000 रन के आंकड़े तक पहुंचे थे। उन्होंने यह मुकाम करिअर की 284वें एकदिवसीय और 276वीं पारी में हासिल किया था। वह इस आंकड़े तक पहुंचे वाले पहले क्रिकेटर बने थे।

11,000 एकदिवसीय रनों के क्लब में नौ खिलाड़ी शामिल हैं जिसमें कोहली और सचिन के अलावा एक अन्य भारतीय बल्लेबाज सौरव गांगुली हैं। इस पूर्व कप्तान ने 298वें मैच और 288वीं पारी में यह मुकाम हासिल किया था।

भुवी की मांसपेशियों में खिंचाव

भारत को एक और झटका लगा जब पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। बीसीसीआइ की मीडिया टीम के अनुसार भुवनेश्वर के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया जिससे उन्हें 2.4 ओवर के बाद मैदान छोड़कर जाना पड़ा।

विराट कोहली	77 रन	रोहित शर्मा	140 रन
लोकेश राहुल	57 रन		

भारतीय बल्लेबाजों के बीच साझेदारी

रोहित शर्मा	136	लोकेश राहुल
रोहित शर्मा	98	विराट कोहली
विराट कोहली	51	हार्दिक पंड्या

मैच के दौरान पाकिस्तान के शोएब मलिक और शिखर धवन।

पीसीबी ने स्टार स्पोर्ट्स के विज्ञापन को लेकर आइसीसी से शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मेजबान प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स के विज्ञापन (टीवीसी) को लेकर आइसीसी के पास शिकायत दर्ज कराई है। उसने इसे आपत्तिजनक करार दिया है। आइसीसी अधिकारियों ने भी इस संबंध में प्रसारक से बातचीत की है और उन्हें पीसीबी की आपत्ति से अवगत कराया है। यहां तक कि बीसीसीआइ अधिकारी भी इस मामले से अवगत हैं लेकिन उन्होंने इससे दूर रहना उचित समझा क्योंकि यह उनसे जुड़ा नहीं है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा कि हां, एहसान मनि ने पीसीबी की तरफ से आइसीसी के पास आपत्ति दर्ज कराई है।

स्कोर बोर्ड

भारत : लोकेश राहुल का बाबर आजम बो वहाब रियाज 57, रोहित शर्मा का वहाब रियाज बो हसन अली 140, विराट कोहली का सरफराज अहमद बो मोहम्मद आमिर 77, हार्दिक पंड्या का बाबर आजम बो मोहम्मद आमिर 26, महेंद्र सिंह धोनी का सरफराज अहमद बो मोहम्मद आमिर 01, विजय शंकर नाबाद 15, केदार जाधव नाबाद 09 **गेंदबाजी** : मोहम्मद आमिर 10-1-47-3, हसन अली 9-0-84-1, वहाब रियाज 10-0-71-1, इमाद वसीम 10-0-49-0, शादाब खान 9-0-61-0, शोएब मलिक 1-0-11-0, मोहम्मद हफीज 1-0-11-0

पाकिस्तान : इमाम उल हक पगबाधा बो विजय शंकर 07, फखर जमां का युजवेंद्र चहल बो कुलदीप यादव 62, बाबर आजम बो कुलदीप यादव 48, मोहम्मद हफीज बो विजय शंकर को हार्दिक पंड्या 09, सरफराज अहमद बो विजय शंकर 12, शोएब मलिक बो हार्दिक पंड्या 00, इमाद वसीम नाबाद 46, शादाब खान नाबाद 20, **गेंदबाजी** : भुवनेश्वर कुमार 2.4-0-8-0, जसप्रीत बुमराह 8-0-52-0, विजय शंकर 5.2-0-22-2, हार्दिक पंड्या 8-0-44-2, कुलदीप यादव 9-1-32-2, युजवेंद्र चहल 7-0-53-0

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को रौंदा

कार्डिफ, 16 जून (भाषा)।

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार देर रात अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। उसने इस जीत से सेमी फाइनल में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा है। फाफ डुप्लेसिस की अगुआई वाली टीम की टूर्नामेंट में शुरुआत काफी खराब रही और उसे पहले तीन मैचों में शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि वेस्ट इंडीज के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में बारिश के कारण दो बार व्यवधान पड़ा और इसे 48 ओवर का कर दिया गया। लेग स्पिनर इमरान ताहिर (29 रन पर चार विकेट) की फिरकी के सामने अफगानिस्तान की टीम 34.1 ओवर में 125 रन पर ही ढेर हो गई। क्रिस मौरिस (13 रन पर तीन विकेट) और एंडिले फेलुकवायो (18 रन पर दो विकेट) ने भी ताहिर का अच्छा साथ निभाया।

35 रन बनाने वाले राशिद खान अफगानिस्तान की ओर शीर्ष स्कोरर रहे

29 रन खर्च कर इमरान ताहिर ने चार विकेट चटकाए

अफगानिस्तान की ओर से नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे राशिद खान (35) शीर्ष स्कोरर रहे। राशिद ने 25 गेंद की अपनी पारी में छह चौके मारे और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज नूर अली जादरान (32) और हजरतुल्लाह जजाई (22) ही दोहरे अंक में पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीका ने इसके जवाब में क्विंटन डिकाक (68) और हाशिम अमला (नाबाद 41) के बीच पहले विकेट की 104 रन की साझेदारी की बदौलत 28.4 ओवर में ही एक विकेट पर 131 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। डिकाक ने 72 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके मारे। फेलुकवायो 17 रन बनाकर नाबाद रहे। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के पांच मैचों में तीन अंक हो गए हैं।

अफगानिस्तान की चार मैचों में यह चौथी हार है और उसे अब भी पहले अंक का इंतजार है। दस टीमों की अंक तालिका में अफगानिस्तान अंतिम स्थान पर चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका को इससे पूर्व अपने पहले तीन मैचों में इंग्लैंड, बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

गेंदबाजी में मिली सफलता का श्रेय कोच को : मौरिस

कार्डिफ, 16 जून (भाषा)।

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस मौरिस ने गेंदबाजी में सुधार का श्रेय टीम के मुख्य कोच ओटिस गिब्सन को दिया। मौरिस ने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका को मिली नौ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 13 रन देकर तीन विकेट चटकाए। बत्तीस साल के इस हरफनमौला को चोट के कारण बाहर हुए एनरिच नोर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया। डेल स्टेन चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और लुंगी एनगिडी भी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में गिब्सन ने टीम में मौरिस की जगह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

विश्व कप डायरी

वेस्ट इंडीज में जीतने की क्षमता : लॉयड

लंदन, 16 जून (भाषा)।

वेस्ट इंडीज ने भले ही अब तक सिर्फ एक मैच जीता हो लेकिन महान क्रिकेटर क्लाइव लायड का मानना है कि टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मौजूदा विश्व कप जीतने की क्षमता है। वेस्ट इंडीज ने अब तक चार मैच खेले हैं जिसमें टीम ने एक जीता है जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम का एक मैच बेनतीजा रहा।

लायड ने आइसीसी की वेबसाइट पर लिखा, 'टीम को शीर्ष चार में जगह दिलाने के लिए संभवतः 11 अंक पर्याप्त होंगे। उन्हें अब भी न्यूजीलैंड और भारत जैसी टीमों का सामना करना है। ऐसे में यह अभी नहीं तो कभी नहीं का मामला है।' लायड की कप्तानी में वेस्ट इंडीज ने 1975 और 1979 में विश्व कप जीता। उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि समय आ गया है कि वेस्ट इंडीज दिखा दे कि वे क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट में हमेशा हार और बुरे दिन देखने को मिलेंगे और अब हमें उम्मीद करनी होगी कि वेस्ट इंडीज ने ऐसे सारे दिन हटा दिए हैं। लायड ने लिखा, 'अगर उन्हें सेमी फाइनल में जगह बनानी है तो यहां से लगभग सभी ग्रुप मैच जीतने की जरूरत है।' इस पूर्व क्रिकेटर को इंग्लैंड के खिलाफ वेस्ट इंडीज की हार का मलाल है।

ताहिर ने अकेले टीम को मजबूत किया : डुप्लेसिस

कार्डिफ, 16 जून (भाषा)।

विश्व कप में पहली जीत दर्ज करने के बाद राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने अपने गेंदबाजों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इमरान ताहिर की सराहना करते हुए कहा कि इस लेग स्पिनर ने अकेले दम पर टीम को मजबूत किया।

दक्षिण अफ्रीका ने मौजूदा विश्व कप में अपना पांचवां मैच खेलते हुए शनिवार रात यहां नौ विकेट से पहली जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच ताहिर (29 रन पर चार विकेट) और क्रिस मौरिस (13 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने अफगानिस्तान की टीम 125 रन ही बना सकी। डुप्लेसिस ने कहा कि मौरिस और ताहिर ने बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी की क्योंकि उन्हें विकेट मिले। उन्होंने (ताहिर ने) बीच के ओवरों में विकेट हासिल करने की अपनी क्षमता से पिछले दो साल में अकेले दम पर हमें मजबूत टीम बना दिया। उन्होंने कहा कि इमरान हमेशा से विशेष रहे हैं।

इंग्लैंड की कप्तानी के लिए तैयार हैं बटलर

साउथम्पटन, 16 जून (एएफपी)।

अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच तक अगर कप्तान इयोन मोर्गन चोट से नहीं उबरते हैं तो जोस बटलर इंग्लैंड की कप्तानी के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को साउथम्पटन में वेस्ट इंडीज की पारी के दौरान मोर्गन को पीठ की मांसपेशियों में जकड़न के कारण वापस लौटना पड़ा था। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय को भी पैर की मांसपेशियों में जकड़न के कारण मैदान से बाहर जाने को बाध्य होना पड़ा था।

तकनीक में बदलाव से मिली सफलता : फिंच

लंदन, 16 जून (भाषा)।

आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि मानसिकता और तकनीक में थोड़े से बदलाव से उन्हें एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर अपने प्रदर्शन में सुधार करने में काफी मदद मिली। विश्व कप के कुछ महीने पहले तक फिंच खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। एकदिवसीय टीम में उनके बने रहने पर भी सवाल उठ रहा था।

आस्ट्रेलियाई कप्तान ने हालांकि शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में 132 गेंद में 153 रन की पारी खेल टीम को 87 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह मौजूदा विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर आ गए हैं।

इसके साथ ही वह रिकी पोंटिंग को पछाड़ कर विश्व कप में सबसे बड़ी खेलने वाले आस्ट्रेलियाई कप्तान भी बन गए हैं।

फिंच की 153 रन की पारी मौजूदा विश्व कप की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी पारी है। उनके अलावा इंग्लैंड के जैसन रॉय ने भी 153 रन बनाए हैं। फिंच ने कहा कि मैंने अपनी तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है, कुछ तकनीकी चीजों पर मैंने काम किया है। कई बार आप बदलाव करते हैं लेकिन उसके नतीजे तुरंत नहीं मिलते ऐसे में सही नतीजे मिलना अच्छा है।

आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि मैंने अपनी मानसिकता में थोड़ा बदलाव किया है। पिछले सत्र में मुझे आपने खेल पर संदेह होने लगा था। कई बार ऐसा होता था जब मैं अपने हर फैसले पर सवाल करता था।

विंडीज और बांग्लादेश में भिड़ंत आज

टांटन, 16 जून (भाषा)।

आइसीसी क्रिकेट विश्व कप में अपने अभियान का दमदार आगाज करने के बाद लगातार हार का सामना करने वाली बांग्लादेश और वेस्ट इंडीज की टीमें सोमवार को आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों का लक्ष्य मैच में जीत के साथ लय वापस पाने का होगा। वेस्ट इंडीज ने विश्व कप के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। टीम को आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। बांग्लादेश ने भी अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को हराकर उलटफेर किया जबकि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टीम को शिकस्त झेलनी पड़ी।

दोनों टीमों के नाम चार-चार मैचों में समान तीन अंक हैं और इस मैच को जीतने वाली टीम अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेगी। टांटन के मैदान में परिस्थितियां हालांकि वेस्ट इंडीज के गेंदबाजों के मुफीद होंगी जिसने पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया था। बांग्लादेश के हौसले भी हालांकि वेस्ट इंडीज के खिलाफ बुलंद होंगे क्योंकि विश्व कप से पहले आयरलैंड में खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में टीम ने वेस्ट इंडीज को दो लीग मैचों के बाद फाइनल में भी हराया था।

वेस्ट इंडीज की परेशानी का सबब उनकी बल्लेबाजी है। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टीम की यह कमजोरी पूरी तरह उजागर हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने 30वें ओवर में तीन विकेट पर 144 रन बना लिए थे लेकिन 45वें ओवर तक पूरी टीम 212 रन पर आउट हो गई। टीम को क्रिस गेल और फॉर्म में चल रहे शाई होप से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। वेस्ट इंडीज की परेशानी बड़े खिलाड़ियों का चोटिल होना भी है। आंद्रे रसेल और शेल्डन कोट्रेल इंग्लैंड के खिलाफ पांच ओवर ही गेंदबाजी कर पाए थे। बांग्लादेश की सफलता शाकिब अल हसन के प्रदर्शन पर निर्भर कर करेगी जिन्होंने टूर्नामेंट में अब तक गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है।

फुटबॉल

न्यूजीलैंड को हराकर कनाडा महिला विश्व कप के दूसरे दौर में

ग्रेनोबल (फ्रांस), 16 जून (एएफपी)।

कनाडा ने महिला विश्व कप के ग्रुप ई मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। इस हार के साथ न्यूजीलैंड पर पहले दौर में ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

इससे पहले वेलेंसिएनेस में नीदरलैंड ने कैमरून को 3-1 से हराया। टीम के कनाडा के बराबर छह अंक हो गए हैं और उसने भी अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

कनाडा ने अपने पहले मैच में कैमरून को 1-0 से हराया था जबकि न्यूजीलैंड को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद नीदरलैंड के खिलाफ इंजरी टाइम में हुए गोल के कारण हार का का सामना करना पड़ा। शनिवार को कनाडा की ओर से जेसी फ्लेमिंग ने निशेल प्रिंस के पास पर 48वें मिनट में पहला गोल दागा।

निशेल ने इसके बाद 78वें मिनट में एक और गोल दागकर कनाडा की 2-0 से जीत सुनिश्चित की।

कनाडा और नीदरलैंड की टीमें अब 20 जून को रीम्स में भिड़ेंगी जिससे ग्रुप के विजेता का फैसला होगा।

इसी दिन मोंटपेलियर में न्यूजीलैंड का सामना कैमरून से होगा। इस मैच की विजेता टीम अन्य नतीजे पक्ष में रहने पर दूसरे दौर में जगह बना सकती है क्योंकि तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमों को अंतिम 16 में प्रवेश मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 211, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार।

कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

AMAZE
Price Starts at ₹ **5,87,900*** • Exchange Bonus ₹ **25,000***
2 year extended warranty for unlimited kms* + 3 year annual maintenance package*

JAZZ
Benefits upto ₹ **50,000***

WR-V
Benefits upto ₹ **40,000***

CITY
Benefits upto ₹ **57,000***

Loyalty Bonus and Special offers for Government employees, pensioners, CSD & CPC customers, loyal customers, select corporates & self employed professionals (Doctors, CAs, Lawyers & Teachers). T&C apply.

Available in Petrol and Diesel
i-VTEC · i-DTEC · CVT
For more information, SMS <Honda> to 53030 www.hondacarindia.com hondacarindia hondacarindia

SCRATCH & WIN GET ASSURED GIFTS
Honda Activa | Lenovo Laptop | Philips Soundbar Speaker | Apple iPhone 8 | Samsung 109 cm LED | Branded 1.5 Ton Split AC | Gold Voucher of ₹25000/-

Honda Auto Terrace — CAR EXCHANGE
Honda ProCARE — CUSTOMER SERVICE
3 YEAR WARRANTY UNLIMITED kms*

Offers are model, fuel type and variant specific. Offers are valid for limited period or till stock lasts. For Corporate Sales enquiries, write to corporatenorth@hondacarindia.com. To exchange any existing car with a Honda car, write to autoterrace@hondacarindia.com. Accessories shown may not be part of standard equipment and will be available at extra cost. Features are grade specific. Warranty of unlimited kms in 3 year period from date of sale of new vehicle is part of standard purchase. Images used are computer generated/enhanced for creative representation purpose and may vary from actual product images. Please check and experience the actual product at dealership for more details. Gift images are indicative and may vary in actual. Scratch & Win an Assured Gift ("Gift/Voucher") offer is for the Customer on purchase of all Honda Car during the period 5th May to 20th June 2019. All offers from the dealers. Amaze ex-showroom price is standardised across India. Ex-showroom price is of base petrol variant (MT). *T & C apply.

Attractive offers also available on other Honda Cars*

CENTRAL DELHI
Ring Road Honda — Connaught Place, 43080000

SOUTH DELHI
Courtesy Honda — Okhla, 40710000, 7878787480
Samara Honda — Bhikaji Cama Place, 49777888, 9717093302; Lajpat Nagar, 46555111, 8826143300

EAST DELHI
Prime Honda — Patparganj, 7290055380; Dilshad Garden, 7375002004

WEST DELHI
Samara Honda — Mayapuri, 45656565, 9717556161
Ring Road Honda — Peeragarhi, 45520000, 45540000; Moti Nagar, 42597000; Dwarka, 41990000

NORTH DELHI
Cherish Honda — Rohini, 8255008008
Courtesy Honda — Wazirpur, 43200000, 8800933381, 9899080293

NOIDA
Crown Honda — Noida, 0120-4700000, 8527995500
Ace Honda — Noida, 0120-4000400, 9999673820/50

FARIDABAD
Classic Honda — Faridabad, 0129-4097007, 7428390952

GHAZIABAD
Prime Honda — Vaishali, 7290055379
Axon Honda — Ghaziabad, 0120-2784002, 9599293870

GURGAON
Infinity Honda — Gurgaon, 7290023171 - 75, 9643307170
Cherish Honda — Gurgaon, 7557323232
Ring Road Honda — Gurgaon, MG Road, 0124-4688000, 9711887375; Gurgaon, Sector-18, 0124-4609400

REWARI
Pace Honda — Rewari, 08222991310, 08222991301

SONIPAT
Malwa Honda — Sonipat, 0130-2380800/01/02, 9467800902

BAHADURGARH
Ring Road Honda — Bahadurgarh, 9891474100

PALWAL
Pace Honda — Palwal, 07056000033, 08130392101